ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 13 जुलाई, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 |✻| मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-194

विरोध प्रदर्शन के लिए मैसूरु जा रहे भाजपा नेताओं को कनिमिनिके में रोका गया @ नम्मा बेंगलूरु

संविधान के स्वयंभू खैरख्वाहों को भारत सरकार का माकूल जवाब

अब हर साल 25 जून होगा 'संविधान हत्या दिवस'

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित किया है। यही वो दिन था जब 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने देश में आपातकाल घोषित करते हुए विपक्षी नेताओं, राजनीतिक-सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्रों और बुद्धिजीवियों को जेल में डाल दिया था। इंदिरा सरकार ने मीडिया पर भी अंकुश लगा दिया था। सरकार ही तय करने लगी थी कि अखबारों में क्या छपेगा और क्या नहीं। आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी के बेटे संजय सिंह ने हजारों लोगों की जबरन नसबंदी करवाई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकार के इस कदम पर कहा, 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाना हमें याद दिलाएगा कि जब भारत के संविधान को कुचला गया था, तब क्या हुआ था। यह उन सभी लोगों को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है, जिन्होंने आपातकाल की ज्यादतियों के कारण कष्ट झेले थे, जो भारतीय इतिहास का एक काला दौर था। उल्लेखनीय है कि पीएम मोदी खुद आपातकाल विरोधी आंदोलन में सक्रिय थे, उस दौरान उन्होंने पुलिस से बचने के लिए एक सिख की वेशभूषा धरी थी।

"25 जून देशवासियों को याद दिलाएगा कि संविधान के कुचले जाने के बाद देश को कैसे-कैसे हालात से गुजरना पड़ा था। यह दिन उन सभी लोगों को नमन करने का भी है, जिन्होंने आपातकाल की घोर पीड़ा झेली। देश कांग्रेस के इस दमनकारी कदम को भारतीय इतिहास के काले अध्याय के रूप में हमेशा याद रखेगा।"

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

सरकार ने जारी की अधिसूचना, शाह ने की घोषणा

इतिहास का वह त्रासदी भरा काला दौर था : मोदी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत सरकार के ताजा फैसले का ऐलान करते हुए याद किया कि कैसे इंदिरा गांधी ने तानाशाही मानसिकता का परिचय देते हुए हमारे लोकतंत्र की आत्मा का गला घोंट दिया था। उन्होंने याद किया कि कैसे लाखों लोग जेल में ठूंस दिए गए थे और मीडिया की आवाज दबा दी गई थी। अमित शाह ने ऐलान किया कि हर साल उस काले दिवस की स्मृति में भारत सरकार ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि इस दिन देश उन महान लोगों के योगदानों का स्मरण करेगा, जिन्होंने आपातकाल का दर्द को सहन किया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा ये निर्णय लिए जाने के पीछे उद्देश्य है उन लाखों लोगों की भावनाओं का सम्मान करना, जिन्होंने दमनकारी सरकार के हाथों अकल्पनीय उत्पीड़न का सामना करने के बावजूद लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए संघर्ष किया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि इससे प्रत्येक भारतीय में व्यक्तिगत स्वतंत्रता एवं लोकतंत्र की रक्षा की अखंड ज्योति को प्रज्वलित रखने में मदद मिलेगा। जारी अधिसूचना में कहा गया है कि भारत के लोगों को भविष्य में सत्ता के घोर दुरुपयोग को रोकने के लिए इसके जरिए प्रतिबद्ध किया गया है। भारत के लोगों का संविधान और लोकतंत्र पर दृढ विश्वास है। इससे कांग्रेस को करारा झटका लगा है जो लगातार संविधान-संविधान की रट लगा रही थी और भाजपा के खिलाफ दुष्प्रचार फैला रही थी।

विपक्ष के संविधान बचाओ नारे को लेकर चल रही सियासी जंग के बीच केंद्र ने आपातकाल के मुद्दे को अपना हथियार बनाया है। 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाने की घोषणा कांग्रेस के उसी चाल का माकूल जवाब है। केंद्र ने अपने इस फैसले को आपातकाल के खिलाफ लोकतंत्र बहाली की जंग लड़ने के दौरान अमानवीय यातना झेलने वाले लाखों लोगों का सम्मान करार दिया। गौरतलब है कि 1975 में 25 जून को ही आपातकाल लगाने की घोषणा हुई थी।

▶10 पर

डीआरडीओ के कंधे पर हथियार रख कर केंद्र साध रहा निशाना

रक्षा क्षेत्र की सात परियोजनाएं स्टार्टअप कंपनियों को दे दीं

संवेदनशील रक्षा परियोजनाएं प्राइवेट संस्थाओं को देने पर सवाल

फिर रक्षा विशेषज्ञों पर ही क्यों लगते हैं जासूसी के गंभीर आरोप

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार डीआरडीओ के कंधे पर हथियार रख कर निशाना साध रही है। रक्षा क्षेत्र की संवेदनशीलता का ध्यान रखे बगैर तमाम महत्वपूर्ण और जोखिम वाले प्रोजेक्ट्स धड़ाधड़ निजी संस्थानों को दिए जा रहे हैं। जब निजी संस्थाएं संवेदनशील रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में घुस रही हैं तो फिर रक्षा विशेषज्ञों पर जासूसी के आरोप क्यों लगते हैं? संवेदनशील परियोजनाओं की सूचना लीक करने के जुर्म में रक्षा अधिकारियों को जेल में क्यों सड़ाया जाता है? इन सवालों का जवाब दिए बगैर निजी पूंजी प्रतिष्ठानों को उपकृत किए जाने का सिलसिला जारी है। तत्कालीन रक्षा मंत्री अरुण जेटली के कार्यकाल से शुरू हुआ यह गोरखधंधा राजनाथ सिंह के कार्यकाल तक जारी है। अब तो यह और भी तेज हो गया है।

आत्मनिर्भरता के बहाने को बढ़ावा देते हुए केंद्र सरकार ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के जरिए सशस्त्र बलों, एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र की जरूरतों को देखते हुए सात नई संवेदनशील परियोजनाएं मंजूर की हैं। प्रौद्योगिकी विकास निधि योजना के तहत स्वीकृत इन परियोजनाओं का मकसद रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्रों में विशेष रूप से एमएसएमई और स्टार्टअप को बढ़ावा देना है। केंद्र सरकार का तर्क है कि इन प्रौद्योगिकियों के स्वदेशी विकास से सैन्य औद्योगिक इको सिस्टम मजबूत होगा।

स्वीकृत की गई सात नई परियोजनाओं में 1. स्वदेशी परिदृश्य और सेंसर सिमुलेशन टूलकिट, 2. अंडरवाटर प्रक्षेपित मानव रहित हवाई वाहन, 3. लम्बी दूरी का रिपोर्ट चालित वाहन, 4. विमान के लिए आईस डिटेक्शन सेंसर डेवलपमेंट, 5. एक्टिव एंटीना ऐरे सिम्युलेटर के साथ रडार सिग्नल प्रोसेसर डेवलपमेंट, 6. भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट प्रणाली आधारित समय अधिग्रहण और प्रसार प्रणाली का विकास एवं 7. ग्राफीन आधारित स्मार्ट और ई-टेक्सटाइल के विकास की परियोजना शामिल हैं।

स्वदेशी परिदृश्य और सेंसर सिमुलेशन टूलकिट पायलटों के प्रशिक्षण के लिए देसी टूलकिट विकसित किया जा रहा है। यह परियोजना नोएडा के स्टार्टअप ऑक्सीजन 2 इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड को दी गई है।

अंडर वाटर प्रक्षेपित मानवरहित हवाई वाहन परियोजना बहुमुखी समुद्री युद्ध क्षेत्र सहायक उपकरण से संबंधित है, जिसे युद्ध की कई भूमिकाओं में तैनात किया जा सकता है।

▶10 पर

साध्वी मणिप्रभा ने किया चातुर्मासिक प्रवेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री आदिनाथ जैन श्वेतांबर संघ चिकपेट के तत्वावधान में श्री संभवनाथ जैन मंदिर वीवी पूरम के प्रांगण में पूज्य गच्छाधिपति आचार्य देव जयानंद सूरीश्वरजी की आज्ञा-नुवर्तिनी पूज्य साध्वी संघवण श्री जी की सुशिष्या विदुषी पूज्य साध्वी मणिप्रभा श्री जी का चातुर्मास प्रवेश सकल श्री संघ के अति उत्साह पूर्ण वातावरण में हुआ। पूज्य गुरुवर्या श्री का 24 वर्ष पूर्व चातुर्मास हुआ था। ज्ञातव्य है कि इस बार चातुर्मास में 12-12 दीक्षित साध्वीजी भगवंत भी पहली बार बेंगलूरु पधारी हैं। पूज्यश्री को बधाकर प्रवेश करवाने का लाभ सुखीद-वी, रमेशकुमार हरण परिवार एवं गुरुपूजन का लाभ राणमल, गुणेशमल रांका परिवार ने लिया। पूज्य गुरुवर्याओं ने फरमाया कि प्रवचन ही जीवन की राह बदलने का सर्व श्रेष्ठ उपाय हैं। आज की युवा पीढ़ी को अगर धर्म से जोड़े रखना है तो हमें उन्हें उनकी ही समझ में शिविर, वांचना, प्रवचन आदि के माध्यम से समझाना होगा।

कोर समिति की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के मिनरवा सर्कल पर शुक्रवार को श्री मनमोहन पार्श्वनाथ श्वेताम्बर जैन संघ बाँता रघुनाथगढ ट्रस्ट की कोर समिति की बैठक हुई।

अध्यक्ष सुमन पिरगल के आदेशानुसार समिति ने ट्रस्ट पदाधिकारी कमेटी चयन पर सहमति जताई। अध्यक्ष ने बेंगलूरु से डॉ.विजय कुमार सुराना, पूणे से रायचंद लुंकड, इरोड से आनन्द सुराना को उपाध्यक्ष, बेंगलूरु से किशोर कंकुलोल को सचिव एवं पूणे से भरत कंकुलोल को सहसचिव, बेंगलूरु से मनोज सुराना को कोषाध्यक्ष, बाँता से महावीर कंकुलोल को सहकोषाध्यक्ष के साथ कार्यकारिणी सदस्य के पद पर मुंबई से बाबूलाल धोका, सुरेश श्रीश्रीमाल, चेन्नई से मगराज पिरगल, हस्तीमल सुराना, रवी कंकुलोल, कोयम्बत्तूर से सज्जनराज कंकुलोल, चिकमंगलूरु से सज्जनराज पिरगल, बेंगलूरु से घेवरचन्द कांकरिया, पूणे से शांतिलाल कंकुलोल को नियुक्त किया। सलाहकार समिति के लिए बेंगलूरु से मदनराज पिरगल, कुशलराज पिरगल, सज्जनराज कोठारी, प्रकाशचंद पिरगल, रमेशकुमार कंकुलोल, संपतराज पिरगल, पूणे से मोहनलाल कंकुलोल, मुंबई से नेमीचन्द पगारिया एवं चेन्नई से हेमराज सुराना के नाम घोषित किए गए।

डीके में बारिश की तीव्रता में कमी 15 जुलाई तक ऑरेंज अलर्ट

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दक्षिण कन्नड़ (डीके) में गुरुवार को मानसून की तीव्रता कम हो गई। पूरे दिन अच्छी धूप खिली रही, जबकि मेंगलूरु शहर सहित जिले के कुछ हिस्सों में शाम और रात में बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने तटीय कर्नाटक में 15 जुलाई तक ऑरेंज अलर्ट घोषित किया है, जो मानसून के एक बार फिर से मजबूत होने की संभावना को दर्शाता है। मछुआरों को मेंगलूरु से मुल्की और काउप से बिंदूर तक समुद्र में हिंसक लहरों की चेतावनी दी गई है, जिसमें 2 से 2.5 मीटर की ऊंचाई तक लहरें उठने की उम्मीद है। गुरुवार को मेंगलूरु में अधिकतम तापमान 29.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 23.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

सिद्धरामैया अपना भ्रष्ट चेहरा उजागर होने के बाद जाति कार्ड खेल रहे: आर अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक भाजपा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूमि घोटाले और आदिवासी कल्याण बोर्ड भ्रष्टाचार मामले में जाति कार्ड खेलने का आरोप लगाया।

विपक्ष के नेता आर. अशोक ने पोस्ट कर कहा कि जैसा कि अपेक्षित था, 4,000 करोड़ रुपये के मेगा एमयूडीए भूमि घोटाले में अपना भ्रष्ट चेहरा उजागर होने के बाद सीएम सिद्धरामैया जाति कार्ड खेलने का सहारा ले रहे हैं। समय बीत रहा है और सीएम सिद्धारमैया का मुखौटा उतर चुका है। जबकि सीएम सिद्धरामैया अहिंदा (अल्पसंख्यकों, पिछड़ों और दलितों के लिए एक कन्नड़ संक्षिप्त नाम) की आवाज होने का दावा करते हैं। हालांकि उन्होंने हमेशा दलितों को गरीब बनाए रखा है और राजनीतिक सत्ता हासिल करने के लिए उन्हें केवल वोट बैंक के रूप में माना है। सीएम सिद्धरामैया, क्या संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ निराधार आक्रामकता तीन बार के ओबीसी प्रधानमंत्री के प्रति उनकी गहरी ईर्ष्या से उपजी है? अशोक ने सीएम सिद्धरामैया से सवाल किया कि आप और आपका खेमा हर दिन प्रधानमंत्री मोदी पर व्यक्तिगत हमले करता है, क्या यह एक पिछड़े समुदाय के चाय बेचने वाले के प्रति आपकी नफरत की वजह से नहीं है, जो लगातार तीन बार देश का प्रधानमंत्री चुना गया है? अशोक ने हमला करते हुए कहा आपने (सीएम सिद्धरामैया) अहिंदा समुदायों की पीठ पर सवार होकर पूरी जिंदगी सत्ता का आनंद लेने के बाद दलितों और पिछड़े समुदायों के लिए क्या किया है? आपकी उपलब्धियां दलितों का पैसा लूटना, उनकी सीटें छीनना और उन्हें धोखा देना है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार को कहा था कि हर कोई परेशान है क्योंकि पिछड़े वर्ग से होने के बावजूद, मैं दूसरी बार मुख्यमंत्री बन गया। वे जल रहे हैं और साजिश रच रहे हैं। सीएम सिद्धरामैया ने अपने खिलाफ आरोपों को राजनीतिक बताया। जनजातीय कल्याण बोर्ड में उनकी भूमिका को लेकर भाजपा द्वारा उनके इस्तीफे की मांग पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, जो वित्त मंत्रालय भी संभालते हैं, ने कहा बैंकों में घोटाला हुआ है, और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को इस्तीफा देना चाहिए, और प्रधानमंत्री को भी इस्तीफा देना चाहिए। क्या वे अपना इस्तीफा देंगे?

गारंटी के कारण विकास कार्यों के लिए धन प्राप्त करना मुश्किल : बसवराज रायरेड्डी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के आर्थिक सलाहकार बसवराज रायरेड्डी ने कहा है कि राज्य सरकार की पांच गारंटियों के लिए भारी आवंटन ने विकास कार्यों के लिए धन प्राप्त करना मुश्किल बना दिया है। कोप्पल जिले के येलबर्गा से कांग्रेस विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र के मेंगलूरु गांव में एक झील पर काम शुरू करने के बाद किसानों की बैठक में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा मुख्यमंत्री ने मुझे अपना आर्थिक सलाहकार बनाया है और मैं उनसे रोजाना बातचीत करता हूं, इसलिए यह पैसा (झील परियोजना के लिए) आया है, अन्यथा यह नहीं आता।

यह एकमात्र ऐसा काम है जो पूरे राज्य में हो रहा है, क्योंकि गारंटी खुद ही चीजों को पूरा कर देगी। हमें इसके लिए (गारंटियों के लिए) 60,000-65,000 करोड़ रुपये खर्च करने होंगे। मुझे पता है कि यह कितना मुश्किल है। विपक्षी भाजपा और जेडीएस ने राज्य में कांग्रेस सरकार पर कोई भी विकास कार्य न करने का आरोप लगाया है, क्योंकि विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी द्वारा किए गए वादों को पूरा करने के लिए भारी भरकम खर्च किया जा रहा है।

रायरेड्डी के दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए उपमुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने कहा कोई कठिनाई नहीं है, हम व्यवस्था को सुव्यवस्थित कर रहे हैं। हमने अपने वादे पूरे किए हैं। हम गारंटी योजनाएं जारी रखेंगे। शिवकुमार ने कहा हमने वोट के लिए गारंटी योजनाएं नहीं लाईं, बल्कि महंगाई से पीड़ित लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के इरादे से लाईं। हमें विश्वास है कि लोग हमारा सहयोग करेंगे। सिद्धरामैया ने चालू वित्त वर्ष में अपनी सरकार की प्रमुख पांच गारंटी योजनाओं के लिए 52,009 करोड़ रुपये अलग रखे हैं। ये पांच गारंटी योजनाएं हैं, जिसमें सभी घरों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली (गृह ज्योति), हर परिवार की महिला मुखिया को 2,000 रुपये मासिक सहायता (गृह लक्ष्मी), बीपीएल परिवार के प्रत्येक सदस्य को अतिरिक्त 5 किलो चावल के बदले नकद भुगतान (अन्न भाग्य), बेरोज-गार स्नातक युवाओं को हर महीने 3,000 रुपये और डिप्लोमा धारकों को 1,500 रुपये (युवा निधि) और सार्वजनिक परिवहन बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा (शक्ति) शामिल है।

दोषी गैंगस्टर ने हिंडाल्गा जेल के अंदर से जबरन वसूली के लिए किया कॉल

पुलिस कर रही मामले की जांच

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
दोषी गैंगस्टर बन्नंजे राजा उर्फ राजेश कुमार ने बेलगावी की हिंडाल्गा जेल के अंदर से जबरन वसूली के लिए कथित तौर पर धमकी भरा कॉल किया। जेल विभाग अब मामले की जांच कर रहा है। बन्नंजे राजा को 2013 में उत्तर कन्नड़ जिले के अंकोला में व्यवसायी आर.एन. नायक की हत्या में कथित संलिप्तता के लिए 2015 में मोरक्को से भारत प्रत्यर्पित किया गया था। राजा और अन्य आरोपियों को 2022 में बेलगावी की एक सत्र अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। वह हिंडाल्गा जेल में अपनी सजा काट रहा है। जेल विभाग के सूत्रों के अनुसार, कॉल के बारे में सतर्क होने के बाद, पुलिस अधीक्षक और सहायक पुलिस अधीक्षक, हिंडाल्गा जेल ने मोबाइल फोन की तलाश में उसके बैरक की तलाशी ली। तलाशी के दौरान पुलिस ने बॉडी कैमरा पहना हुआ था। हालांकि पुलिस को मोबाइल फोन नहीं मिला, लेकिन जेल अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि सेल के अंदर फोन की तस्करी कैसे हुई और डिवाइस को अंदर लाने में किसने मदद की। दूसरी ओर, घटना की जानकारी मिलते ही हिंडाल्गा के प्रभारी कलबुर्गी के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) स्थिति का जायजा लेने के लिए जेल पहुंचे। राजा के जेल में बंद रहने के पांच सालों में यह पहली बार है कि हिंडाल्गा से जबरन वसूली का आरोप लगाया गया है। सूत्रों ने बताया कि वर्तमान में बेलगावी और बेंगलूरु की केंद्रीय जेलों में पूर्णकालिक मुख्य पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) नहीं है, जिससे जेल की सुरक्षा पर असर पड़ता है। सूत्र ने बताया कि राजा अब तस्करी किए गए मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर धमकी देने के आरोप में निगरानी के दायरे में आ गए हैं।

पॉक्सो मामला

कोर्ट ने येदियुरप्पा को ट्रायल कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश होने से दी छूट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा को उनके खिलाफ दर्ज पॉक्सो मामले के संबंध में 15 जुलाई को ट्रायल कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट दे दी।

भाजपा के इस दिग्गज नेता पर एक नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। गत 28 जून को कर्नाटक उच्च न्यायालय ने भाजपा नेता को गिरफ्तार करने से सीआईडी को रोकने के अपने अंतरिम आदेश को बढ़ा दिया था, इसके बाद अभियोजन पक्ष को येदियुरप्पा द्वारा उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर आपत्ति दर्ज करने की अनुमति दी थी।

बेंगलूरु में डेंगू से संदिग्ध तीसरी मौत दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर में डेंगू से तीसरी संदिग्ध मौत दर्ज की गई है, जबकि बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) यह पुष्टि करने के लिए ऑडिट कर रही है कि मरीज की मौत डेंगू के कारण हुई थी या नहीं। अगर पुष्टि हो जाती है, तो शहर में डेंगू से मरने वालों की संख्या तीन हो जाएगी। बीबीएमपी के विशेष आयुक्त (स्वास्थ्य) सुरलकर विकास किशोर ने कहा लगभग दो दिन पहले, एक 23 वर्षीय व्यक्ति की संदिग्ध डेंगू से मौत हो गई और अब हमें इसकी पुष्टि करने के लिए ऑडिट करना होगा। उन्होंने कहा कि दूसरी संदिग्ध मौत पर ऑडिट से अब पुष्टि हो गई है कि 11 वर्षीय बच्चे की मौत डेंगू से हुई थी।

संथेकट्टे अंडरपास में देरी को लेकर एनएच अधिकारियों के खिलाफ करेंगे कार्रवाई : सांसद कोटा पुजारी

परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के समक्ष मामला उठाया

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
उडुपी-चिकमगलूरु निर्वाचन क्षेत्र के सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी ने संथेकट्टे अंडरपास के निर्माण में देरी के बारे में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) अधिकारियों को कड़ी चेतावनी जारी की है। कई बार साइट विजिट करने और परियोजना में तेजी लाने के निर्देश देने के बावजूद समयसीमा में देरी पर निराशा व्यक्त करते हुए पुजारी ने परियोजना को तत्काल पूरा करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने प्रगति में तेजी लाने के लिए हस्तक्षेप की मांग करते हुए परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के समक्ष मामला उठाया है। उन्होंने कहा मैंने संथेकट्टे अंडरपास निर्माण स्थल का तीन बार दौरा किया है और मुझे जल्द ही काम पूरा करने का निर्देश दिया गया है। मैंने उन्हें ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया है। अन्य बुनियादी ढांचे के मुद्दों को संबोधित करते हुए पुजारी ने एमईएसकॉम के पोल स्थानांतरण के मुद्दों के कारण इंद्राली रेलवे पुल निर्माण में देरी का उल्लेख किया, जिसे हाल ही में हल किया गया है। उन्होंने संकेत दिया कि मौसम की स्थिति अनुकूल होने पर काम शुरू हो जाएगा। रेलवे विकास की बात करते हुए पुजारी ने कोंकण रेलवे को भारतीय रेलवे में विलय करने के बारे में चल रही चर्चाओं का उल्लेख किया।

उन्होंने इन योजनाओं पर चर्चा करने के लिए 22 जुलाई को केंद्रीय रेलवे अधिकारियों के साथ होने वाली आगामी बैठक का उल्लेख किया, जिसमें वंदे भारत सेवाओं को मुंबई तक विस्तारित करना भी शामिल है। अन्य अंडरपास परियोजनाओं के बारे में पुजारी ने बताया कि अंबलपडी अंडरपास के लिए निविदा को मंजूरी दे दी गई है, जबकि कटपडी अंडरपास निविदा के लिए मंजूरी प्राप्त करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ सर्विस रोड की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला और इन बुनियादी ढाँचे की जरूरतों को पूरा करने का वादा किया।

पुजारी ने चेतावनी दी कि अगर एनएच अधिकारी काम में देरी करना जारी रखते हैं, तो मैं एनएच विभाग के साथ इन अधिकारियों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराऊँगा। उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

कथित मुडा साइट घोटाले का मामला

विरोध प्रदर्शन के लिए मैसूरु जा रहे भाजपा नेताओं को कनिमिनिके में रोका गया

भाजपा नेताओं को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्षी भाजपा ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को अपने पद से इस्तीफा देने और मुडा में अवैध भूमि आवंटन मामले में सीबीआई जांच की मांग करते हुए बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई.विजयेंद्र, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर.अशोक, पूर्व मंत्री सी.टी.रवि, मुनिरत्न और लगभग सभी भाजपा विधायकों, पार्टी नेताओं और अन्य लोगों ने बेंगलूरु से मैसूरु चलो तक विरोध प्रदर्शन किया।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के गृह जिले मैसूरु में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करने की भाजपा की योजना की पृष्ठभूमि में, प्रदर्शनकारियों को, जो अपने वाहनों में मैसूरु जा रहे थे, पुलिस ने रामानगर के पास कनामिनिके टोल के पास हिरासत में ले लिया। एहतियात के तौर पर पुलिस ने भाजपा के प्रमुख नेताओं को उनके दफ्तरों और घरों से गिरफ्तार करने की कोशिश की।

हालांकि, पुलिस से बहस के बाद बड़ी संख्या में कार्यकर्ता गाड़ियों से मैसूरु के लिए रवाना हो गए। पुलिस, जो पहले से ही उन्हें गिरफ्तार करने के लिए सड़क पर थी, कनामिनिके के पास आते ही उन्हें पुलिस स्टेशन ले गई। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर नोकझोंक हुई और कुछ देर के लिए वहां तनावपूर्ण स्थिति बन गई। पुलिस ने वाहनों की आवाजाही को रोकने के लिए टोल रोड और अन्य किनारों पर बैरिकेड्स और पुलिस वाहन खड़े किए थे। हालांकि, भाजपा कार्यकर्ताओं ने गाड़ियां हटाकर मैसूरु जाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें इजाजत नहीं दी। तुरंत सौ से अधिक प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं को जबरदस्ती बसों में भरकर थाने ले जाया गया। इससे पहले, पुलिस ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई विजयेंद्र, तमेश गौड़ा, मुनिरत्न, अश्वथ नारायण, कृष्णप्पा, नंदीश रेड्डी और कई अन्य नेताओं को उनके आवास के पास से हिरासत में ले लिया था। उन्हें घर से बाहर निकलने से रोकने के लिए उनके आवास के पास बैरिकेड्स लगाए गए थे।

कांग्रेस पापों से भरी है

मैसूरु मुडा घोटाले की निंदा करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि कांग्रेस पापों से भरी है। आपने दलितों का पैसा लूटा। साथ ही आपने दलितों और गरीबों के लिए आरक्षित स्थानों की भी उपेक्षा की है। उन्होंने मांग की कि इसकी जांच सीबीआई से कराने के साथ ही मुख्यमंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए। मुडा में एक बड़ा घोटाला सामने आया है जो हजारों करोड़ का है। इसको लेकर मुख्यमंत्री चिंतित हैं। हमने मैसूरु में मुडा के सामने भ्रष्ट कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया था। हालांकि, उन्होंने सीएम के आदेश पर विरोध को दबाने के लिए पुलिस की आलोचना की। उन्होंने लोकतंत्र का कत्लेआम किया है। अगर मुख्यमंत्री ईमानदार हैं, अगर मुडा में कोई भ्रष्टाचार नहीं है, अगर जिलाधिकारी की रिपोर्ट के बाद भी कोई भ्रष्टाचार नहीं है, तो निष्पक्ष जांच कराएं। उन्होंने मांग की कि इसकी जांच सीबीआई से करायी जानी चाहिए। सिद्धरामैया की सरकार दमनकारी है। सरकार के पाप का घड़ा भरा हुआ है और किसी भी वक्त गिर सकती है। संघर्ष का दमन अक्षम्य अपराध है। हमारे नेताओं को सुबह 7 बजे गिरफ्तार कर लिया गया।

हमारे बैनर और झंडे फाड़ दिए

उन्होंने विरोध करते हुए कहा कि उन्होंने नाइस रोड के पास हमारे बैनर और झंडे फाड़ दिए और कार्यकर्ताओं के लिए लाए गए स्नैक्स को लात मार दी। वाल्मीकि निगम का पैसा, जो दलितों के विकास के लिए रखा गया था, कांग्रेस सरकार ने चुरा लिया और चुनावों में इस्तेमाल किया। कांग्रेस ने प्रदेश को एटीएम बना दिया है। मुख्यमंत्री ने मुडा घोटाला कर अपने परिवार को जमीन आवंटित की है। यह 5 हजार करोड़ का घोटाला है। इससे कांग्रेस सरकार के सर्वव्यापी भ्रष्टाचार का पर्दाफाश हो गया है। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री को राज्य की जनता को जवाब देना चाहिए। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री तुरंत अपने पद से इस्तीफा दें और मामले की जांच सीबीआई से करायी जाये। उन्होंने कहा कि तभी इस घोटाले की स्पष्टता सामने आएगी और न्याय मिलेगा।

ईडी ने निगम में कथित घोटाले के सिलसिले में नागेंद्र को हिरासत में लिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार की सुबह पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र को हिरासत में लिया, जो बेल्लारी ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस विधायक हैं। यह गिरफ्तारी कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में कथित घोटाले की जांच के सिलसिले में की गई है, जिसमें कथित तौर पर 88 करोड़ रुपये तक की धनराशि का गबन किया गया था।

10-12 जुलाई को उनसे जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी के बाद, नागेंद्र को सुबह बेंगलूरु के शांतिनगर में ईडी कार्यालय ले जाया गया। उम्मीद है कि उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। ईडी कार्यालय में ले जाए जाने के दौरान कांग्रेस विधायक ने मीडियाकर्मियों से कहा मुझे निगम में किसी भी अनियमितता की जानकारी नहीं है। मैं निर्दोष हूं और मुझे राजनीतिक साजिश में फंसाया जा रहा है। कथित घोटाले के सिलसिले में ईडी द्वारा 10 जुलाई, 2024 को तलाशी लिए गए परिसरों में बेंगलूरु में कांग्रेस विधायक बी. नागेंद्र का आवास भी शामिल था। कथित घोटाला तब प्रकाश में आया जब निगम के एक कर्मचारी एन. चंद्रशेखरन ने धन के गबन के कारण आत्महत्या कर ली। उन्होंने 26 मई को एक नोट में इसके लिए मंत्री को दोषी ठहराया। नागेंद्र, जो कर्नाटक सरकार में अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री के रूप में निगम की देखरेख करते थे, ने 6 जून को इस्तीफा दे दिया। तीन एजेंसियां - राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी), केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और ईडी - आरोपों की जांच कर रही हैं।

एसआईटी ने 11 लोगों को गिरफ्तार किया है और कथित रूप से गबन की गई राशि में से 14.5 करोड़ रुपये जब्त किए हैं। 9 जुलाई को, एसआईटी ने ईडी की छापेमारी से एक दिन पहले नागेंद्र और निगम के अध्यक्ष बसनगौड़ा दद्दल, रायचूर ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस विधायक से पूछताछ की थी।

मुडा में कोई खामी नहीं, भाजपा राजनीति के लिए कर रही विरोध: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण के तहत भूमि आवंटन में कोई अंतर नहीं है, भाजपा राजनीतिक कारणों से मैसूरु में विरोध प्रदर्शन कर रही है। कांग्रेस राजनीतिक तौर पर जवाबी कार्रवाई करेगी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में हमारी जीत के बाद भाजपा सरकार को बदनाम करने के लिए तरह-तरह के प्रयास कर रही है। देश के सबसे बड़े राज्यों में सिर्फ कर्नाटक ही सत्ता में है। इसके लिए वे हमें यहां सिकोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह इसकी इजाजत नहीं देंगे। डीके शिवकुमार ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस आरोप से सहमति जताई कि

भाजपा साजिश कर रही है क्योंकि वे पिछड़े वर्ग से हैं। उन्होंने कहा कि समय आने पर हम उचित जवाब देंगे। वाल्मीकि अनुसूचित जाति विकास निगम घोटाले में ईडी जांच की जरूरत नहीं थी। राज्य सरकार पहले से ही जांच कर रही थी। उन्होंने कहा इसके बावजूद प्रवर्तन निदेशालय क्या कर रहा है, यह जानने के बाद हम जवाब देंगे। कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के फैसले को लेकर कानूनी विशेषज्ञों से चर्चा हो चुकी है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व में एक और दौर की बैठक होगी, जिसके बाद उचित निर्णय लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार को कहा था कि राज्य में विपक्षी दल पिछड़े वर्ग के व्यक्ति के दो बार मुख्यमंत्री बनने को लेकर ईर्ष्यालु और असहिष्णु हैं। मुडा साइट आवंटन को लेकर विरोध और आरोप महज राजनीतिक कारणों से की गई एक राजनीतिक साजिश है। सीएम ने कहा क्या मैं इससे डरूंगा? हम यह भी जानते हैं कि इसका राजनीतिक रूप से कैसे मुकाबला किया जाए। हालांकि, एक बार जब एसआईटी मुडा में कथित अनियमितताओं से संबंधित रिपोर्ट दे देगी, तो हम खामियों को दूर करेंगे। हम मुडा को साफ करेंगे। वह गुरुवार को मैसूरु के शारदादेवीनगर में अपने आवास के पास मीडियाकर्मियों से बात कर रहे थे। सिद्धरामैया ने बताया कि डीसी ने 2005 में मेरे साले मल्लिकार्जुनस्वामी की कृषि भूमि को बदल दिया था और 2010 में जब उन्होंने इसे मेरी पत्नी को उपहार में दिया था, तब यह विकसित नहीं थी। उन्होंने दावा किया कि मुडा ने 2014 में इसे अवैध रूप से अधिग्रहित किया और साइटों को विकसित करके वितरित किया। उन्होंने कहा कि इसकी भरपाई के लिए उन्होंने 2021 में विजयनगर में वैकल्पिक विकसित क्षेत्र में साइटें दी हैं, जब भाजपा सत्ता में थी, भले ही हमने उस लेआउट में साइटें नहीं मांगी थीं। उन्होंने सवाल किया कि उन्हें हमारी अधिग्रहीत भूमि के लिए भूमि का तीन गुना मूल्य यानी 57 करोड़ रुपये देना चाहिए। ब्याज के साथ, मूल्य 63 करोड़ रुपये हो जाता है। श्रीरामपुरा द्वितीय चरण की एक और महिला भी है, जिसने इसी तरह से भूमि खो दी है और उसने मुआवजे के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

मानसून सत्र के लिए विधान सौध में सभी तैयारियां

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

15 जुलाई से शुरू होने वाले राज्य विधानसभा के दोनों सदनों के मानसून सत्र को देखते हुए विधान सौधा में तैयारी का काम तेज कर दिया गया है। सारी तैयारियां चल रही हैं। विधानसभा प्रवेश द्वार का नवीनीकरण किया जा रहा है। विधानसभा और विधान परिषद के हॉल और गैलरी की सफाई की जा रही है। दोनों घरों के प्रवेश द्वारों पर सजावटी पौधे लगाए जा रहे हैं। विधान परिषद के अध्यक्ष और सभापति के आसन के दोनों किनारों को विशेष सजावटी पौधों और फूलों से सजाया जाएगा, क्योंकि सत्र के लिए अभी दो दिन बाकी हैं, इसलिए दोनों सदनों के कर्मचारी तैयारी के काम में व्यस्त हैं। विधान सौधा के प्रवेश द्वारों और गलियारों की सफाई का काम चल रहा है। इस प्रकार विधानसौधा के परिसर में एक नई शोभा देखने को मिलती है, क्योंकि वर्षा ऋतु होने के कारण विधानसौधा के परिसर में हरा-भरा वातावरण रहता है। पौधे फूलों से लहलहा रहे हैं। इस सत्र के लिए विधान सौधा में नई चमक देखने को मिल रही है।

पुलिस आयुक्त दयानंद ने कर्मचारियों को पर्यावरण स्वच्छता पर दी सलाह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने कहा कि हर जगह कचरा न फेंकें। सभी को पर्यावरण को खराब किए बिना स्वच्छता बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने पुलिस आयुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित पुलिस आयुक्त कार्यालय को जीरो वेस्ट कार्यालय में बदलने के कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि वह कूड़ा निस्तारण पर ध्यान देंगे और प्रतिदिन कर्तव्यनिष्ठा से कूड़ा निस्तारण करने वालों को उचित इनाम देंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि कूड़ा निस्तारण किए बिना कहीं भी कूड़ा फेंकने वालों पर विभाग व थाने के कर्मचारियों से जुर्माना वसूला जाएगा। उन्होंने कर्मचारियों को स्टेशनों पर प्लास्टिक कचरे का उपयोग न करने की हिदायत देते हुए कहा कि हमें स्वच्छता पर ध्यान देकर कार्यक्रम आयोजित कर प्रशंसा प्राप्त करनी चाहिए। कच्चा कूड़ा, सूखा कूड़ा, अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक्स, ट्यूबलाइट आदि अपशिष्ट पदार्थों को अलग-अलग एकत्र करना चाहिए। उन्होंने कर्मचारियों से कहा कि आज से ही कूड़ा निस्तारण पर ध्यान देकर पर्यावरण को स्वच्छ रखें।

गरुड़ गिरोह की मदद करने के आरोप में 21 वर्षीय लड़की गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी पुलिस ने दक्षिण कन्नड़ के उप्पिनंगडी से 21 वर्षीय एक लड़की को काउप में गरुड़ गिरोह के सदस्यों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिला की पहचान शफीरा (21) के रूप में हुई है, जिस पर गरुड़ गिरोह के सदस्यों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने और आश्रय की व्यवस्था करने का आरोप है।

यह गिरोह हाल ही में उडुपी-मणिपाल राजमार्ग पर एक सड़क पर हुए झगड़े और हत्या के प्रयास की घटना में शामिल था, जहाँ वे देर रात तलवारों और अन्य हथियारों के साथ सड़क पर लड़ रहे थे।

उडुपी जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ. अरुण के. के अनुसार, शफीरा पर गिरोह के सदस्यों को मोबाइल फोन उपलब्ध कराने और पैसे ट्रांसफर करने का भी आरोप है।

विधायक बसनगौड़ा दद्दल एसआईटी की सुनवाई में हुए शामिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम के अध्यक्ष और विधायक बसनगौड़ा दद्दल करोड़ों रुपये के धन हस्तांतरण घोटाले के सिलसिले में शुक्रवार को एसआईटी के सामने पेश हुए। विशेष जांच दल (एसआईटी) के अधिकारियों ने दद्दल से घोटाले के बारे में पूछताछ की और जानकारी हासिल की। मंगलवार सुबह-सुबह ईडी के अधिकारियों ने उनके बेंगलूरु के यलहंका स्थित आवास, रायचूर स्थित कार्यालय और आवास समेत कई जगहों पर छापेमारी की और तलाशी ली। मामले को लेकर ईडी के अधिकारियों ने विधायक और रिश्तेदारों समेत कई लोगों से पूछताछ की। इस मामले में विधायक दद्दल सोमवार को एसआईटी के सामने पेश हुए। एसआईटी ने मंगलवार को दोबारा पेश होने का नोटिस जारी किया था। लेकिन मंगलवार को छापेमारी के कारण वे सुनवाई में शामिल नहीं हुए। मालूम हो कि एसआईटी का नोटिस जारी होने के बाद सुनवाई में शामिल हुए दद्दल से एसआईटी के अधिकारियों ने कई जानकारियां हासिल की हैं।

चैनल को सेक्स स्कैंडल से जुड़ी खबरें प्रसारित करने से रोकना था उद्देश्य

सुप्रीम कोर्ट ने कन्नड़ न्यूज चैनल पर ब्रॉडकास्टिंग प्रतिबंध पर लगाई रोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कर्नाटक हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें कन्नड़ न्यूज चैनल पावर टीवी की ब्रॉडकास्टिंग पर रोक लगाई गई थी। यह रोक अगले सोमवार तक लागू रहेगी, जब कोर्ट मामले की सुनवाई जारी रखेगा। कोर्ट ने मौखिक रूप से कहा कि टीवी चैनल के खिलाफ मामला सरासर राजनीतिक प्रतिशोध का मामला लगता है और चैनल को राज्य में सेक्स स्कैंडल से जुड़े कुछ आरोपों को प्रसारित करने से रोकने के उद्देश्य से दायर किया गया था। यह कहते हुए कि न्यायालय अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करेगा, सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा

जितना अधिक हम आपको सुनते हैं, उतना ही हमें यकीन होता है कि यह राजनीतिक प्रतिशोध है, मैं बहुत ईमानदार हूं।

इसलिए, हम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करने के लिए इच्छुक हैं। वह (याचिकाकर्ता) राज्य में सेक्स स्कैंडल के बारे में कुछ आरोपों को प्रसारित करना चाहता था। विचार उसकी आवाज को पूरी तरह से बंद करना था, यह न्यायालय उसे अनुमति देने के लिए बाध्य है। यह सरासर राजनीतिक प्रतिशोध है और कुछ नहीं। इसलिए यदि हम ऐसा नहीं करते (अधिकारों की रक्षा) तो यह न्यायालय अपने कर्तव्य में विफल हो जाएगा। कथित तौर पर चैनल जेडी(एस) नेताओं प्रज्वल रेवन्ना और सूरज रेवन्ना के खिलाफ सेक्स स्कैंडल के आरोपों की ब्रॉडकास्टिंग कर रहा था।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ मेसर्स पावर स्मार्ट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जो कन्नड़ समाचार चैनल संचालित करती है। याचिकाकर्ता ने कर्नाटक हाईकोर्ट की खंडपीठ के आदेश को चुनौती दी, जिसने चैनल की ब्रॉडकास्टिंग के खिलाफ एकल पीठ द्वारा पारित स्थगन आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। हाईकोर्ट ने जेडी(एस) एमएलसी एचएम रमेश गौड़ा और अन्य द्वारा दायर याचिकाओं पर आदेश पारित किया। जस्टिस एसआर कृष्ण कुमार की एकल पीठ ने 26 जून को यह देखते हुए स्थगन आदेश पारित किया कि केंद्र सरकार ने चैनल को कारण बताओ नोटिस जारी किया। खंडपीठ ने यह मानते हुए आदेश में हस्तक्षेप नहीं किया कि 2021 से चैनल बिना वैध लाइसेंस के काम कर रहा है और उल्लंघन का आरोप लगाते हुए उसे कई नोटिस जारी किए गए। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि केवल संघ द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस के आधार पर हाईकोर्ट द्वारा स्थगन आदेश पारित नहीं किया जा सकता।

कर्नाटक एसआईटी ने मुख्य आरोपी वर्मा द्वारा खरीदी गई 3.3 करोड़ की लेम्बोर्गिनी जब्त की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जनजातीय कल्याण बोर्ड में अनियमितताओं की जांच के लिए कर्नाटक सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने हैदराबाद में 3.3 करोड़ रुपये की लेम्बोर्गिनी जब्त की, जिसे मामले के मुख्य आरोपी सत्यनारायण वर्मा ने खरीदा था। बोर्ड से फर्जी खातों में पैसे आने का पता लगाने वाले एसआईटी के अधिकारियों ने पाया कि मामले में गिरफ्तार किए गए सत्यनारायण वर्मा ने लग्जरी कार डीलर को 3.3 करोड़ रुपये दिए थे। एसआईटी के अधिकारियों ने कार का पता लगाया और उसे जब्त कर डीलर को लौटा दिया। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने पैसे भी बरामद कर लिए। सूत्रों के मुताबिक, आरोपी नंबर 13 के तौर पर नामित सत्यनारायण वर्मा ने अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए गए एक बयान में आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के खिलाफ आरोप लगाए थे। उन्होंने आरोप लगाया

कि सीआईडी दोषियों को बचा रही है और अधिकारी दबाव में हैं। सत्यनारायण वर्मा ने अदालत को यह भी बताया कि उनकी गिरफ्तारी के बाद अधिकारियों ने चार दिनों तक उनके परिवार को सूचित नहीं किया। उन्होंने अदालत से अनुरोध किया कि उन्हें सीआईडी अधिकारियों की अनुपस्थिति में गोपनीय तरीके से बयान देने की अनुमति दी जाए। सूत्रों ने बताया कि यह दलील तब दी गई जब सीआईडी ने उन्हें अदालत में पेश किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा था कि सत्यनारायण वर्मा ने अदालत को बताया था कि उन्हें पूर्व मंत्री नागेंद्र के करीबी सहयोगियों द्वारा धमकाया जा रहा है। विजयेंद्र ने दावा किया यह एक गंभीर आरोप है। हालांकि एसआईटी ने आज तक पूर्व मंत्री नागेंद्र से पूछताछ करने की हिम्मत नहीं की है। बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी चंद्रशेखरन की आत्महत्या के बाद अनियमितताएं प्रकाश में आईं, जिन्होंने एक मंत्री की भूमिका का जिक्र करते हुए एक नोट छोड़ा था। फिलहाल एसआईटी, सीबीआई और ईडी मामले की जांच कर रहे हैं और ईडी ने शुक्रवार सुबह पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र को गिरफ्तार कर लिया।

एससी–एसटी फंड के दुरुपयोग में दिखा राहुल गांधी का दोहरा चरित्र : अर्जुन राम मेघवाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक बार फिर भाजपा ने कांग्रेस सरकार को एससी एसटी के कल्याण के लिए निर्धारित फंड का दुरुपयोग चुनाव के दौरान किए वादों को पूरा करने में करने का आरोप लगाया। कानूनी मंत्री ने कहा कि कांग्रेस जो कर रही है वह संविधान का उल्लंघन है। यह राहुल गांधी का दोहरा मानदंड को दर्शाता है।

भाजपा ने शुक्रवार को कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कल्याण के लिए निर्धारित फंड का दुरुपयोग राज्य चुनावों के दौरान राहुल गांधी द्वारा किए गए वादों को पूरा करने के लिए करने का आरोप लगाया। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार जो कर रही है, वह संविधान का उल्लंघन है और उन्होंने कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कर्नाटक की जनता को धोखा दिया जा रहा है। राहुल गांधी के दोहरे मानदंडों का खुलासा हो गया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ राहुल गांधी संविधान की एक प्रति लेकर घूम रहे हैं, जबकि राज्य में संवैधानिक मूल्यों का उल्लंघन खुलेआम किया जा रहा है।

उन्होंने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कि दावा किया कि एससी और एसटी कल्याण के लिए निर्धारित 39,121 करोड़ रुपये में से 14,730 करोड़ रुपये से अधिक का उपयोग कांग्रेस द्वारा 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान अपनी गारंटी के तहत किए गए विभिन्न रियायतों को लागू करने के लिए किया गया है। वहीं कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कांग्रेस पर हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों के दौरान विपक्ष पर फर्जी कहानी फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा वे कुछ सीटें जीतने में सफल हो सकते हैं, लेकिन लोगों का दिल कभी नहीं जीत सकते।

कर्नाटक तमिलनाडु को पानी छोड़ने के कावेरी पैनल के निर्देश के खिलाफ करेगा अपील

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को कहा कि कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) द्वारा राज्य को इस महीने के अंत तक प्रतिदिन 1 टीएमसीएफटी कावेरी नदी का पानी तमिलनाडु को छोड़ने के निर्देश के खिलाफ अपील दायर की जाएगी। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जो जल संसाधन मंत्री भी हैं, कावेरी बेसिन क्षेत्र के मंत्रियों और अधिकारियों के साथ बैठक के बाद, सिद्धरामैया ने कहा कि राज्य की अगली कार्रवाई पर निर्णय लेने के लिए 14 जुलाई को एक सर्वदलीय बैठक आयोजित की जाएगी।

इस बार सामान्य बारिश के पूर्वानुमान के बावजूद, अभी तक प्रवाह में 28 प्रतिशत की कमी है। सीडब्ल्यूआरसी के समक्ष हमारे रुख में हमने यह स्पष्ट रूप से कहा था। साथ ही, हमने जुलाई के अंत तक कोई निर्णय न लेने का अनुरोध किया, फिर भी सीडब्ल्यूआरसी ने 12 जुलाई से प्रतिदिन 1 टीएमसीएफटी पानी छोड़ने को कहा है। उन्होंने कहा कि आज की बैठक में यह राय बनी कि सरकार को इस आदेश के खिलाफ कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के समक्ष अपील दायर करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कर्नाटक के जल मुद्दे पर सभी दल एक साथ हैं। इसलिए, एक सर्वदलीय बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि बैठक में केंद्रीय मंत्रियों, राज्य से लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों और कावेरी नदी बेसिन क्षेत्र के विधायकों को भी आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार सभी को विश्वास में लेकर अपना अगला कदम तय करेगी। सिद्धरामैया ने कहा कि बिलिगुंडलु में तमिलनाडु को 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है जो काबिनी बांध के प्रवाह के बराबर है। उन्होंने बताया कि राज्य में कावेरी बेसिन के सभी चार जलाशयों में कुल मिलाकर केवल 60 टीएमसीएफटी पानी उपलब्ध है। हमें कृषि गतिविधियों के लिए भी पानी उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। इसलिए, कम बारिश को ध्यान में रखते हुए, हमने जुलाई के अंत तक इंतजार करने का अनुरोध किया है।

तमिलनाडु को कावेरी का पानी छोड़ने के बारे में कानूनी विशेषज्ञों के साथ चर्चा: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने तमिलनाडु को कावेरी का पानी छोड़ने के बारे में कानूनी विशेषज्ञों के साथ चर्चा की है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा हमने भविष्य की कार्रवाई के बारे में अपनी कानूनी टीम के साथ चर्चा की है, हम जल्द ही सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे। वे तमिलनाडु को पानी छोड़ने के संबंध में प्राधिकरण द्वारा लिए गए निर्णय पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे। तमिलनाडु और कर्नाटक सरकारें कावेरी नदी के पानी के बंटवारे को लेकर लंबे समय से उलझी हुई हैं। नदी को दोनों राज्यों के लोगों के लिए जीविका का एक प्रमुख स्रोत माना जाता है। इससे पहले गुरुवार को कावेरी जल नियंत्रण समिति ने कर्नाटक को प्रतिदिन तमिलनाडु को 100 मिलियन क्यूबिक फीट पानी छोड़ने का निर्देश दिया था। इसके बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के आवास पर जल संसाधन विभाग की आपात बैठक बुलाई गई।

आषाढ़ शुक्रवार पर चामुंडी पहाड़ियों पर भक्तों की भीड़ उमड़ी

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आषाढ़ के पहले शुक्रवार को चामुंडी पहाड़ियों पर स्थित प्रसिद्ध देवी चामुंडेश्वरी मंदिर में हजारों भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। शुक्रवार को तड़के ही भक्तों का पहाड़ पर पहुंचना शुरू हो गया। केएसआरटीसी ने ललिता महल मैदान में अस्थायी बस स्टैंड से मुफ्त बसें चलाईं, क्योंकि यातायात को नियंत्रित करने के लिए मंदिर में निजी वाहनों को जाने की अनुमति नहीं थी। भक्तों को लाने–ले जाने के लिए 40 से अधिक बसों को विशेष रूप से तैनात किया गया था। मुख्य पुजारी शशिशेखर दीक्षित के नेतृत्व में मंदिर के पुजारियों द्वारा सुबह–सुबह मंदिर में अनुष्ठान शुरू हो गए। मंदिर को विभिन्न प्रकार के फूलों से विशेष रूप से सजाया गया था। अनुष्ठान सुबह 3 बजे से ही शुरू हो गए थे और देवी को विशेष रूप से लक्ष्मी अलंकार से

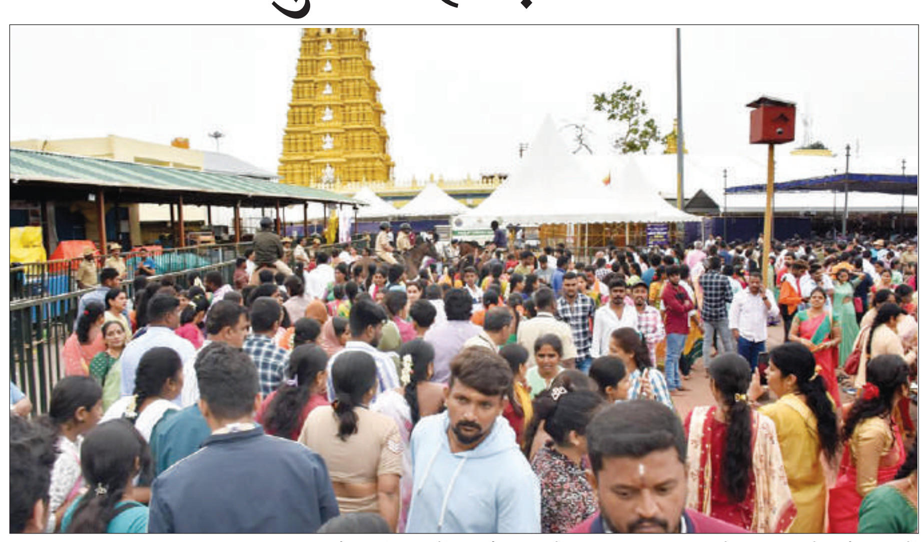

सजाया गया था। अनुष्ठान पूरा होने के बाद, मंदिर के द्वार उन भक्तों के लिए खोल दिए गए जो मैसूरु के पीठासीन देवता के दर्शन के लिए इंतजार कर रहे थे। भारी भीड़ की आशंका को देखते हुए, शहर की पुलिस ने पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की थी और सुरक्षा उपाय के तौर पर पहाड़ियों की चोटी पर और मंदिर में कई स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। मंदिर तक पहुंचने के लिए बसों की बजाय बहुत से भक्त सीढ़ियां चढ़ गए। भीड़ के कारण, 300 और 50 रुपये के टिकट खरीदने वाले भक्तों के लिए विशेष प्रवेश की व्यवस्था की गई थी। पहाड़ियों के ऊपर टिकट काउंटरों पर भीड़ को कम करने और भक्तों की सुविधा के लिए ललिता महल मैदान में बस स्टैंड पर विशेष प्रवेश टिकट उपलब्ध कराए गए थे। मंदिर के आसपास भीड़ होने और प्रसाद वितरण के लिए जगह नहीं होने के कारण भक्तों को बहुस्तरीय पार्किंग स्थल पर प्रसाद वितरित किया गया, जिसकी व्यवस्था भक्तों और संघों द्वारा की गई थी। हर साल की तरह, शुक्रवार को भी बड़ी संख्या में भक्त इकट्ठा होते हैं। 19 जुलाई, 26 जुलाई और 2 अगस्त को शुक्रवार को भी भीड़ रहेगी। 27 जुलाई को देवी का वर्धनोत्सव है और पहाड़ी की चोटी पर फिर से भक्तों की भारी भीड़ रहेगी। सभी निजी वाहनों को ललिता महल पैलेस के पास पहाड़ियों की तलहटी में बने अस्थायी बस स्टैंड के पास पार्क करना होगा, जहाँ से पहाड़ियों के लिए बसें चलती हैं। आषाढ़ के मौसम में सप्ताहांत पर, किसी भी निजी वाहन को अनुमति नहीं दी जाएगी। इन दिनों, बसें चलेंगी, लेकिन यह मुफ्त नहीं है और यात्रियों को टिकट के लिए भुगतान करना होगा और यात्रा करनी होगी। लेकिन शक्ति योजना के मद्देनजर महिलाओं के लिए यह मुफ्त है।

बेलगावी के अधिकारियों को सार्वजनिक स्वास्थ्य स्थिति की नियमित निगरानी करने का निर्देश

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। उपायुक्त मोहम्मद रोशन ने जिला और तालुक स्तर के अधिकारियों से डेंगू के प्रसार को रोकने और प्रभावित रोगियों को उचित उपचार सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाने का निर्देश दिया है। उन्होंने उनसे सभी आवासीय क्षेत्रों में जांच बढ़ाने और स्वच्छता सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने बेलगावी में अधिकारियों के साथ ऑफलाइन और ऑनलाइन बैठकें कीं। डेंगू नियंत्रण और आपदा प्रबंधन जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिले में डेंगू के मामलों को नियंत्रित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा

कि अधिक प्रकोप वाले क्षेत्रों की पहचान की जानी चाहिए और इन क्षेत्रों में जांच और उपचार पर मुख्य ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सभी नालों की सफाई की जानी चाहिए। डेंगू को नियंत्रित करने के लिए शहरी और ग्रामीण स्थानीय निकायों द्वारा अतिरिक्त कर्मचारियों को नियुक्त किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी विभाग के अधिकारियों से समन्वय में काम करने को कहा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग को बाढ़ की स्थिति में होने वाली संक्रामक बीमारियों के नियंत्रण के लिए आवश्यक आपूर्ति और मृत्यु और पीड़ा से बचने के लिए आवश्यक आपूर्ति तुरंत स्टॉक करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त सावधानी बरती जानी चाहिए। नियमित रूप से पानी की जांच की जानी चाहिए। उन्होंने जिला अस्पताल और बेलगावी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज का दौरा किया और डॉक्टरों, कर्मचारियों और मरीजों से मुलाकात की।

नेपाल में दो बसें त्रिशूली नदी में बह गईं, 65 लापता

लापता यात्रियों में सात भारतीय नागरिक

काठमांडू, 12 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाल में भूस्खलन की वजह से दो यात्री बसें त्रिशूली नदी में बह गईं। 65 यात्रियों के लापता होने की खबर है। इनमें सात भारतीय भी शामिल हैं। नेपाल में खराब मौसम लोगों के लिए आफत बना हुआ है।

आज सुबह मध्य नेपाल में मदन-आश्रित राजमार्ग पर अचानक हुए भूस्खलन के कारण 65 यात्रियों को ले जा रही दो बसें त्रिशूली नदी में बह गईं। दोनों चालकों समेत सभी यात्री लापता हैं। इनमें सात भारतीय भी शामिल थे।

चितवन के मुख्य जिला अधिकारी इंद्रदेव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दोनों बसों में चालकों सहित कुल 65 लोग सवार थे। हादसा सुबह करीब 3:30 बजे हुआ। तलाशी अभियान चल रहा है, लेकिन

लगातार बारिश के कारण लापता बसों की तलाश में दिक्कत आ रही है। घटना चितवन जिले में नारायणघाट-मुगलिंग रोड पर सिमलताल इलाके में हुई। उधर, खराब मौसम के कारण काठमांडू से भरतपुर और चितवन तक की सभी उड़ानें आज के लिए रद्द कर दी गई हैं।

हादसे का शिकार हुई यात्री बसों में से एक बस बीरगंज से काठमांडू जा रही थी और दूसरी गौर जा रही थी। काठमांडू जाने वाली बस में 24 लोग और गौर जाने वाली बस में 41 लोग सवार थे। दूसरी बस में सवार तीन यात्री कूदकर भागने में सफल रहे। बीरगंज से काठमांडू जा रहे 21 यात्रियों के बारे में जानकारी मिली है। पुलिस ने बताया कि बस में सवार यात्रियों में सात भारतीय नागरिक भी थे।

हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने तत्काल खोज और बचाव अभियान के निर्देश जारी किए। उन्होंने नागरिकों से आवश्यक सावधानी बरतने का आग्रह किया। पुलिस अधीक्षक भावेश रिमल ने कहा कि नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल के जवान बचाव अभियान के लिए घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं। नारायणघाट-मुगलिंग सड़क खंड पर विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन के कारण मलबा आने से यातायात बाधित हुआ है।

गुरुवार को कास्की जिले में लगातार बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ में कम से कम 11 लोगों की मौत की खबर भी आई है। नेपाल में मानसूनी आपदा की वजह से एक दशक में 1,800 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। इस दौरान लगभग 400 लोग लापता हो गए तथा 1,500 से अधिक लोग आपदा में घायल हो गए।

महाराष्ट्र में अर्बन नक्सलियों के खिलाफ बनेगा कानून

वामपंथी आतंकवादी विचार फैलाने वाले जाएंगे जेल

मुंबई, 12 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार अर्बन नक्सलियों के खिलाफ कानून बनाने जा रही है, जिसका मसौदा विधानसभा में भी पेश गया है। महाराष्ट्र स्पेशल पब्लिक सिक्योरिटी बिल, 2024 के लागू होने के बाद से नक्सलियों के इकोसिस्टम में शामिल ऐसे लोगों पर कार्रवाई होगी जो बुद्धिजीवी कहलाने की आड़ में बचते फिरते हैं।

इसमें बताया गया है कि मुखौटा संगठनों के जरिए शहरी क्षेत्रों में नक्सली अपना प्रभाव बढ़ा रहे हैं। ये सशस्त्र नक्सलियों को शरण देते हैं, उन्हें संसाधन मुहैया कराते हैं।

नक्सलियों के पास से जब्त किए गए साहित्यों से पता चलता है कि शहरी क्षेत्रों में उनके कई गुप्त ठिकाने हैं। जो लोग अपना घर इन नक्सलियों को रहने के लिए देते हैं, वो सोशल मीडिया और आमजनों के बीच नक्सली विचारधारा को आगे बढ़ा रहे हैं, यानी सरकार के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह की आग जला रहे हैं और ये देश के खिलाफ है। छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओड़ीशा ऐसे 48 संगठनों को पहले ही प्रतिबंधित कर चुके हैं। अक्टूबर में इसी साल महाराष्ट्र में चुनाव भी होने हैं।

इस बिल में स्पष्ट कहा गया है कि ऐसे किसी भी संगठन की बैठकों या सभाओं में प्रतिबंधित संगठन का कोई सदस्य किसी भी माध्यम से भाग लेता है या मदद करता है, तो उसे 3 साल तक की जेल की सज़ा के साथ-साथ 3 लाख रुपए तक का जुर्माना भी भरना पड़ सकता है।

राज्य सरकार ऐसे संगठनों को चिह्नित करने के लिए एक सलाहकार समिति का गठन करेगी। इसके कानून बनने के बाद पुलिस शक के आधार पर किसी भी परिसर में घुस कर नक्सली विचारधारा वाले साहित्य को जब्त कर सकती है।

साथ ही अर्बन नक्सलियों की संपत्ति को जब्त करने का भी प्रावधान है।

ऐसे संगठनों को प्रतिबंधित किए जाने का आदेश उसके अधिकारियों को दिया जाएगा वरना दफ्तर के बाहर चस्पाया जाएगा, दफ्तर न होने की स्थिति में अख़बारों में ये नोटिस छपेगा। सरकार द्वारा गठित एडवाइजरी बोर्ड में एक हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज भी होंगे। किसी प्रतिबंधित संगठन या उसके सदस्य की वित्तीय मदद करने पर भी जेल होगी।

कोई संगठन नाम बदल कर भी नहीं बच सकता, क्योंकि जब तक वो ऐसी गतिविधियों में शामिल रहेगा वो प्रतिबंधित रहेगा।

जेएनयू में हिंदू, बौद्ध और जैन धर्म के शोध केंद्र बनेंगे

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में तीन नए स्टडी सेंटर खोले जाएंगे। ये हिंदू, बौद्ध और जैन अध्ययन केंद्र होंगे। पिछले दिनों हुई अकादमिक परिषद की मीटिंग में इसे मंजूरी दी गई थी। इन तीनों सेंटर से छात्र परास्नातक (एमए) और पीएचडी की डिग्री ले सकेंगे। यूनिवर्सिटी ने इसे लेकर तैयारियां भी शुरू कर दी हैं।

इससे पहले दिल्ली यूनिवर्सिटी भी सेंटर फॉर हिंदू स्टडीज की स्थापना कर चुका है। इसके तहत मास्टर्स डिग्री का कोर्स करवाया जा रहा है। जल्द ही यहां पर ग्रेजुएशन डिग्री लाने की भी योजना है। दिल्ली यूनिवर्सिटी में पहले से ही बौद्ध धर्म के अध्ययन को लेकर केंद्र है, वहीं इसे अब सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज इन बुद्धिज़्म की स्थापना के लिए भारत सरकार से 35 करोड़ रुपए का फंड भी मिला है। भारतीय

धर्म, पंथों, इतिहास एवं संस्कृति के अध्ययन को यूथ के बीच फेमस बनाने के लिए यह सभी कदम उठाए जा रहें हैं।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ संस्कृत एंड इंडिक स्टडी के तहत इन सेंटरों की स्थापना का निर्णय लिया गया है। जेएनयू ने एक समिति को दायित्व दिया था कि वह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और भारतीय ज्ञान पद्धति को विश्वविद्यालय में लागू कराने के तरीके तलाशे। जेएनयू वामपंथी छात्रों का अड्डा रहा है और देश विरोधी गतिविधियों के कारण जेएनयू काफी बदनामियां झेल चुका है।

पंजाब के रास्ते जम्मू में घुसपैठ कर रहे आतंकी

चंडीगढ़, 12 जुलाई (एजेंसियां)। कठुआ में हुए आतंकी हमले के तार पंजाब से जुड़ते नजर आ रहे हैं। बीते दिनों पठानकोट, गुरदासपुर व आसपास के बॉर्डर एरिया में संदिग्ध देखे गए थे। संदिग्ध गतिविधियों को लेकर पंजाब की ओर से केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों को आगाह भी किया गया था। इससे पहले एजेंसियां कुछ कर पातीं, आतंकियों ने आठ जुलाई को सेना के गश्ती दल पर हमला कर दिया। इस हमले में पांच जवान बलिदान हो गए।

पंजाब के रास्ते पाकिस्तान से आतंकवादी भारत में घुसपैठ कर रहे हैं। छह महीने में पंजाब सीमा में घुसपैठ करते हुए 21 पाकिस्तानियों को दबोचा गया है, जो भारत में घुसने की फिराक में थे। कठुआ में सेना पर हुए आतंकी हमले के तार कहीं न कहीं पंजाब से जुड़े हुए हैं, क्योंकि

पंजाब में बीते दिनों देखे गए आतंकियों का अब तक कोई सुराग हाथ नहीं लगा है।

गुरुवार को कठुआ में जम्मू-कश्मीर और पंजाब के डीजीपी के अलावा बीएसएफ और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के अफसरों के बीच हुई इंटरस्टेट को-ऑर्डिनेशन मीटिंग में इन बातों पर एक दूसरे से इनपुट साझा किया गया। डीजीपी गौरव यादव ने को-ऑर्डिनेशन मीटिंग के बारे में बताया कि जम्मू-कश्मीर और पंजाब का एक बड़ा क्षेत्रफल पाकिस्तान से सटा हुआ है, ऐसे में इस मीटिंग में जहां दोनों प्रांतों में आतंकी गतिविधियों और उनके मॉड्यूल पर नकेल कसने के लिए इनपुट शेयर किए, वहीं दोनों राज्यों की पुलिस फोर्स के बीच तालमेल बढ़ाने को लेकर प्लानिंग की गई। मीटिंग में पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव, जम्मू कश्मीर के डीजीपी आरआर स्वैन और बीएसएफ के विशेष महानिदेशक पश्चिमी कमान वाई वी खुरानिया समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

पंजाब डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि को-ऑर्डिनेशन मीटिंग में दोनों राज्यों की इंटरनल सिक्योरिटी को मजबूत करने पर चर्चा हुई। विशेष तौर पर पंजाब के सरहदी इलाकों और अंतरराज्यीय सीमाओं से जुड़े जिलों में सतर्कता बढ़ाई जाएगी। मीटिंग में यह बात सामने आई है कि पाकिस्तानी आतंकी पंजाब के रास्ते घुसपैठ कर जम्मू-कश्मीर और अन्य राज्यों में आतंकी घटनाओं को अंजाम देने की फिराक में रहते हैं। बैठक में अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चर्चा हुई। अमरनाथ यात्रा पर देश के हर कोने से श्रद्धालु जाते हैं, ऐसे में अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की रूपरेखा तैयार की गई। मीटिंग में मौजूदा अफसरों ने बताया कि आतंकी अब आधुनिक तकनीकों का प्रयोग कर अपने गिरोह और हैंडलरों से बात करते हैं, ऐसे में बीएसएफ, एनआईए और अन्य केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों की भी मदद लेने के लिए रणनीति तय की गई।

आतंकवादी सांसद अमृतपाल का भाई ड्रग्स के साथ गिरफ्तार

जालंधर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर में देहात पुलिस ने श्री खडूर साहिब के सांसद बने खालिस्तानी आतंकी अमृतपाल सिंह के भाई हरप्रीत सिंह को खतरनाक ड्रग्स आइस के साथ गिरफ्तार किया है। हरप्रीत सिंह के पास से काफी मात्रा में आइस बरामद की गई है।

हरप्रीत सिंह की गिरफ्तारी के बाद आला अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं। हरप्रीत सिंह को फिल्लौर से पकड़ा गया है। एसएसपी जालंधर ग्रामीण अंकुर गुप्ता ने कहा, लवप्रीत, हरप्रीत और संदीप अरोड़ा के रूप में पहचाने गए तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्हें कल रात ही गिरफ्तार किया गया।

एसएसपी ने कहा, आइस अत्यंत खतरनाक ड्रग होती है। यह हेरोइन के उल्टा और बहुत तेजी से काम करता है। हेरोइन नर्वस सिस्टम को उदास और डाउन करता है, जबकि आइस ड्रग काफी उत्तेजित कर देता है।

इसका आमतौर पर इस्तेमाल रेव पार्टी, डिस्कोथेक, बड़े-बड़े होटलों के साथ-साथ आपराधिक वारदातों के लिए भी किया जाता है। यह एक अत्यंत उत्तेजक ड्रग है। इसका असर चार से पांच घंटे तक रहता है।

कश्मीर में एसी की रिकॉर्ड बिक्री, है न आश्चर्यजनक!

जम्मू, 12 जुलाई (ब्यूरो)। यह खबर आपको चौंका सकती है कि ठंडे मौसम के लिए मशहूर कश्मीर में एयर कंडिश्नर की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री हो रही है। कश्मीरियों के साथ-साथ कश्मीर की शीतलता का अहसास करने के लिए आने वाले लोगों को अब एयरकंडिशनरों का सहारा लेना पड़ रहा है।

कश्मीर में गर्मी की लहर जारी रहने के कारण ठंडक देने वाले उत्पादों, खास तौर पर एयर कंडिश्नर की मांग में नाटकीय रूप से उछाल आया है। इस गर्मी के मौसम में पिछले सालों की तुलना में एयर कंडिश्नर की बिक्री दोगुनी से भी अधिक देखी गई है, क्योंकि लोग भीषण गर्मी से राहत चाहते हैं।

खुदरा विक्रेता और निर्माता दोनों ही एयर कंडिश्निंग इकाइयों की अभूतपूर्व मांग की रिपोर्ट कर रहे हैं, कई स्टोर खरीद में उछाल के साथ तालमेल बिठाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। पिछले सप्ताह राजधानी श्रीनगर में 35.7 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो इस मौसम का सबसे अधिक तापमान था। मौजूदा गर्मी की लहर ने कई घरों के लिए एयर कंडिश्निंग को विलासिता के बजाय एक आवश्यकता बना दिया है।

एसी की बिक्री करने वाले डार इलेक्ट्रॉनिक्स के मालिक शौकत

अहमद बताते हैं कि कश्मीर में पहली बार एयर कंडिश्नर की इतनी बड़ी मांग देखी गई है। उनका कहना था कि कश्मीर में पहले कभी एसी की इतनी बड़ी मांग नहीं देखी गई। मौसम बेहद गर्म है और लोग ठंडक पाने के लिए एसी खरीदना पसंद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मेरे एसी का पूरा स्टॉक बिक चुका है और अब मैं नई आपूर्ति का इंतजार कर रहा हूं।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से श्रीनगर में स्टॉक नहीं आया है और ग्राहक बेसब्री से एसी खरीदने का इंतजार कर रहे हैं। अहमद के मुताबिक, इस गर्मी में एसी की मांग लगभग दोगुनी हो गई है।

हमें कई जिलों से ऑर्डर मिलते हैं। इस गर्मी में कश्मीर में और यहां तक कि पहाड़ी क्षेत्रों में भी भीषण गर्मी पड़ रही है, जिसके कारण कूलिंग उपकरणों की बहुत मांग है।

मुनीर अहमद कहते हैं कि एसी, जो कभी मुख्य रूप से होटल व्यवसायी और आर्थिक रूप से सम्पन्न लोग खरीदते थे, अब कश्मीर में आम घरेलू उपकरण बन गए हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीर में अब घरों के लिए एयर कंडीशनर खरीदे जा रहे हैं।

पहले इसे ज्यादातर कश्मीर में मस्जिदों और होटलों के लिए खरीदा जाता था। पंखे, कूलर और रेफ्रिजरेटर सहित अन्य कूलिंग उपकरणों की मांग भी इस गर्मी में बढ़ गई है। हम इस मौसम में पंखे, फ्रिज और कूलर की अच्छी बिक्री देख रहे हैं। डीलर फुरकान अहमद ने कहा, उम्मीद है कि जुलाई और अगस्त में बिक्री में और बढ़ोतरी होगी, जब कश्मीर में मौसम बहुत गर्म और उमस भरा रहेगा।

जम्मू कश्मीर के साढ़े छह महीनों का लेखा-जोखा

24 आतंकी ढेर, सात जवान भी शहीद

इस दरम्यान 17 नागरिक भी मारे गए

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 12 जुलाई। जम्मू कश्मीर में इस साल अभी तक सुरक्षाबलों ने 24 आतंकियों को ढेर करने में कामयाबी पाई है। पर इस कामयाबी के लिए सात जवानों को भी शहादत देनी पड़ी। इसी दरम्यान आतंकियों ने 17 नागरिकों की भी जान गई।

इस साल के पहले सात महीनों में सुरक्षा बलों ने जम्मू कश्मीर के 13 स्थानीय आतंकवादियों समेत 24 आतंकवादियों को मार गिराया। अब तक मारे गए 24 आतंकवादियों में से 3 घुसपैठिए थे और मारे गए 8 आतंकवादियों की पहचान नहीं हो सकी है। ये आतंकवादी 12 मुठभेड़ों में मारे गए। दक्षिणी कुलगाम जिले में तीन मुठभेड़ें हुईं। इसके बाद सोपोर और पुलवामा में 2-2 और बांदीपोरा में एकमात्र मुठभेड़ हुई। जबकि पिछले साल जम्मू कश्मीर में 52 घुसपैठियों समेत 73 आतंकवादी मारे गए थे।

उपलब्ध आंकड़ों से पता चलता है कि इस साल सुरक्षा बलों ने दो शीर्ष स्थानीय आतंकवादी कमांडरों को मार गिराया। कुलगाम के पायन रेडवानी इलाके में मुठभेड़ में लश्कर कमांडर बासित अहमद डार और एक गैर-स्थानीय आतंकवादी मारा गया। एक अन्य मुठभेड़ में ईद-उल-अजहा के दिन अरगाम बांदीपोरा मुठभेड़ में एक स्थानीय आतंकवादी कमांडर उमर खान मारा गया। कश्मीर की राजधानी श्रीनगर का एक आतंकवादी दानिश ऐजाज शेख पुलवामा के फ्रासीपोरा गांव में मारा गया। शोपियां के चेक चोलन गांव का एक लश्कर आतंकवादी बिलाल रसूल भट चोटिगाम शोपियां मुठभेड़ में मारा गया।

इसी तरह बारामुला जिले में नियंत्रण रेखा के पास उड़ी सेक्टर के सबुरा नाला इलाके में दो घुसपैठिए मारे गए। जबकि बारामुला जिले के नौपोरा सोपोर इलाके में मुठभेड़ में एक स्थानीय सैफुल्ला और एक अन्य अज्ञात आतंकवादी सहित दो आतंकवादी मारे गए। नेहामा पुलवामा मुठभेड़ में काकापोरा पुलवामा के दो आतंकवादी रियाज अहमद डार और रईस अहमद मारे गए। हीरानगर कठुआ के सैदा सुखल गांव में दो आतंकवादी मारे गए। हादीपोरा सोपोर में दो आतंकवादी मारे गए। गंडोह डोडा के बजाद वन क्षेत्र में तीन आतंकवादी मारे गए। कुलगाम जिले में दो मुठभेड़ों में छह आतंकवादी मारे गए।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सरकार को दिया सख्त आदेश

यमुना के किनारों को अतिक्रमण से मुक्त कराएं

यमुना किनारे शाहीनबाग का पूरा इलाका अवैध कब्जे में

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने डीडीए के उपाध्यक्ष को निर्देश दिया है कि यमुना नदी के किनारे को अवैध अतिक्रमण से तत्काल मुक्त कराया जाए। कार्यकारी चीफ जस्टिस मनमोहन की अध्यक्षता वाली बेंच ने यह आदेश जारी किया।

हाईकोर्ट ने डीडीए के उपाध्यक्ष को यमुना किनारे को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए दिल्ली नगर निगम, दिल्ली पुलिस, दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग, पीडब्ल्यूडी, वन विभाग और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से समन्वय करने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। हाईकोर्ट ने डीडीए के उपाध्यक्ष को इस मसले पर सभी विभागों के अधिकारियों की बैठक एक हफ्ते में करने का निर्देश दिया। हाई कोर्ट

ने डीडीए के उपाध्यक्ष को एक्शन टेकन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

हाईकोर्ट यमुना नदी के पास शाहीनबाग स्थित अनधिकृत निर्माणों को गिराने की मांग पर सुनवाई कर रहा था। याचिका में यमुना नदी के जलग्रहण इलाके में भविष्य में किसी भी अवैध निर्माण को रोकने का निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिका में कहा गया था कि यमुना की हालत पहले ही से काफी खराब है। यमुना नदी के किनारे अनियंत्रित निर्माण से जलग्रहण क्षेत्र को काफी क्षति हो रही है। इससे प्रदूषण बढ़ने के साथ-साथ यमुना किनारे रह रहे लोगों को मानसून में जान का खतरा भी बना रहता है।

सुनवाई के दौरान विभिन्न प्राधिकरणों ने कहा कि नदी का जलग्रहण क्षेत्र नदी के इकोसिस्टम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है, इसलिए वहां कोई भी गतिविधि करने पर रोक लगाई गई है। यमुना नदी के जलग्रहण क्षेत्र में अवैध निर्माण से पानी के बहाव का रुख आस पास के इलाकों की ओर मुड़ जाता है। सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस ने कहा कि उन्होंने यमुना नदी के किनारे अतिक्रमण रोकने के लिए उन्होंने डीडीए और दिल्ली नगर निगम को कई बार पत्र लिखा है।

सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश आम महोत्सव का शुभारंभ किया

जापान और मलेशिया जाएगा यूपी का 40 टन आम

अमेरिका में 900 रुपए किलो बिक रहा लखनऊ का दशहरी

लखनऊ, 12 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश इस साल जापान और मलेशिया को 40 टन आम निर्यात करेगा। 160 वर्ष के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि लखनऊ का दशहरी अमेरिका को निर्यात किया जा रहा है।

भारत में दशहरी का दाम 60 से 100 रुपए के बीच है लेकिन यही दशहरी जब अमेरिका के मार्केट में पहुंचा तो इसका दाम 900 रुपए किलो हो गया है। यानी अगर हम ड्यूटी टैक्स, कार्गो और एयर फेयर का दाम भी जोड़ लें तो एक किलो आम अमेरिका भेजने की लागत 250-300 रुपए तक आ रही होगी तब भी एक किसान एवं बागवान को एक किलो आम पर 600 रुपए की बचत होगी।

सीएम योगी ने शुक्रवार को अवध शिल्प ग्राम में उत्तर प्रदेश आम महोत्सव- 2024 का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पिछले 7-8 वर्षों से उत्तर प्रदेश सरकार आम महोत्सव आयोजित कर रही है। इस आयोजन में सरकार अपने प्रगतिशील किसानों और बागवानों को सम्मानित करती है। उत्तर प्रदेश के उत्पादित आम को हम न केवल देश में बल्कि दुनिया की मार्केट में पहुंच सके इसके लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप सभी जानते हैं कि हमारी सामान्य भाषा में जिस फल का नाम आम होता है उस फल में प्रत्येक नागरिक की पहुंच का सहज अनुमान लगाया जा सकता है, वह आम है इसलिए सबके लिए सुलभ भी है और सबके लिए सरल भी है और सबके लिए उपयोगी भी है। अतः जो आम होगा, वही राजा भी होगा और इसीलिए फलों के राजा के रूप में आम को हम सबने महत्व दिया है।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के बागवान केवल 3:15 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में 58 लाख मीट्रिक टन आम का उत्पादन करते हैं। देश के कुल आम उत्पादन का 25 से 30 प्रतिशत आम उत्पादन अकेले उत्तर प्रदेश में होता है। पिछले वर्ष उद्यान विभाग की टीम मास्को गई थी। इसमें लखनऊ और अमरोहा के किसान गए थे। वहां पर टीम ने आम महोत्सव का आयोजन किया था, जिसमें किसानों को आर्डर भी मिला था। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने भारत सरकार के सहयोग से प्रदेश के किसानों के लिए सहारनपुर, अमरोहा, लखनऊ और वाराणसी में चार पैक हाउस बनाए हैं।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश आम उत्पादन में देश में अग्रणी है लेकिन अब हमें बढ़ती हुई आबादी के अनुरूप क्वांटिटी और क्वालिटी दोनों को बनाए रखने के लिए लगातार काम करना होगा। दुनिया के मार्केट में उत्तर प्रदेश का आम छा जाए इसके लिए हमें इस प्रकार के महोत्सव के माध्यम से जो जानकारी मिले उसको हमें अपने यहां प्रारंभ करना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि आम की कहां से निर्यात करने की संभावनाएं बन सकती हैं और किन-किन देशों के लिए बन सकती है, हमें उन देशों तक अपनी पहुंच को बनाना ही पड़ेगा। सीएम योगी ने कहा कि आपको इस बात के लिए आश्वस्त करता हूं कि डबल इंजन की सरकार आपके हितों के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम करेगी। देश के अंदर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान और बागवानों के पशुपालकों के हितों के संवर्धन के लिए जिस प्रकार की योजनाएं बनाई हैं वह एक किसान की एक बागवान की आमदनी को कई गुना बढ़ाने में मददगार होगी। कार्यक्रम में सीएम योगी ने आम प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। विभिन्न प्रजातियों व उनके उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी में 120 किस्म के विशेष आम रखे गए हैं। साथ ही आम ट्रक को हरी झंडी भी दिखाई, जिसमें भरे आम विभिन्न देशों को निर्यात होंगे। इसके अलावा उन्होंने प्रगतिशील आम के किसानों को सम्मानित किया और आम स्मारिका का विमोचन किया। 12-14 तक चलने वाले इस महोत्सव में आम खाने की प्रतियोगिता और प्रशिक्षण सेमिनार का आयोजन किया गया है।

महोत्सव में लगभग 700 से अधिक आम की प्रजातियों का प्रदर्शन किया गया है। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में आम की आम महोत्सव में यूपी के साथ ही मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान समेत कई राज्यों के आम के किसान पहुंचे हैं। इसके साथ ही अलग अलग राज्यों के उद्यान प्रतिनिधि और आम की खेती करने वाले विशेषज्ञ भी पहुंचे हैं। कार्यक्रम में उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. देवेश चतुर्वेदी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

महाकुंभ में भी लागू होगा डिजिटल अटेंडेंस सिस्टम

महाकुंभ में सेवा देने वाले कर्मचारियों पर रहेगी नजर

लखनऊ, 12 जुलाई (एजेंसियां)। योगी सरकार ने महाकुंभ मेला-2025 के आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। 14 जनवरी 2025 से शुरू होने वाले महाकुंभ मेले के आयोजन में अब 6 महीने का ही समय शेष रह गया है। विश्वभर से इस विराट आयोजन में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा में प्रदेश भर से बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारियों व अधिकारियों की तैनाती होगी। ऐसे में, उनकी दैनिक उपस्थिति को सुनिश्चित करने और रियल टाइम एसेसमेंट करने के लिए योगी सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सहारा लेने जा रही है। सीएम योगी के विजन अनुसार, महाकुंभ मेले में सेवाएं देने वाले कर्मचारियों व अधिकारियों के लिए डिजिटल अटेंडेंस सिस्टम का विकास किया जाएगा जो फेशियल रिकग्निशन बेस्ड मोबाइल ऐप के जरिए काम करेगा। इस ऐप को एंड्रॉयड व आईओएस फॉर्मेट पर कार्य करने के लिए विकसित किया जाएगा। यह योजना 8 महीने के प्रोजेक्ट पीरियड के लिए संचालित होगी, जिसके विकास के लिए प्रयागराज मेला प्राधिकरण की जरूरतों के हिसाब से उत्तर प्रदेश सिस्टम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीडेस्को) ने तैयारी शुरू कर दी है।

यूपीडेस्को ने महाकुंभ मेला-2025 में सेवाएं देने वाले विभिन्न सरकारी महकमों के कर्मचारियों-अधिकारियों के रेगुलर अटेंडेंस के लिए एआई बेस्ड मोबाइल ऐप के विकास की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए शॉर्ट टर्म नोटिस यूपीडेस्को द्वारा जारी किया गया है। यूपीडेस्को में पहले से इंपैनल्ड कंपनियों को चयनित कार्यावंटन होगा जिसके बाद उसे सिस्टम व ऐप के डेवलपमेंट, टेस्टिंग, ऑपरेशन और मेंटेनेंस प्रक्रिया को पूर्ण करना होगा। इस प्रक्रिया को 4 चरणों में पूरा किया जाएगा। पहले चरण में किक ऑफ प्रेजेंटेशन व टीम मोबिलाइजेशन प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इस प्रक्रिया को कार्यावंटन के बाद 7 दिनों के भीतर पूरा करना होगा। वहीं दूसरे चरण में डिजाइन, डेवलपमेंट, इंप्लिमेंटेशन, कॉन्फिगरेशन व तथा एप्लिकेशन की टेस्टिंग प्रक्रिया को भी पूर्ण किया जाएगा। इस कार्य को पूरा करने के लिए 15 दिन का लक्ष्य रखा गया है। इस प्रक्रिया में इंसेप्शन रिपोर्ट, प्रोजेक्ट प्लान, सॉफ्टवेयर रिक्वायरमेंट स्पेसिफिकेशन (एसआरएस), कैपेसिटी बिल्डिंग प्लान, केस टेस्टिंग, कॉन्फिगरेशन रिपोर्ट, डिप्लॉयमेंट, टेस्टिंग व कमीशनिंग प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा।

मोबाइल ऐप के विकास के बाद डिप्लॉयमेंट, टेस्टिंग व कमीशनिंग प्रक्रिया को पूरा करने के बाद गो लाइव रिपोर्ट व यूजर एक्सेप्टेंस टेस्टिंग (यूएटी) प्रक्रिया पूरी होने के बाद ऐप रोलआउट होगा। कार्यावंटन के बाद 25 दिनों के भीतर निर्धारित एजेंसी को इस प्रक्रिया को पूरा करने की डेडलाइन रखी गई है। इसके बाद, चौथी प्रक्रिया के तौर पर रेगुलर ऑपरेशन व मेन्टीनेन्स प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। इस प्रक्रिया को मासिक या फिर आवश्यकता अनुसार पूरा किया जाएगा। साथ ही, पाक्षिक तौर पर प्रोग्रेस रिपोर्ट भी तैयार की जाएगी। इश्यू लॉगिंग व रेजोल्यूशन रिपोर्ट के आधार पर भी कार्रवाई की प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। कस्टमाइज्ड एमआईएस रिपोर्ट, अटेंडेंस मॉनिटरिंग रिपोर्ट तथा नोटिफिकेशन व अलर्ट रिपोर्ट प्रक्रिया को भी पूर्ण किया जाएगा।

प्रयागराज मेला प्राधिकरण द्वारा विभिन्न मेला/सरकारी विभागों के कर्मचारियों को स्टाफ/पर्यवेक्षकों के रियल टाइम असेसमेंट के लिए यूपीडेस्को से सिस्टम विकास की प्रक्रिया को पूरा कराया जा रहा है। मोबाइल फोन पर इंस्टॉल किए गए मोबाइल ऐप के माध्यम से नामांकन करने और अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए यह प्रक्रिया पूरी की जा रही है। महाकुंभ मेले के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस युक्त अटेंडेंस सिस्टम पहले से मौजूद डेटाबेस से ली गई छवि की चयनित चेहरे की विशेषताओं की तुलना के माध्यम से लाइव वातावरण से किसी व्यक्ति की स्वचालित पहचान और सत्यापन में मदद करेगा।

माई लॉर्ड नहीं, अब जजों को सर बोलेंगे वकील

बार एसोसिएशन ने पास किया नया प्रस्ताव

प्रयागराज, 12 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की इलाहाबाद हाईकोर्ट के बार एसोसिएशन ने अपनी कई मांगों को लेकर पिछले दो दिनों से हड़ताल कर रखी है। आज भी यह हड़ताल जारी रही। वकीलों की इस हड़ताल के चलते सारा कामकाज ठप्प पड़ गया है। यह हड़ताल जज बनाम वकील बन गई है। इसकी वजह यह है कि बार एसोसिएशन ने अपने नए प्रस्ताव में फैसला किया है कि हाईकोर्ट में किसी भी केस की सुनवाई के दौरान जजों को माई लॉर्ड या योर लॉर्डशिप नहीं, बल्कि सर कहा जाएगा।

बार एसोसिएशन ने अपनी मांगों को लेकर बैठक की और चीफ जस्टिस समेत सीनियर जजों के सामने अपनी बात रखी। जजों और बार एसोसिएशन के बीच यह बातचीत किसी नतीजे तक नहीं पहुंची और विफल हो गई। ऐसे में अब हड़ताल जज बनाम वकील बन गई है। वकीलों का कहना है कि जजों के व्यवहार व मनमानी सुनवाई प्रक्रिया के खिलाफ बार एसोसिएशन लामबंद हो गया है। इस मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट के बार एसोसिएशन अध्यक्ष अनिल तिवारी ने इस मामले में जानकारी देते हुए कहा कि जज भगवान बनने से पीछे हटे और आम इंसान बनकर न्याय करें। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि बार एसोसिएशन ने फैसला लिया है कि वकील जजों को माय लॉर्ड न कहकर बल्कि सर कहकर संबोधित करें। इसको लेकर बार काउंसिल की तरफ से एक प्रस्ताव भी पास कर दिया गया है। इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने यह भी कहा कि 2 दिन से इलाहाबाद हाई कोर्ट में वकील बहिष्कार कर रहे हैं। इसके चलते बार सरकारी और प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले वकीलों पर सख्त हो गया है।

अवैध खनन वाले क्षेत्रों की सैटेलाइट से निगरानी कराएगी सरकार

लखनऊ, 12 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश में अवैध खनन की शिकायतों को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंभीर रुख अख्तियार किया है। सीएम के निर्देश पर भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग बड़े स्तर पर टेक्नोलॉजी के उपयोग से अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लगाने की तैयारी में है। इसके लिए सैटेलाइट से अवैध खनन वाले क्षेत्रों की निगरानी की जाएगी। साथ ही अवैध खनन में लगे वाहनों को वीटीएस प्रणाली के जरिए ट्रैक किया जाएगा। यही नहीं ईंट भट्ठों को भी रिमोट सेंसिंग के जरिए चिह्नित किया जाएगा।

विभाग के अधिकारियों के अनुसार अवैध खनन/परिवहन की रोकथाम के लिए तकनीकी सुदृढ़ीकरण को लेकर कई प्रस्ताव तैयार हैं।

इनमें व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम (वीटीएस) और रिमोट सेंसिंग सबसे महत्वपूर्ण हैं। वीटीएस के जरिए उपखनिज का परिवहन करने वाले वाहनों की रियल टाइम ट्रैकिंग संभव हो सकेगी। यह भी सुनिश्चित किया जा सकेगा कि वाहन पर ई-अभिवहन प्रपत्र तब ही जारी हो, जब वह वाहन खनन क्षेत्र के लिए जियो फेंस एरिया में प्रत्यक्ष उपस्थित हो। वीटीएस प्रणाली को लागू करने के लिए यूपीडेस्को से प्रस्ताव प्राप्त हो गया है। इसके अलावा अन्य तकनीकी संस्थाओं से भी प्रस्ताव मांगा गया है।

अवैध खनन/परिवहन की रोकथाम के लिए रिमोट सेंसिंग का भी सहारा लिया जाएगा। इसमें विभाग द्वारा पहले ही निदेशालय स्तर पर रिमोट सेंसिंग लैब को स्थापित किया जा चुका है। इसके जरिए नए खनन क्षेत्रों के पहचान के लिए सैटेलाइट इमेजरी तैयार की जाएगी। साथ ही अवैध खनन का चिन्हांकन किया जाएगा। यही नहीं ईंट भट्ठों को भी रिमोट सेंसिंग के माध्यम से चिह्नित किया जाएगा। प्रदेश में 15444 ईंट भट्ठे पंजीकृत हैं। साथ ही ड्रोन सर्वे के जरिए खनन क्षेत्रों के सर्वे तथा खनन के स्वीकृत क्षेत्रों का पर्यवेक्षण भी किया जाएगा। विभाग इन्फोर्समेंट की कार्रवाई के लिए वाहनों की संख्या भी बढ़ाने की तैयारी में है। अब तक प्रदेश के 55 जिलों में ही इन्फोर्समेंट के कार्य के लिए वाहन रखने की स्वीकृति है। जल्द ही इसे प्रदेश के सभी जिलों के लिए स्वीकृत करने का प्रस्ताव भेजा गया है। यही नहीं इन्फोर्समेंट की कार्रवाई के दौरान कर्मचारियों के लिए यूनिफॉर्म की भी व्यवस्था की जाएगी।

तहसीलों और आरटीओ दफ्तर का औचक निरीक्षण

19 दलालों और बिचौलियों को भेजा गया जेल

लखनऊ/सहारनपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार के खिलाफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मिशन मोड में आ चुके हैं। दो दिन में फिरोजाबाद और बांदा में 02 एसडीएम और तहसीलदार सहित 06 पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों/कर्मचारियों का निलंबन करने और उनकी जांच शुरू करने के साथ ही मुख्यमंत्री ने अब सरकारी कार्यालयों में औचक निरीक्षण कराना शुरू कर दिया है। सीधी कार्रवाई के तहत मुख्यमंत्री की सीधी निगरानी में सहारनपुर में तहसीलों और आरटीओ दफ्तर में औचक निरीक्षण किया गया, जहां 19 दलाल/बिचौलिए मिले। सभी को तत्काल जेल भेज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई। अचानक हुई इस कार्रवाई से जिले में हड़कंप सा माहौल है।

लोकसभा चुनाव सम्पन्न होने के बाद ज़ोन, मंडल, रेंज, जिला सहित फील्ड में तैनात अधिकारियों के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मुख्यमंत्री ने जनहित सर्वोपरि होने की बात कही थी। अधिकारियों को हर दिन तय समय पर दो घंटे जनसुनवाई के लिए निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार मुक्त कार्यसंस्कृति की बात पर जोर दिया था। मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा था कि किसी भी सरकारी कार्यालय में दलालों/बिचौलियों की मौजूदगी मिली तो उन पर तो कार्रवाई होगी ही, अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जाएगी। इसी क्रम में गुरुवार को मुख्यमंत्री ने सहारनपुर के तहसीलों और आरटीओ दफ्तर में औचक निरीक्षण कराया, जहां 19 संदिग्ध लोग मिले। पूछताछ में प्रथम दृष्टया इनकी पहचान दलालों/बिचौलियों के रूप में हुई है। सभी को तत्काल जेल भेजकर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी गई।

औचक निरीक्षण के पीछे मुख्यमंत्री की मंशा, सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार मुक्त, साफ-सुथरी, शुचितापूर्ण कार्य संस्कृति बनाए रखना है। मुख्यमंत्री द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को दो टूक शब्दों में कहा गया कि सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार की कोई जगह नहीं है। यदि किसी कार्यालय में दलाल/बिचौलिया पाया गया तो जिले के वरिष्ठ अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जाएगी, साथ ही उनकी परिसंपत्तियों की जांच भी कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा है कि जनता की सरकार, जनहित के लिए प्रतिबद्ध है। भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। भ्रष्टाचार में संलिप्तता मिलने पर बर्खास्तगी की कार्यवाही भी की जाएगी। औचक निरीक्षण का यह दौर लगातार जारी रहेगा।

प्रदेश के 700 पुलों के सर्वेक्षण से हुआ खुलासा

इस्तेमाल करने लायक नहीं 80 पुल

बिहार हादसों के बाद सीएम योगी करा रहे पुलों का सर्वेक्षण

लखनऊ, 12 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में पुलों के ढहने की घटनाओं को लेकर सजग हुई उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में पुलों की हालत का सर्वे कराने का आदेश दिया था, ताकि भारी बारिश की स्थिति में किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

राज्य लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) यह कार्य सौंपा गया है। विभाग ने अब तक 700 से अधिक पुराने पुलों का सर्वे किया है, जिनमें से लगभग 80 पुलों को अनुपयुक्त पाया गया है या फिर उन्हें बड़ी मरम्मत की जरूरत है। अधिकारियों ने बताया कि सर्वे अभी भी चल रहा है और अंतिम रिपोर्ट अगले सप्ताह तक तैयार होने की संभावना है, जिसके बाद निर्णय लिया जाएगा कि किन पुलों की मरम्मत की जाएगी या उन्हें ध्वस्त किया जाएगा।

लोक निर्माण विभाग के राज्य मंत्री बृजेश सिंह ने बताया, पड़ोसी राज्य

बिहार में पुलों के ढहने की हालिया घटनाओं के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में पुराने पुलों का गहन निरीक्षण करने का निर्देश दिया। इसका उद्देश्य उन पुलों की पहचान करना है जिनकी मरम्मत की जा सकती है या जिन्हें तोड़ा जाना है। इन पुलों की सिर्फ अधिरचना ही नहीं बल्कि उन खंभों की भी जांच की जा रही है जिन पर वे खड़े हैं। यह भी जांच की जा रही है कि कहीं उनके जलमार्गों में कोई रुकावट तो नहीं है, जिससे भारी बारिश के दौरान पानी रुक सकता है और आगे चलकर नुकसान, घिसाव, आधार आदि हो सकता है, ऐसा पता चला है।

पीडब्ल्यूडी सभी पुलों का ऑनलाइन डाटा भी तैयार करेगा, जिसमें उनके निर्माण, रखरखाव तथा आवश्यक मरम्मत का विवरण होगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान असुरक्षित पाए गए पुलों को यातायात के लिए बंद कर दिया जाएगा, जबकि मरम्मत की आवश्यकता वाले पुलों पर आवश्यक काम किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि राज्य में बड़ी संख्या में ऐसे पुल हैं जो ब्रिटिश काल के दौरान बनाए गए थे, जिनमें राज्य की राजधानी लखनऊ, पड़ोसी शहर कानपुर और अन्य जिलों के पुल शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर वे सलाह और भविष्य की योजना के लिए विशेष रूप से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) से विशेषज्ञों को शामिल करने पर भी विचार कर रहे हैं।

संपादकीय

दोस्ती जिंदाबाद

यह 'परम दोस्ती' प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ही नहीं है। यह दोस्ती गंगा और वोल्गा नदियों की दो संस्कृतियों के बीच है। यह दोस्ती भारत और रूस के जन-जन की है। यह दोस्ती उन रूसी युवतियों में भी निहित है, जो कत्थक, ओडिशी, भरत नाट्यम सरीखे भारतीय शास्त्रीय नृत्य सीख रही हैं और नृत्य से पहले घुंघरुओं को आंख और मस्तक से छुआती हैं। नमन और सम्मान की अभिव्यक्ति करती हैं। यह दोस्ती की मिसाल ही है कि 1951 की फिल्म 'श्री 420' का गीत '...सर पे लाल टोपी रूसी...' आज की रूसी पीढ़ी भी गुनगुनाती है। फिल्मों ने भारत-रूस की संस्कृति का मिलन कराया है और उन्हें विस्तार दिया है। इससे गहरी दोस्ती और क्या होगी कि रूसी भाषा का जुड़ाव और कुछ उद्गम संस्कृत भाषा से है। आज भी संस्कृत मूल के ढेरों शब्द रूस में इस्तेमाल किए जाते हैं। दरअसल भारत और रूस की दोस्ती वक्त और विश्वास की कसौटी पर जांची-परखी है। प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि जब भी 'रूस' शब्द सामने आता है, तो उसके मायने होते हैं-सुख-दुख का साथी। रूस ने युद्ध काल में भी इस दोस्ती को साबित किया है। भारत की सामरिक शक्ति के अस्त्रों-शस्त्रों, मिसाइल, एयर डिफेंस, यानी हथियारों की 60-70 फीसदी ताकत 'रूसी' ही है और वह सौ फीसदी भरोसेमंद साबित हुई है। भारत की परमाणु ऊर्जा का आधार ही रूसी रिएक्टर हैं। रूस ऐसे 6000 मेगावाट के रिएक्टर भारत में स्थापित करेगा। अब दोस्ती यहां तक परवान चढ़ चुकी है कि दोनों देशों के रक्षा वैज्ञानिक साझा शोध करें और आधे-आधे उपक्रम दोनों देशों में स्थापित किए जाएं। रूस ने भारत को आश्वस्त किया है कि जो प्रौद्योगिकी उसे दी जाएगी, वह अन्य किसी देश के साथ साझा नहीं की जाएगी। भारत की सुरक्षा और दोस्ती जिंदाबाद...! अब प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन मॉस्को में 17वीं बार मिले हैं। प्रधानमंत्री 10 साल के कार्यकाल में 6 बार रूस गए हैं और पुतिन 4 बार भारत आए हैं। वैसे यह मुलाकात भारत-रूस के 22वें सालाना शिखर सम्मेलन का हिस्सा थी। यह दोस्ती की वजह से ही संभव हो सका कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'परम मित्र' पुतिन के सामने बैठकर यूक्रेन युद्ध का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जब मासूम बच्चों को मरते हुए देखते हैं, तो दिल छलनी हो उठता है और वह दर्द बड़ा भयानक होता है। प्रधानमंत्री ने 'दोस्त पुतिन' को एक बार फिर सलाह दी कि युद्ध से कोई समाधान नहीं निकला करता। बातचीत से ही शांति, स्थिरता के रास्ते खुलते हैं। इस दोस्ताना सलाह के मायने स्पष्ट थे और राष्ट्रपति पुतिन ने इस नेक सलाह और कोशिश के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने उन भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश भेजने का आश्वासन भी राष्ट्रपति पुतिन से ले लिया, जिन्हें बरगला कर रूसी सेना में शामिल करा दिया गया था और वे यूक्रेन के मोर्चे पर जंग का हिस्सा रहे हैं। ऐसे भारतीयों की संख्या 35 से 50 बताई गई है। ऐसे आश्वासन 'दोस्ती' के चलते ही संभव हैं। अलबत्ता किसी भी देश के शीर्ष नेता सेना के मामले में हस्तक्षेप नहीं करते। बहरहाल दोनों 'परम मित्रों' ने 2030 तक द्विपक्षीय कारोबार 100 अरब डॉलर से अधिक करने का लक्ष्य तय किया है। फिलहाल यह कारोबार 65 अरब डॉलर का है। यह दोस्ती की ही दरकार थी कि राष्ट्रपति पुतिन ने अपने निजी आवास पर रात्रि भोज के लिए प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया। दोनों दोस्तों ने 4-5 घंटे तक खूब बातें कीं। जाहिर है कि द्विपक्षीय के अलावा अंतरराष्ट्रीय संदर्भों में भी बातचीत हुई होगी! उनके साथ सिर्फ दो दुभाषिए थे। कोई मंत्री, कोई अधिकारी और अन्य कर्मचारी मौजूद नहीं थे। यह दोस्ती का अपनापन भी था और संवाद की गोपनीयता भी जरूरी थी। भारत-रूस के शीर्ष नेताओं की मुलाकात और बातचीत पर अमरीका समेत नाटो के 32 सदस्य देशों की भी निगाहें टिकी थीं। बहरहाल रूस से हमारी वार्ता पर यूक्रेन की तीखी प्रतिक्रिया आई है।

प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ही नहीं है। यह दोस्ती गंगा और वोल्गा नदियों की दो संस्कृतियों के बीच है। यह दोस्ती भारत और रूस के जन-जन की है। यह दोस्ती उन रूसी युवतियों में भी निहित है, जो कत्थक, ओडिशी, भरत नाट्यम सरीखे भारतीय शास्त्रीय नृत्य सीख रही हैं और नृत्य से पहले घुंघरुओं को आंख और मस्तक से छुआती हैं। नमन और सम्मान की अभिव्यक्ति करती हैं। यह दोस्ती की मिसाल ही है कि 1951 की फिल्म 'श्री 420' का गीत '...सर पे लाल टोपी रूसी...' आज की रूसी पीढ़ी भी गुनगुनाती है। फिल्मों ने भारत-रूस की संस्कृति का मिलन कराया है और उन्हें विस्तार दिया है। इससे गहरी दोस्ती और क्या होगी कि रूसी भाषा का जुड़ाव और कुछ उद्गम संस्कृत भाषा से है। आज भी संस्कृत मूल के ढेरों शब्द रूस में इस्तेमाल किए जाते हैं। दरअसल भारत और रूस की दोस्ती वक्त और विश्वास की कसौटी पर जांची-परखी है। प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि जब भी 'रूस' शब्द सामने आता है, तो उसके मायने होते हैं-सुख-दुख का साथी। रूस ने युद्ध काल में भी इस दोस्ती को साबित किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस रूस यात्रा को लेकर पश्चिमी देशों ने विरोध जताया है

भारत-रूस मित्रता को जीवंतता देने का सार्थक प्रयास

ललित गर्ग

भारत-रूस की मैत्री अक्षुण्ण है और किसी भी तरह के दुनिया के दबाव में यह दोस्ती कमजोर नहीं पड़ने वाली है। भारत ने जहां मैत्री को प्रगाढ़ बनाने की दिशा में उल्लेखनीय उपक्रम किये हैं, वहीं अपने मित्र देश को युद्ध के खिलाफ और शांति के पक्ष में अपना स्पष्ट रुख भी जताया है।

भारत-रूस की मैत्री को नये आयाम देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं राष्ट्रपति पुतिन ने न केवल मैत्री के धागों एवं द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूती दी है, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को नये शिखर देने का प्रयास किया है। उनकी यह यात्रा दोनों देशों के लिये एक नए सोच के साथ नये सफर का आगाज है। एक ऐसे समय में, जबकि यूक्रेन-रूस युद्ध को पश्चिमी देशों के विरोध के कारण रूस दुनिया में अलग-थलग है, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में पहले विदेश यात्रा के लिये रूस का चयन करके जता दिया है कि भारत-रूस की मैत्री अक्षुण्ण है और किसी भी तरह के दुनिया के दबाव में यह दोस्ती कमजोर नहीं पड़ने वाली है। भारत ने जहां मैत्री को प्रगाढ़ बनाने की दिशा में उल्लेखनीय उपक्रम किये हैं, वहीं अपने मित्र देश को युद्ध के खिलाफ और शांति के पक्ष में अपना स्पष्ट रुख भी जताया है। मोदी की इस यात्रा की एक बड़ी निष्पत्ति यह है कि रूस में अब दो नये वाणिज्यिक दूतावास खुलने जा रहे हैं, जिससे हमारी आर्थिक गतिविधियां तेजी से एवं ज्यादा बढ़ेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस रूस यात्रा को लेकर पश्चिमी देशों ने विरोध जताया है। लेकिन प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट किया कि भारत के लिए रूस की मैत्री बहुत महत्वपूर्ण है। भारत अपने मैत्री-मूल्यों को किसी भी दबाव में कमतर नहीं होने देगा। भले ही यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की इस यात्रा पर अपनी निराशा जाहिर करते हुए इसे शांति प्रयासों को झटका तक बता चुके हो या अमेरिका ने भी यात्रा को लेकर अपनी चिंता जता दी हो। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी अपनी युद्ध विरोधी सोच के चलते ही यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से रूस नहीं गए थे। दोनों देशों के बीच होने वाली सालाना द्विपक्षीय शिखर बैठक भी 2022 के बाद से नहीं हो पाई थी। इससे रूस के कुछ हलकों में यह धारणा बनने लगी थी कि भारत अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रभाव में रूस से दूरी बनाए रखना चाहता है। दुनिया में बन

रही इस नई धारणा को तोड़ना जरूरी था, इसी दृष्टि से इस यात्रा के पीछे जहां द्विपक्षीय रिश्तों को संदेहों और अविश्वासों से मुक्त करने का ध्येय था, वहीं अंतरराष्ट्रीय हलकों में यह स्पष्ट संदेश भेजना था कि भारत को किसी तरह के दबाव के जरिए इस या उस पक्ष में झुकाना संभव नहीं है। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने भी राष्ट्रपति पुतिन के साथ बातचीत में इसका जिक्र किया कि उनके रूस आने पर पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हैं। दुनिया भर में इस यात्रा को गहरी उत्सुकता से देखा जा रहा है। मौजूदा अंतरराष्ट्रीय हालात को ध्यान में रखें तो यह कोई अचरज वाली बात भी नहीं है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से ही अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों का जोर इस बात पर रहा है कि भारत रूस से अपनी करीबी खत्म करे। भारत अब एक स्वतंत्र ताकत है, दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, बड़े शक्तिशाली देशों के लिये भी भारत एक बाजार है। इसलिये भारत किसी भी दबाव में न आते हुए शुरू से ही यह स्पष्ट कर रखा है कि वह अपने राष्ट्रहित पर आधारित स्वतंत्र विदेश नीति पर कायम रहेगा। रूस समर्थकों ने भले ही यह दर्शाना चाहा हो कि मोदी की यात्रा से भारत ने पश्चिम को चुनौती दी है और इससे पश्चिमी देश 'ईर्ष्या से जल रहे हैं', परंतु असल में भारत ऐसा कोई मंतव्य नहीं रखता है। यह यात्रा अनेक कारणों एवं दृष्टिकोणों से महत्वपूर्ण रही, यात्रा के दौरान दोनों देशों में सहयोग बढ़ाने के समझौते तो हुए ही, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मित्र राष्ट्र को मैत्रीपूर्ण सलाह देते हुए पूरी बेबाकी से कहा, 'युद्ध के मैदान से कोई हल नहीं निकलता।' यह प्रधानमंत्री मोदी का वैसा ही बयान है जैसा दो साल पहले समरकंद में पुतिन से बातचीत के दौरान उन्होंने दिया था कि 'यह युद्ध का दौर नहीं है'। असल में भारत हमेशा से शांति के उजालों एवं युद्ध के अंधेरों से मुक्ति का ही समर्थक रहा है। भारत की स्पष्ट मान्यता है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। भारत ने बम-बंदूक के बजाय शांति-वार्ता के जरिये समाधान की बात दोहराई। मोदी ने साहस एवं निर्भयता से पुतिन को दो टूक कहा था कि यह युग युद्ध का नहीं। चूंकि भारतीय प्रधानमंत्री की मास्को यात्रा के मौके पर ही रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव में बच्चों के अस्पताल को भी निशाना बनाया, इसलिए उन्होंने बिना किसी संकोच यह भी कह दिया कि युद्ध या संघर्ष अथवा आतंकी हमलों में जब मासूम बच्चों की मौत होती है तो हृदय छलनी हो जाता है। देखना यह है कि यूक्रेन युद्ध पर भारतीय प्रधानमंत्री की फिर से खरी बात पर रूसी राष्ट्रपति कितना ध्यान देते हैं, लेकिन भारत को रूस के साथ अपनी मित्रता जारी रखते हुए यह स्पष्ट करते रहना होगा कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध को यथाशीघ्र समाप्त होते हुए देखना चाहता है। यह केवल भारत ही नहीं, बल्कि विश्व शांति के भी हित में है। इसी के साथ भारत ने अपने मित्र देश को अपनी तकलीफ को साझा करते हुए यह एहसास दिलाने की भी कोशिश की गई कि चीन के साथ उसकी नजदीकी परोक्ष रूप से पाकिस्तान को उत्साहित करती है, जो भारतीय जमीन पर आतंकी गतिविधियों को खाद-पानी मुहैया कराने का काम करता है। रूस भारत के सहयोग के लिये तत्पर रहता है, इसबार भी यह खबर भी सुकून देने वाली है कि रूस ने भारत के आग्रह पर न केवल रूसी सेना के सपोर्ट स्टाफ के रूप में भारतीयों की नियुक्ति रोकना स्वीकार कर लिया है बल्कि नियुक्त किए जा चुके युवाओं को स्वदेश भेजने पर भी मान गया है।

दृष्टि कोण

समस्याओं को आमंत्रित करती बढ़ती जनसंख्या

जब दुनिया की आबादी पांच अरब लोगों की हो गई थी। भारत में आजादी के समय कुल जनसंख्या 33 करोड़ थी जो 2011 की जनगणना के मुताबिक बढक़र 125 करोड़ पहुंच गई थी। कोरोना महामारी के चलते 2021 की जनगणना का कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया था। डिजिटल पॉपुलेशन क्लॉक के अनुसार 05 जुलाई 2024 को भारत की जनसंख्या 1452962421 थी, जिसमें 750202835 पुरुष आबादी (51.6 फीसदी), महिला जनसंख्या 702759539 करोड़ (48.4 प्रतिशत) थी और विश्व की कुल जनसंख्या 8119703999 थी। इंडिया स्टेट डॉट कॉम के अनुमान के अनुसार 2030 तक भारत की कुल जनसंख्या 153 करोड़ और 2050 तक 168 करोड़ तक पहुंच जाएगी। विश्व की दूसरी सबसे बड़ी आबादी और दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश चीन ने लंबे समय तक एक बच्चा पैदा करने की नीति को सख्ती से लागू किया हुआ था। लगभग 143 करोड़ की आबादी वाले देश चीन में अब वहां की कम्युनिस्ट सरकार ने 3 बच्चों को अपनाने की नीति की घोषणा की है। चीन जहां अपने यहां बढ़ती बूढ़ी आबादी और कम होती युवा श्रम शक्ति से परेशान है, तो वहीं भारत की 65 फीसदी युवा आबादी जहां भारत का संबल है, तो वहीं देश में बढ़ती बेरोजगारी जैसी बड़ी चुनौती का पर्याय भी है। भारत की बढ़ती जनसंख्या का असर वैश्विक भूख सूचकांक-2023 (ग्लोबल हंगर इंडेक्स) की रिपोर्ट में भी देखा जा सकता है, जिसमें 125 देशों की सूची में भारत 111वें स्थान पर है और भूख की 'गंभीर' श्रेणी में है। इस इंडेक्स में भारत के पड़ोसी देशों- पाकिस्तान (102वें), बांग्लादेश (81वें), नेपाल (69वें) और श्रीलंका (60वें) ने भारत से बेहतर स्थान हासिल किया है। विशेषज्ञों ने इसके लिए खराब कार्यान्वयन प्रक्रियाओं, प्रभावी निगरानी की कमी, कुपोषण से निपटने का उदासीन दृष्टिकोण और बड़े राज्यों के खराब प्रदर्शन को दोषी ठहराया है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार भारत की 14 फीसदी आबादी कुपोषण की शिकार है। वैश्विक भूख सूचकांक में देशों को चार प्रमुख संकेतकों के आधार पर रैंकिंग दी जाती है- अल्पपोषण, बाल मृत्यु, पांच साल तक के कमजोर बच्चे और बच्चों का अवरुद्ध शारीरिक विकास। बढ़ती आबादी के पीछे अशिक्षा, अंधविश्वास, परिवार नियोजन के तौर-तरीकों में जागरूकता का अभाव और स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही जैसे बुनियादी कारण हैं। जनसंख्या वृद्धि के कारण नई पीढ़ी को भविष्य के लिए बुनियादी जरूरतों और सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ेगा। आज भी भारतीयों को बेरोजगारी, स्वास्थ्य संकट, भुखमरी, चिकित्सा सुविधाओं, कुपोषण, स्वच्छ पेयजल की कमी, बिजली-पानी के संकट और गरीबी से बुरी तरह से जूझना पड़ रहा है। इसके अलावा ग्रामीण आवास की समस्या, गंदा पानी और कूड़ा कचरा जैसी समस्याएं अलग से मुंह बाए खड़ी हैं। यदि समय रहते सरकारों ने आने वाली पीढियों को सुंदर सुखी जीवन देने के लिए अभी से प्रयास शुरू नहीं किए तो भविष्य में भावी पीढियों के समक्ष आपसी संघर्ष की परिस्थितियां निर्मित होना तय है। इसके साथ ही जनसंख्या नियंत्रण के अभाव में देश की आर्थिक स्थिति बिगडऩे से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। जून 2024 में बेरोजगारी दर बढक़र आठ महीने के उच्च स्तर 9.2 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो पिछले महीने 7 प्रतिशत थी। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के आंकड़ों के अनुसार जून 2023 में यह दर 8.5 प्रतिशत थी। भारत में 70 के दशक में परिवार नियोजन कार्यक्रम चलाया गया था। उस समय भी महिलाओं की नसबंदी पर ही ज्यादा ध्यान केंद्रित किया गया था। आपातकाल के दौरान व्यापक पुरुष नसबंदी अभियान चलाया गया था जिसमें एक साल के अंदर साठ लाख से ज्यादा लोगों की नसबंदी कर दी गई थी जिसका भारी विरोध भी हुआ था। यह वक्त का तकाजा है कि केंद्र एवं राज्य सरकारें जनसंख्या वृद्धि से पैदा हो रही चुनौतियों से निपटने के लिए एक सर्व स्वीकार्य कार्यक्रम सामने लेकर आएं ताकि भारतीय लोग परिवार नियोजन को स्वेच्छा से अपनाकर देश को आने वाली पीढियों के लिए रहने लायक बनाने की दिशा में अपना योगदान दे सकें। सही तरीके से गर्भनिरोधक उपायों, गर्भपात, बन्ध्यीकरण, एकल बच्चा पैदा करने की नीति और परिवार नियोजन आदि उपायों से ही जनसंख्या वृद्धि को रोका जा सकता है। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा एकल और दो बेटियों वाले सरकारी कर्मचारियों को प्रोत्साहन स्वरूप विशेष आर्थिक राशि प्रदान की जा रही है। हिमाचल प्रदेश में इंदिरा गांधी बालिका सुरक्षा योजना के तहत अब एक बेटी के बाद परिवार नियोजन अपनाने वाले परिवार को दो लाख रुपए मिलेंगे। वहीं दो बेटियों के बाद परिवार नियोजन अपनाने पर अब एक लाख रुपए मिलेंगे। इस वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस का थीम है, 'भविष्य की पीढियों को सशक्त बनाना : सतत विकास और जनसंख्या रुझान।' जनसंख्या दिवस हमें याद दिलाता है कि समस्याओं को समझने, समाधान तैयार करने और प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए डेटा संग्रह में निवेश करना महत्वपूर्ण है। जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर पिछले कई दशकों से बहस चल रही है। 1970 के दशक से हम सभी 'हम दो हमारे दो' का नारा सुनते आए हैं। हालांकि कभी भी किसी सरकार ने जनसंख्या नियंत्रण के कानून को लागू करने की हिम्मत नहीं दिखाई।

कुछ अलग

प्रेम, प्यार और अध्यात्म

आम बातचीत में हम दो शब्दों का प्रयोग ऐसे करते हैं मानो वे एक ही सरीखे हों, पर इन दोनों शब्दों में एक बारीक अंतर है। ये दो शब्द हैं : प्रेम और प्यार। आम बातचीत में इन दोनों शब्दों को हम एक-दूसरे की जगह बदल-बदल कर प्रयोग कर लेते हैं, जबकि असल में ऐसा होना नहीं चाहिए। प्यार शब्द एक शारीरिक क्रिया को दर्शाता है जबकि प्रेम शब्द एक आध्यात्मिक क्रिया का सूचक है। दोनों शब्दों में यही बारीक अंतर है। हम अपने माता-पिता और गुरुजनों से आदर मिश्रित प्यार करते हैं, अपने छोटे भाई-बहनों और बच्चों से स्नेह मिश्रित प्यार करते हैं, अपने मित्रों से विश्वास मिश्रित प्यार करते हैं और अपनी धर्मपत्नी या प्रेमिका से प्यार करते हैं। प्यार एक शारीरिक-मानसिक भावना का प्रतीक है, जबकि प्रेम एक आध्यात्मिक भावना का प्रतीक है। जब हम इस ब्रह्मांड की हर जड़ और चेतन वस्तु एवं प्राणि मात्र से निष्कपट, निरुद्देश्य और निस्वार्थ प्रेम करते हैं तो यह एक आध्यात्मिक भावना है। यहां तीन आवश्यक शर्तें हैं। निष्कपट प्रेम, निरुद्देश्य प्रेम, निस्वार्थ प्रेम। इस प्रेम में कपट नहीं है, झूठ नहीं है, धोखा नहीं है, दिखावा नहीं है, इसका कोई निश्चित उद्देश्य नहीं है, कुछ पाने की इच्छा नहीं है, यह निस्वार्थ है, बदले में कुछ भी नहीं चाहिए, यहां तक कि प्रेम भी नहीं। यह तो एक झरना है जो स्वतः बहता रहता है। जो भी आएगा, इसमें नहा लेगा, कोई भेदभाव नहीं, कोई पहचान नहीं, कोई रोक-टोक नहीं। यह प्रेम हर व्यक्ति के लिए है, हर जीव-जंतु और पेड़-पौधे के लिए है, यहां तक कि जीवनहीन मानी जाने वाली जड़ वस्तुओं के लिए भी है। यह पूरा ब्रह्मांड उस निराकार परमात्मा की रचना है, उनका ही स्वरूप है, उनका ही नूर है। कहते हैं कि जर्रे-जर्रे में परमात्मा का नूर समाया है। प्रकृति के ये अद्भुत नजारे, ये फूल, ये पेड़, ये पौधे, ये पत्तियां, ये हवा, ये खुशबू, ये रंग-बिरंगे पक्षी और जानवर, ये सागर, ये लहरें, ये पहाड़, ये सब परमात्मा का ही प्रत्यक्ष स्वरूप हैं और जब हम इनसे प्रेम करते हैं तो इनका उपभोग करते हुए भी इनका अनावश्यक दोहन नहीं करते, जमाखोरी का लालच नहीं करते, प्रकृति का विनाश नहीं करते। तब हम प्रकृति का संरक्षण करते हैं और बदले में प्रकृति हमारा संरक्षण करती है। प्रकृति का संरक्षण परमात्मा के प्रति हमारी कृतज्ञता का प्रतीक है और प्रकृति द्वारा हमारा संरक्षण हम सब पर परमात्मा की कृपा का प्रतीक है। जब हम इस भावना से प्रकृति को और ब्रह्मांड को देखना शुरू करते हैं तो हमारा नजरिया ही बदल जाता है। नजरिया बदलता है तो जीवन बदल जाता है और जीवन बदलता है तो हम आध्यात्मिकता की सीढियां चढऩे के काबिल हो जाते हैं। यह प्रकृति के प्रति हमारा प्रेम है। यह एक आध्यात्मिक भावना है। जब हमें कोई अनजान आदमी दिखे और प्रेम का सोता फूट पड़े, जब कोई जरूरतमंद व्यक्ति दिखे और प्रेम का सोता फूट पड़े, जब कोई रंग-बिरंगा सुंदर पक्षी दिखे और प्रेम का सोता फूट पड़े, जब कोई कुत्ता, बिल्ली, रीछ, सांप, मच्छर, छिपकली आदि दिखे तो प्रेम का सोता फूट पड़े, तब समझिए कि हम अध्यात्म को समझने लग गए, परमात्मा के नजदीक हो गए, परमात्मा हमारे नजदीक हो गए। हमने अध्यात्म के बंद किवाड़ खोल लिए। इसके लिए किसी पूजा-पाठ की आवश्यकता नहीं है, किसी पूजा स्थल की आवश्यकता नहीं है, किसी कर्मकांड की आवश्यकता नहीं है, किसी व्रत-उपवास की आवश्यकता नहीं है। जब हमारे व्यवहार और हमारी बातचीत में ईमानदारी हो, विनम्रता हो, करुणा हो और प्रेम हो तो हम अध्यात्म को समझने लग गए और परमात्मा के नजदीक हो गए। जब हमने झूठ बोलना, धोखा देना, फरेब करना, दिखावा करना छोड़ दिया तो हम दिव्यता को पा गए और परमात्मा के नजदीक हो गए। जब हमने अनावश्यक संग्रह का लालच छोड़ दिया और हममें सेवा का भाव आ गया तो हम परमात्मा के नजदीक हो गए।

देश दुनिया से

बेहतर प्रबंधन व कौशल विकास में समाधान

हमारा देश विश्व का सबसे युवा देश भी बना है यानी 35 वर्ष तक की आश्रित युवा आबादी सबसे अधिक 29 प्रतिशत भारत में ही है। यूएनएफपीए की ताजा रिपोर्ट में आकंड़ों के अनुसार भारत में लगभग 68 प्रतिशत जनसंख्या 15 से 64 की उम्र के बीच है जबकि 65 से ऊपर की जनसंख्या सिर्फ 7 प्रतिशत है। भारत में 25 प्रतिशत जनसंख्या 0-14 आयु वर्ग के बच्चों की है, वहीं 18 प्रतिशत 10-19 साल की आयु के बच्चों की आबादी है। साथ ही 10 से 24 साल के आयु वर्ग की जनसंख्या 26 प्रतिशत है। संयुक्त राष्ट्र के विश्व जनसंख्या पूर्वानुमान-2022 के अनुसार 2050 तक भारत की जनसंख्या 166.8 करोड़ पहुंच सकती है, वहीं चीन की आबादी घटकर 131.7 करोड़ हो सकती है।

आज भारत में आबादी का आंकड़ा 143 करोड़ के नजदीक है। यूएनएफपीए की द स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट 2023 के अनुसार, भारत की जनसंख्या 1,428.6 मिलियन (142.86 करोड़) तक पहुंच गई है, जबकि चीन की 1,425.7 मिलियन (142.57 करोड़) है, जिसका मतलब है हमारी जनसंख्या चीन से 2.9 मिलियन यानी 29 लाख ज्यादा है। हमारा देश विश्व का सबसे युवा देश भी बना है यानी 35 वर्ष तक की आश्रित युवा आबादी सबसे अधिक 29 प्रतिशत भारत में ही है। यूएनएफपीए की ताजा रिपोर्ट में आकंड़ों के अनुसार भारत में लगभग 68 प्रतिशत जनसंख्या 15 से 64 की उम्र के बीच है जबकि 65 से ऊपर की जनसंख्या सिर्फ 7 प्रतिशत है। भारत में 25 प्रतिशत जनसंख्या 0-14 आयु वर्ग के बच्चों की है, वहीं 18 प्रतिशत 10-19 साल की आयु के बच्चों की आबादी है। साथ ही 10 से 24 साल के आयु वर्ग की जनसंख्या 26 प्रतिशत है। संयुक्त राष्ट्र के विश्व जनसंख्या पूर्वानुमान-2022 के अनुसार 2050 तक भारत की जनसंख्या 166.8 करोड़ पहुंच सकती है, वहीं चीन की आबादी घटकर 131.7 करोड़ हो सकती है। भारत में जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर 0.8 से भी अधिक पहुंच चुकी है। जनसंख्या अभिशाप है या वरदान- यह एक सार्थक बहस का विषय होना चाहिए। हमारे शिक्षण संस्थानों में केवल जनसंख्या वृद्धि को अभिशाप के रूप में ही पढ़ाया जाता रहा है और गरीबी व बेरोजगारी की समस्या को बढ़ती जनसंख्या के ऊपर मढ़ दिया जाता है। देश और राज्यों में बनी सभी सरकारों के सामने जनसंख्या वृद्धि एक चुनौती रही है। किसी भी सरकार ने इस चुनौती का सामना करने के लिए इतनी संजीदगी नहीं बरती है जितनी बरती जानी चाहिए थी। देश की जनसंख्या में हो रही वृद्धि संसाधनों और सेवाओं पर दबाव डाल रही है, जिससे पर्यावरण का क्षरण हो रहा है। ग़रीबी, असमानता बढ़ रही है। स्वास्थ्य व्यवस्था पर निरंतर बोझ बढ़ रहा है, जिससे गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य व अन्य सेवाओं की आम जनमानस तक पहुंच एक चुनौती बनी हुई है। शिक्षा का बुनियादी ढांचा बढ़ती आबादी की ज़रूरतों से जूझ रहा है। शहरीकरण के कारण मूलभूत आवश्यकताओं और आधारभूत अवसंरचना पर दबाव बढ़ गया है। इसके अतिरिक्त, जनसंख्या वृद्धि के कारण रोज़गार अवसरों में भी कमी आई है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के अनुसार, भारत में बेरोज़गारी अब तक उच्चतम स्तर (8.5 प्रतिशत) पर है। ग़रीबी दूसरी बड़ी चुनौती है, जहां लगभग 16.4 प्रतिशत आबादी ग़रीब है और लगभग 4.2 प्रतिशत लोग भीषण ग़रीबी का सामना कर रहे हैं। गरीबी और बेरोजगारी का मुख्य कारण देश के नागरिकों में कौशशलता की कमी होना है। भारत के केवल 4.7 प्रतिशत कार्यबल ने औपचारिक कौशल प्रशिक्षण प्राप्त किया है। जर्मनी और दक्षिण कोरिया में यह संख्या क्रमशः 75 प्रतिशत और 96 प्रतिशत है। मोटे तौर पर भारत में असंगठित क्षेत्र में 83 प्रतिशत कार्यबल कार्यरत है और संगठित क्षेत्र में 17 प्रतिशत। अर्थव्यवस्था में 92.4 प्रतिशत अनौपचारिक श्रमिक हैं जिनके पास कोई लिखित अनुबंध, सवेतन छुट्टी और अन्य लाभ नहीं हैं। जो एक चिंतनीय विषय है। दूसरी ओर दुनिया के कई संपन्न देश जापान, इटली, ईरान व ब्राजील आदि जनसंख्या की कमी से जूझ रहे हैं। जहां कार्यों की अधिकता होते हुए श्रम शक्ति की कमी बनी हुई है। इसके विपरीत भारत में श्रम शक्ति अधिक होते हुए रोजगार में निरंतर कमी आ रही है। यह बेहद चिंता का विषय है। ज्यादा जनसंख्या वाले देशों में बड़ी कुशल श्रमशक्ति होती है, जो उत्पादन और आर्थिक विकास में मदद कर सकती है। अधिक जनसंख्या का मतलब है कि उत्पाद और सेवाओं के लिए बड़ा बाजार, जो व्यापार और उद्योग को बढ़ावा देता है। ज्यादा जनसंख्या में प्रतिभाशाली और रचनात्मक व्यक्तियों की संख्या भी अधिक होती है, जो नवाचार और नए विचारों को जन्म दे सकते हैं। बड़ी जनसंख्या वाले देशों में अधिक सैनिक और सुरक्षा बल हो सकते हैं, जो देश की रक्षा को मजबूत बनाते हैं। इसलिए, जनसंख्या का संतुलित प्रबंधन जरूरी है। इसके लिए जनसंख्या वृद्धि का बेहतर प्रबंधन करने की आवश्यकता है। युवाओं को सही दिशा में मार्गदर्शन देने, युवा शक्ति को बेहतर ढंग से चैनेलाइज करने और प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है ताकि वे देश के विकास में योगदान दे सकें। हम कौशल विकास और शिक्षा में निवेश बढ़ाकर, युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान कर सकते हैं और अर्थव्यवस्था को मजबूत बना सकते हैं। देश की सरकार को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न देशों की सरकारों, संगठनों से सहयोग कर कृषि, ऑटो, रक्षा, सेवा, साइंस व अन्य उत्पादन के क्षेत्र में उत्पादन क्षमता बढ़ानी होगी। यह कार्य शिक्षा में गुणवत्ता व कौशलता तथा व्यावसायिकता लाकर ही किया जा सकता है।

आप का नजरिया

उपग्रह नगर की चिड़िया

राजेश धर्माणी ऐसे पहले मंत्री नहीं जो हिमाचल में उपग्रह नगर बसाने की बात कर रहे हैं, लेकिन क्या कभी नागरिक जरूरतों में राज्य ने अपनी प्राथमिकताएं तय कीं। तीन दशक पूर्व ही मंडी, सोलन और कांगड़ा में सेटेलाइट टाउन बसाने की बात होने लगी थी, लेकिन इरादों की बारात न निकली। फिर घाघस के पास एक शहर की परिकल्पना उदास हो गई। यूं तो आवासीय सर्वेक्षण के घुंघरू पहनकर हिमुडा ने अपने कर्म को परिभाषित करने का संकल्प लिया था, लेकिन पैसा जमा कराने के बावजूद 76 हजार उपभोक्ताओं की मांग पर भरोसा नहीं हुआ। आश्चर्य यह कि धर्मशाला के करीब नरघोटा में सारी कार्रवाइयां पूरी होने के बावजूद हिमुडा सेटेलाइट टाउन की मंजूरियों पर कुंडली मार कर बैठा है। हिमुडा बनाम पर्यटन बनाम एडीबी परियोजना के तहत 24 गुणा 7 पर्यटन गांव बसाने की बात हुई, मगर राजनीति का दस्तूर कुछ और है। अब पर्यटन की देखरेख कर रहे आरएस बाली का महकमा अगर धर्मशाला के एडीबी कार्यालयों को जड़ों से उखाड़ कर नगरोटा ले जा सकता है, तो नरघोटा के सपनों की क्या बिसात। ऐसे में राजेश धर्माणी के विभाग की तूती अगर फिर से सेटेलाइट टाउन बसाने के लिए बज जाए, तो हिमाचली उपभोक्ता अपने ही राज्य में बस जाएंगे, वरना चंडीगढ़ के चारों ओर रियल एस्टेट में चालीस फीसदी हिमाचली न बसते। क्या कभी सोचा कि क्यों बीबीएन के माध्यम से आई आवासीय मांग, आर्थिकी और शहरीकरण की आर्थिकी क्यों समीपवर्ती पंचकूला, मोहाली, चंडीगढ़ और रोपड़ के आसपास चली गई। शिमला के पास कभी वाकनाघाट तो कभी जाठिया देवी मंदिर टाउनशिप योजना के पन्ने यूं न बिखरे होते। कायदे से हिमाचल को ऊना के आसपास एक बेहतरीन शहर बसाना चाहिए था, लेकिन यहां तो बजट का व्यय हर विधानसभा में बोर्ड लगाने और व्यर्थ की इमारतें उगाने के लिए नाकाफी है। आश्चर्य यह कि आवासीय व्यवस्था को हमने किसी भी विस्थापन में जरूरी नहीं समझा। हम चाहते तो न्यू टीहरी की तर्ज पर पौंग बांध के नजदीक शहर बसा देते या अब श्री रेणुका जी बांध परियोजना के साथ एक पुनर्वास कस्बा बसा देते। एक बिलासपुर बसा भी तो उसके विस्तार में वर्षों से अतिरिक्त सेक्टर की जमीन खिसकती रही है। जो राज्य अपने दफ्तरों या संस्थानों की स्थापना के लिए चंद गज जमीन अधिकृत नहीं कर पाता, जहां पीडब्ल्यूडी की सडक़ की ड्रेन, विद्युत आपूर्ति के पोल और शहर के एम्बूलेंस मार्ग को वांछित जमीन नहीं मिलती, वह हमें एक व्यवस्थित शहर में बसाने की उम्मीदें दे रहा है। इसका स्वागत अगर व्यावहारिक लक्ष्य पर रेखांकित हो तो यह सूचना अच्छी है कि बीस जगह निजी जमीन खरीदी जा सकती है। खरीदी पहले भी गई, लेकिन बिना रास्तों के विवाद सामने हैं। क्या सेटेलाइट टाउन बसाने के संकल्प लैंड बैंक बनाने में निपुण हो गए। क्या राज्य और राज्य के भीतर हर गांव और शहर की सार्वजनिक जमीन की उपलब्धता को हमने चिन्हित कर लिया। हमने तो अंग्रेजों के बसे बसाए शिमला के माथे पर 'न्यू शिमला' नामक उपग्रह नगर चस्पां करके बता दिया कि भविष्य के प्रति हम कितने लापरवाह और नाकाबिल हैं। हिमाचल की शहरी योजना का दस्तूर न्यू शिमला से तमाम हिमुडा कालोनियों तक एक असफल मॉडल है।

जीत के लिए बंदिशें हटानी होंगी, रूस के खिलाफ यूक्रेन के समर्थन के लिए जेलेंस्की ने अमेरिका का जताया आभार

वॉशिंगटन, 12 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिका ने यूक्रेन के समर्थन पर जोर दिया। राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन की सहायता के लिए कई नई घोषणाएं भी की। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अमेरिका, जर्मनी, नीदरलैंड, रोमानिया और इटली यूक्रेन को पांच अतिरिक्त रणनीतिक वायु-रक्षा प्रणालियों के लिए उपकरण प्रदान करेंगे। अमेरिका के इस समर्थन पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने प्रतिक्रिया दी। जेलेंस्की ने उन सहयोगियों के समर्थन को स्वीकार कर लिया, जिन्होंने यूक्रेन में तेजी से मदद पहुंचाने, रूस के सैन्य ठिकानों पर हमले करने के लिए हथियारों की आपूर्ति करने और अमेरिका के उपयोग पर प्रतिबंध हटाने पर जोर दिया। रूस के साथ जारी युद्ध के बीच जेलेंस्की ने कहा, अगर हम जीतना चाहते हैं और अपने देश को बचाना चाहते हैं तो हमें अपनी सारी सीमाएं तोड़नी होगी। बता दें कि नाटो शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन को हवाई रक्षा उपकरण दान में देने की घोषणा की थी। उन्होंने यूक्रेन के समर्थन में कहा, हम आपके साथ रहेंगे। जेलेंस्की ने सहायता पैकेज और नाटो नेताओं के समर्थन के लिए सार्वजनिक तौर पर धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि जबतक अमेरिका रूस में सैन्य ठिकानों पर हमला करने के लिए अपने हथियारों के इस्तेमाल पर लगे प्रतिबंध को नहीं हटाता, तब तक यूक्रेन रूस से युद्ध में नहीं जीत सकता।

रूस को चीन और उत्तर कोरिया का समर्थन बाइडन प्रशासन ने अब यूक्रेन को केवल रूस के उन क्षेत्रों में हथियार चलाने की अनुमति दिया जहां से यूक्रेनी सेना पर हमले किए जा रहे हैं। दरअसल, अमेरिका को डर है कि अमेरिकी हथियार रूस को इस युद्ध में उकसाने का काम कर सकता है। जेलेंस्की ने कहा, रूस ने अब एक नया मोर्चा खोला है। वह यूक्रेन पर हमले के लिए सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहा है। इससे बचने का एकमात्र तरीका रूस के सैन्य ठिकानों पर हमला करना है। नाटो शिखर सम्मेलन में रूस के लिए चीन और उत्तर कोरिया के समर्थन को लेकर चिंता जताई गई। सभी की नजर राष्ट्रपति जो बाइडन की तरफ थी। उन्होंने एक नए कॉन्फ्रेंस के साथ नाटो शिखर सम्मेलन का समापन किया।

न्यूज ब्रीफ

भारत के साथ अपना भविष्य देखता है अमेरिका, पीएम मोदी की रूस यात्रा के बाद गार्सेटी का बड़ा बयान

वॉशिंगटन। भारत में अमेरिका के दूर एरिक गार्सेटी ने दिल्ली में आयोजित एक डिफेंस न्यूज कॉन्क्लेव में हिस्सा लिया। उन्होंने इस कार्यक्रम को संबोधित भी किया। अपने संबोधन में उन्होंने भारत-अमेरिका संबंदों पर प्रकाश डाला। गार्सेटी ने भारत-अमेरिका संबंधों को गहरा, पुराना और व्यापक बताया। इस कार्यक्रम में कई रक्षा विशेषज्ञ भी मौजूद थे। गार्सेटी ने कहा कि अमेरिका भारत में केवल अपना भविष्य नहीं देखता और भारत भी अमेरिका के साथ केवल अपना भविष्य नहीं देखता, बल्कि पूरी दुनिया हमारी दोस्ती में महान चीजें दे सकते हैं। स्पष्ट शब्दो में कहा जाए, तो कई ऐसे देश हैं, जो यह उम्मीद कर रहे हैं कि ये दोस्ती काम करेगा। उन्होंने कहा कि एशिया और दुनिया के अन्य हिस्सों में आने वाली लहरों के खिलाफ अमेरिका और भारत एक शक्तिशाली हथियार के तरह काम करेंगे। बता दें कि गार्सेटी का यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूस दौरे के बाद आया। एरिक गार्सेटी ने कहा, मुझे लगता है कि हम दुनिया में एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। अब कोई भी युद्ध दूर नहीं है और हमें केवल शांति के लिए खड़ा नहीं होना, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए ठोस कार्रवाई करनी होगी कि जो लोग शांतिपूर्ण तरीके से नहीं खेलते उनकी युद्ध मशीने जारी न रहें। यह कुछ ऐसा है जिसे अमेरिका और भारत को एकसाथ जानने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा, पिछले तीन वर्षों में हमने ऐसे देशों को देखा है जिन्होंने संप्रभु सीमाओं को अनदेखा किया। मुझे यह याद दिलाने की जरूरत नहीं कि सीमाएं कितनी महत्वपूर्ण हैं। यह दुनिया में शांति का एक सिद्धांत है। भारत-अमेरिका के संबंध बहुत गहरे: गार्सेटी अमेरिकी दूत ने बताया कि वह इस कार्यक्रम में भाषण देने, पढ़ाने या सिखाने नहीं आए हैं। वह यहां सुनने, सीखने और साझा मूल्यों को याद दिलाने के लिए उपस्थित हुए हैं।

भारतीय मूल के 84 साल के डॉक्टर के नाम से जानी जाएगी इस देश की सड़क

अबू धाबी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी अबू धाबी भारतीयों के लिए काफी खास बनता जा रहा है। यहां पहले सबसे बड़ा हिंदू मंदिर बना और अब भारतीय मूल के 84 वर्षीय डॉक्टर के नाम पर एक सड़क का नाम रखा गया है। बता दें, यह कदम डॉक्टर को श्रद्धांजलि देने के लिए उठाया गया है।

डॉक्टर जॉर्ज मैथ्यू के नाम पर रखा नगरपालिकाओं और परिवहन विभाग (डीएमटी) ने अबू धाबी में एक सड़क का नाम डॉक्टर जॉर्ज मैथ्यू के नाम पर रखा है। यह यूएई के दूरदर्शी लोगों का सम्मान स्मारक सड़कें परियोजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य उन शख्सियतों को सम्मानित करना हैं, जिन्होंने देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मेरी कोशिशों को सराहा अल मफराक में शेख शकबूथ मेडिकल सिटी के पास वाली सड़क को अब जॉर्ज मैथ्यू स्ट्रीट के नाम से जाना जाएगा। अपने जीवन के बारे में बात करते हुए मैथ्यू ने कहा, जब मैं पहली बार संयुक्त अरब अमीरात पहुंचा तब भी बुनियादी ढांचा विकसित हो रहा था। राष्ट्रपिता स्वर्गीय एचएच शेख जायद बिन सुल्तान अल नाहयान से प्रेरित होकर मैंने लोगों की मदद करने के लिए खुद को समर्पित कर दिया। मैं बहुत आभारी हूं कि मेरी कोशिशों को आपने सराहा। कौन हैं डॉक्टर मैथ्यू डॉक्टर मैथ्यू 1967 में पहली बार यूएई पहुंचे थे। तब उनकी उम्र महज 26 साल थी।

मोंटाना के नेशनल पार्क की झील में भारतीय युवक डूबा, दोस्तों के साथ छुट्टियां मनाने गया था, शव की तलाश जारी

वॉशिंगटन। कैलिफोर्निया में काम करने वाला एक भारतीय युवक अमेरिका के मोंटाना स्थित ग्लेशियर नेशनल पार्क की झील में डूब गया। 26 वर्षीय युवक अपने दोस्तों के साथ छुट्टियां मनाने पार्क में गया था। युवक का शव नहीं मिल सका है। पुलिस शव को तलाश रही है। पार्क के अधिकारियों ने बताया कि भारतीय युवक की पहचान सिद्धांत विट्ठल पाटिल के रूप में की गई है। बताया जाता है कि पाटिल छह जून को पार्क की एवलांच झील की घाटी के ट्रैक पर घूम रहा था। जहां से वह एक बड़ी चट्टान से एवलांच क्रीक में गिर गया। युवक के गिरते ही दोस्तों ने शोर मचाया। दोस्तों ने बताया कि उन्होंने पाटिल के शव को पानी डूबते और पानी के बहाव के साथ ऊपर आते देखा। पार्क के अधिकारियों ने बताया कि यह साफ नहीं है कि पाटिल पैर फिसलने से नीचे गिरा या चट्टान पर उसका संतुलन बिगड़ गया। अधिकारियों का कहना है कि शव नहीं मिल सका है। हेलीकॉप्टर से नेशनल पार्क क्षेत्र में शव की तलाश की गई, लेकिन सफलता नहीं मिली।

कीव ने जब्त किया विदेशी मालवाहक जहाज, हिरासत में कप्तान, यूक्रेनी अनाज के अवैध निर्यात का आरोप

कीव, 12 जुलाई (एजेंसियां)।

यूक्रेन के रेनी बंदरगाह पर कीव ने एक विदेशी मालवाहक जहाज उस्को एमएफयू को पकड़ा गया। अधिकारियों के मुताबिक जहाज से क्रीमिया प्रायद्वीप से यूक्रेन के अनाज का अवैध रूप से निर्यात किया जा रहा था। जहाज के कप्तान को हिरासत में लिया गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद साल 2022 से यूक्रेन ने मास्को पर उसके क्षेत्र की कृषि भूमि से अवैध रूप से अनाज की कटाई करने और दूसरे देशों में भेजने का आरोप लगाया है। यूक्रेन के अभियोजक जनरल कार्यालय के मुताबिक जहाज को दक्षिणी ओडेसा क्षेत्र से जब्त किया गया। जहाज ने क्रीमिया में रूसी काला सागर के नौ सैनिक केंद्र सेवस्तोपोल के जरिये कृषि उत्पादों का निर्यात किया।

यूक्रेन की सुरक्षा सेवा (एसयूबी) ने बताया कि जहाज के कप्तान को यूक्रेन के कब्जे वाले क्षेत्र में प्रवेश करने पर हिरासत में लिया गया है। कैप्टन की पहचान दक्षिण काकेशस के एक पूर्व सोवियत देश अजरबैजान के नागरिक के रूप में की गई है। एसयूबी ने कहा कि कैप्टन पर लगे आरोप में पांच साल तक की सजा हो सकती है। अधिकारियों ने यह भी दावा किया कि जहाज में ले जाया जा रहा अनाज दक्षिणी यूक्रेन से लूटा गया था।

जहाज पर लगा था कैमरून का झंडा

अधिकारियों ने बताया कि जहाज पर कैमरून का झंडा लगा था। जहाज नवंबर 2023 में सेवस्तोपोल में रुका और तुर्किये की एक कंपनी के लिए तीन हजार टन से अधिक कृषि उत्पादों को लोड किया। अवैध गतिविधि को छिपाने के लिए सेवस्तोपोल बंदरगाह में प्रवेश से पहले जहाज के ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम को बंद कर दिया गया था। यह भी बताया गया कि जहाज मई में दूसरी बार सेवस्तोपोल लौटा और यूक्रेनी अनाज को ले जा रहा था। इसे रेनी के यूक्रेनी बंदरगाह पर जब्त किया गया। जांच के दौरान अधिकारियों को जहाज पर सेवस्तोपाल के अधिकारियों द्वारा जारी किए गए दस्तावेज मिले। साथ ही जहाज पर 12 अन्य विदेशी चालक दल के सदस्य भी मिले। इनकी राष्ट्रीयता के बारे में जानकारी नहीं दी गई है।

तीसरे देशों को दिया बड़ा संकेत

फ्रेंको रूसी वेधशाला के उपनिदेशक इगोर डेलानो ने बताया कि पहली बार यूक्रेन ने अंतरराष्ट्रीय ध्वज लगे जहाज को जब्त किया है। उन्होंने कहा कि कार्रवाई से साफ है कि यूक्रेन ने उन तीसरे देशों को संकेत दिया है जो चुप्पी के साथ रूस का समर्थन कर रहे हैं और अवैध रूप से यूक्रेन से चोरी अनाज का लाभ उठा रहे हैं। क्रीमिया प्रायद्वीप को लेकर काम कर रहे यूक्रेन के एक अधिकारी इगोर पोनोचोवनी ने भी कहा कि जहाज को जब्त करने की कार्रवाई रूस को प्रतिबंध से बचाने में मदद करने वाले देशों के लिए बड़ा संकेत है। वहीं यूक्रेन के दक्षिणी खेरसान क्षेत्र के प्रमुख ने कहा कि रूसी सेना ने यूक्रेन में कई हेक्टेयर कृषि भूमि में आग लगा दी। साथ ही अनाज भंडारण केंद्र पर भी हमला किया। साथ ही आग बुझाने पहुंचे अग्निशमन यंत्रों पर भी ड्रोन से हमला किया।

यूक्रेन में शांति लाने में भारत की भूमिका अहम, पीएम मोदी के रूस दौरे के बाद अमेरिकी अधिकारी का बड़ा बयान

वॉशिंगटन। अमेरिका के एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा है कि वैश्विक स्तर पर भारत को यूक्रेन में शांति सुनिश्चित करने और रूस के साथ बातचीत करने में रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए। अमेरिकी अधिकारी का यह बयान प्रधानमंत्री मोदी की हालिया रूस यात्रा के बाद सामने आया है। जब प्रधानमंत्री मोदी रूस दौरे पर थे तो अमेरिका में नाटो देशों की अहम बैठक चल रही थी, जिसमें यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की भी मौजूद रहे। पुतिन यूरोपीय सहयोगियों और नाटो गठबंधन के लिए खतरा अमेरिकी विदेश विभाग में यूरोपीय सुरक्षा और राजनीतिक मामलों के निदेशक लियाम वासली ने कहा कि भारतीयों को यह समझना चाहिए कि राष्ट्रपति पुतिन और उनका देश अमेरिका के यूरोपीय सहयोगियों और नाटो गठबंधन के लिए कितना बड़ा खतरा है। यह लोकतंत्र के एक अरब लोगों की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है। वासली ने कहा कि मुझे लगता है कि भारतीय लोग समझ सकते हैं कि यह हमारे नाटो सहयोगियों की समझ और दृष्टिकोण को कैसे प्रभावित कर रहा है। 32 सदस्यीय नाटो गठबंधन के नेता इस सप्ताह वाशिंगटन डीसी में 75वीं वर्षगांठ की शिखर बैठक में शामिल हुए, जहां यूक्रेन, चीन में रूस के मुद्दे पर काफी बात हुई।

भारत ने रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग को लेकर तटस्थ रुख रखा बरकार यूएन में पेश प्रस्ताव से बनाई दूरी

संयुक्त राष्ट्र, 12 जुलाई (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत ने अपना तटस्थ रुख बरकरार रखा। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक प्रस्ताव पेश किया गया, जिसमें मांग की गई थी कि रूस यूक्रेन के खिलाफ अपनी आक्रामकता को तुरंत रोक दे और जापोरिझिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र से अपनी सेना व अन्य अनधिकृत कर्मियों को तुरंत वापस बुला ले। हालांकि, भारत ने इस प्रस्ताव से दूरी बनाए रखी।

60 लोगों ने नहीं लिया हिस्सा

193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। इस प्रस्ताव के पक्ष में 99 वोट पड़े थे। वहीं, बेलारूस, क्यूबा, उत्तर कोरिया, रूस और सीरिया समेत नौ इसके खिलाफ थे। इसके अलावा, भारत, बांग्लादेश, भूटान, चीन, मिस्र, नेपाल, पाकिस्तान, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका सहित 60 देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया था। यह रखी गईं मांगें जापोरिझिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र समेत यूक्रेन की परमाणु सुविधाओं की सुरक्षा शीर्षक वाले प्रस्ताव में मांग की गई है कि रूस यूक्रेन के खिलाफ अपनी आक्रामकता को तुरंत रोक दे और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर यूक्रेन के क्षेत्र से अपने सभी सैन्य बलों को बिना शर्त वापस ले ले। इस प्रस्ताव में आगे मांग की गई है कि जापोरिझिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र से अपनी सेना व अन्य अनधिकृत कर्मियों को तुरंत वापस बुला ले। इसके साथ ही सुरक्षा तय करने के लिए संयंत्र को यूक्रेन के संप्रभु और सक्षम अधिकारियों के पूर्ण नियंत्रण में लौटा दे। इस देश ने पेश किया था प्रस्ताव मसौदा प्रस्ताव यूक्रेन द्वारा पेश किया गया था। वहीं फ्रांस, जर्मनी और संयुक्त राज्य अमेरिका सहित 50 से अधिक सदस्य देशों ने इसका समर्थन किया था। कोई गलती न करें प्रस्ताव पर मतदान से पहले रूस के प्रथम उप स्थायी प्रतिनिधि दिमित्री पोलिंस्की ने कहा कि महासभा ने दुर्भाग्य से ऐसे कई दस्तावेजों को स्वीकार कर लिया है जो गैर-सहमतिपूर्ण, राजनीतिक हैं और सच्चाई को नहीं दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि कोई गलती न करें। मसौदे के पक्ष में वोट कीव, वाशिंगटन, ब्रूसेल्स और लंदन द्वारा यूक्रेनी संघर्ष को और बढ़ाने की उनकी नीति के समर्थन के सबूत के रूप में माना जाएगा।

2060 के दशक में चरम पर होगी भारत की जनसंख्या संयुक्त राष्ट्र ने बताया- कब आएगी गिरावट

न्यूयॉर्क, 12 जुलाई (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की जनसंख्या 2060 के दशक तक चरम पर पहुंचकर 1.7 अरब हो जाएगी। रिपोर्ट में कहा गाय है कि 2060 के दशक के बाद भारत की जनसंख्या में 12 प्रतिशत की दर से गिरावट आएगी। हालांकि इसके बावजूद इस सदी में भारत दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बना रहेगा। संयुक्त राष्ट्र ने विश्व जनसंख्या संभावना 2024 जारी की। जिसमें कहा गया है कि आने वाले 50-60 वर्षों में दुनिया की जनसंख्या में वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है।

2080 में दुनिया की आबादी होगी 10 अरब से ज्यादा

2080 के दशक के मध्य में लगभग 10.3 अरब लोगों के दुनिया की कुल जनसंख्या शिखर पर पहुंच जाएगी। अभी दुनिया की कुल जनसंख्या 8.2 अरब है। चरम पर पहुंचने के बाद वैश्विक जनसंख्या में धीरे-धीरे गिरावट आने का अनुमान है, जो सदी के अंत तक घटकर 10.2 अरब हो जाएगी। पिछले साल चीन को पीछे छोड़कर भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बना था और साल 2100 तक भारत इस स्थान पर बना रहेगा।

संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग (डीईएसए) के जनसंख्या विभाग द्वारा प्रकाशित संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है, भारत की जनसंख्या, जिसके इस पूरी सदी दुनिया में सबसे अधिक रहने की उम्मीद है, 2060 के दशक की शुरुआत में अपने चरम पर पहुंचने के बाद 12 प्रतिशत की दर से कम होगी। रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में भारत की जनसंख्या 1.45 अरब होने का अनुमान है और यह 2054 में 1.69 अरब तक पहुंच जाएगी। इसके बाद, 2100 में सदी के अंत तक भारत की जनसंख्या घटकर 1.5 बिलियन होने का अनुमान है।

जेलेंस्की को राष्ट्रपति पुतिन बताकर फंसे जो बाइडन चीन को दी चेतावनी- गंभीर परिणाम भुगतने होंगे

वॉशिंगटन, 12 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन एक बार फिर आलोचकों के निशाने पर आ गए हैं और उनकी उम्र को लेकर चल रही बहस तेज हो गई है। दरअसल एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जो बाइडन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को राष्ट्रपति पुतिन कह गए। बाइडन की इस गलती के बाद फिर से उनकी मानसिक क्षमता और बढ़ती उम्र पर सवाल खड़े हो गए हैं और नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए उनकी उम्मीदवारी सवालों के घेरे में आ गई है।

फिर गलती कर गए जो बाइडन

अमेरिका में नाटो का सम्मेलन चल रहा है। इस सम्मेलन के बाद राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नाटो और यूक्रेन के बीच एक समझौते का एलान किया। इस दौरान उन्होंने कहा अब मैं चाहता हूं कि यूक्रेन के राष्ट्रपति अपनी बात रखें, जिनमें जितना समर्पण है, उतनी ही हिम्मत है। बहनों और भाइयों, राष्ट्रपति पुतिन। बाइडन यह कहकर पलटे, लेकिन तभी उन्हें अपनी गलती का अहसास हुआ और वे वापस आकर बोले, ये राष्ट्रपति पुतिन को हराने वाले हैं, राष्ट्रपति जेलेंस्की। मैं पुतिन को हराने पर इतना ध्यान दे रहा हूं कि हमें उसे लेकर बहुत चिंतित हैं।

कमला हैरिस को बता गए ट्रंप

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बाइडन अपनी उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस को उपराष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बता गए। दरअसल जब बाइडन से पूछा गया कि अगर वह राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव नहीं लड़ते हैं तो क्या कमला हैरिस, डोनाल्ड ट्रंप को हरा सकती हैं इसके जवाब में बाइडन ने कहा कि मैं उपराष्ट्रपति ट्रंप को नहीं चुनता, अगर मुझे नहीं लगता कि वह राष्ट्रपति के काबिल नहीं हैं। बाइडन की इन ताजा गलतियों के बाद उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दावेदारी पर फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। खुद बाइडन की पार्टी डेमोक्रेट के नेता ही बाइडन की मुखालफत पर उतर गए हैं। हालांकि अभी खुलकर कोई नहीं बोल रहा है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, डेमोक्रेट पार्टी में भी इस बात की काफी चर्चा है कि बाइडन की जगह किसी और नेता को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया जाना चाहिए। पहले भी बाइडन की जुबान कई मौकों पर फिसल चुकी है। बीते दिनों राष्ट्रपति पद की पहली बहस में भी ट्रंप, बाइडन पर भारी पड़े थे। उसके बाद से ही बाइडन की उम्मीदवारी सवालों के घेरे में आ गई है।

बाइडन की चीन को चेतावनी

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस की मदद करने के लिए चीन को परिणाम भुगतने होंगे। बाइडन ने ये भी कहा कि यूरोपीय देश भी चीन के निवेश को कम करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

सावधान! अब हर दिन एक बार हंसना होगा जरूरी जापान के यामागाटा प्रांत में लागू किया नया कानून

टोक्यो, 12 जुलाई (एजेंसियां)। आप लोगों को सुबह-सुबह पार्कों में जोर-जोर से हंसते हुए देखते होंगे, तो आपके चेहरे पर भी मुस्कान आ जाती होगी। ऐसे ही कभी कोई शख्स आपको देखकर मुस्करा दे तब भी आपका दिन बन जाता होगा। हंसी को स्वास्थ्य के लिए काफी अच्छा माना जाता है। मगर आपको हंसने के लिए मजबूर किया जाए तो आप क्या करेंगे। दरअसल, एक देश में बड़ा ही अजीबोगरीब नियम लागू किया गया है। इसके अनुसार, नागरिकों को दिन में कम से कम एक बार जरूर हंसना होगा। जापान के यामागाटा प्रांत में एक स्थानीय सरकार ने एक कानून लागू किया है, जिसमें निवासियों को बेहतर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए हर दिन कम से कम एक बार हंसने के लिए कहा गया है। यह नियम सुझाव साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, राज्य में यह कानून पिछले सप्ताह लागू किया गया था। यह एक स्थानीय विश्वविद्यालय के शोध पर आधारित है। इसमें सुझाव दिया गया था कि नियमित तौर पर हंसने से दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है और लंबा जीवन जीने में मदद मिलती है। नए कानून के तहत लोगों को रोज कम से कम एक बार हंसना होगा। इसके अलावा, इसमें यह भी कहा गया है कि कारोबारी ऐसा माहौल तैयार करें जो हंसी- खुशी से भरा हो। हर महीने की आठ तारीख को लाफ्टर डे मनाया जाएगा। 152 लोगों पर शोध बता दें कि जिस शोध के आधार पर यह कानून लाया गया है, उसे यामागाटा यूनिवर्सिटी ने साल 2019 में अंजाम दिया था। इसमें पता चला था कि जो लोग सप्ताह में कम से कम एक बार हंसते हैं उनमें कार्डियोवैस्क्युलर समस्याएं होने की संभावना कम होती हैं। शोधकर्ताओं ने इसके अध्ययन में 152 लोगों को शामिल किया गया था। इनकी उम्र 17 से 40 साल थी। उल्लेखनीय है कि इसमें मुस्कुराने को या चुपचाप हंसने को हंसी के तौर पर नहीं रखा गया है। बता दें कि भारतीय योग में भी हंसने को कई बीमारियों का इलाज बताया गया है। विपक्षियों ने किया कानून का विरोध यह कानून लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्यों ने पेश और पारित किया। विपक्षी नेताओं ने इस कानून को लेकर आलोचना की है। उनका कहना है कि यह कानून मौलिक मानवाधिकारों का हनन करने वाला है। जापान कम्युनिस्ट पार्टी के टोरू सेकी ने कहा कि हंसना या न हंसना हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है जो संविधान उपलब्ध कराता है। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि यह उन लोगों के साथ भेदभाव करता है, जो किसी बीमारी की वजह से हंस नहीं सकते। लेकिन, कुछ संविधान विशेषज्ञों ने इसका समर्थन किया है। विपक्ष पर पलटवार वहीं, लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) ने विपक्ष पर पलटवार किया। उन्होंने कहा, कानून लोगों को हंसने के लिए मजबूर नहीं करता। हर इंसान को खुद तय करना है कि उसे यह नियम मानना है या नहीं। स्थानीय अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि नए नियम में किसी के लिए भी कोई सजा नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षित सीटों के मामले में एसईसी के पक्ष में दिया फैसला, सरकार को दिया झटका

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को बड़ी राहत दी और इमरान की पार्टी पीटीआई की सहयोगी सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल को आरक्षित सीटें देने का आदेश दिया। विवाद नेशनल असेंबली की महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित 70 सीटों और चार विधानसभाओं की 156 सीटों में हिस्सा को लेकर था। पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल के आरक्षित सीटों पर दावे को नकार दिया था। जिसके खिलाफ काउंसिल ने पेशावर उच्च न्यायालय में अपील दायर की थी, लेकिन उच्च न्यायलय से भी सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल को निराशा हाथ लगी थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। 13 सदस्यीय पीठ ने दिया फैसला मुख्य न्यायाधीश ईसा की अध्यक्षता वाली 13 सदस्यीय पीठ ने मामले की सुनवाई की। जिसमें न्यायाधीश सैयद मंसूर अली शाह, मुनीब अख्तर, याह्या अफरीदी, अमीनुद्दीन खान, जमाल मंडोखैल, मुहम्मद अली मजहर, आयशा मलिक, अतहर मिनल्लाह, सैयद हसन रिजवी, शाहिद वहीद, इरफान सआदत खान और नईम अख्तर अफगान शामिल थे। मुख्य न्यायाधीश ईसा ने कार्यवाही के बाद आपसी परामर्श के लिए फैसला सुरक्षित रख लिया था, जो सुनाया गया। पैनल के आठ न्यायाधीशों के बहुमत ने पेशावर उच्च न्यायालय के फैसले को पलटते हुए सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल के पक्ष में फैसला सुनाया। क्या था आरक्षित सीटों को लेकर विवाद इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) 8 फरवरी को हुए आम चुनाव में चुनाव चिन्ह पर नहीं लड़ सकी थी क्योंकि चुनाव आयोग ने पार्टी का चुनाव चिन्ह खारिज कर दिया था। जिसके बाद पीटीआई महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित सीटों पर दावा नहीं कर सकी, जो आनुपातिक प्रतिनिधित्व के आधार पर राजनीतिक पार्टियों को दी जाती हैं।

क्रेजिकोवा और पाओलिनी में होगा महिला एकल का खिताबी मुकाबला

विम्बलडन, 12 जुलाई (एजेंसियां) । वर्ष के तीसरे ग्रैंड स्लैम विम्बलडन के महिला एकल का खिताबी मुकाबला चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजिकोवा और इटली की जैस्मीन पाओलिनी के बीच खेला जाएगा। 2021 में फ्रेंच ओपन खिताब जीतकर सफलता हासिल करने के तीन साल बाद, क्रेजिकोवा ने पहला सेट हारने के बाद जोरदार वापसी करते हुए रोमांचक सेमीफाइनल में जीत के बाद अपने दूसरे ग्रैंड स्लैम एकल फाइनल में प्रवेश किया। नंबर 31 सीड क्रेजिकोवा ने दूसरे सेमीफाइनल में नंबर 4 सीड एलेना रिबाकिना, 2022 विंबलडन चैंपियन, को 3-6, 6-3, 6-4 से हराकर शिखर मुकाबले में अपना स्थान पक्का कर लिया। क्रेजिकोवा को मैच का रुख बदलने और सेंटर कोर्ट पर जीत हासिल करने में 2 घंटे और 7 मिनट का समय लगा और अब उनका सामना इटली की जैस्मीन पाओलिनी से होगा, जिन्होंने पहले दिन में क्रोएशिया की डोना वेकिच पर कड़ी टक्कर में जीत हासिल की थी। नंबर 7 सीड पाओलिनी ने वेकिच को 2 घंटे और 51 मिनट में 2-6, 6-4, 7-6(8) से हराया और ओपन युग में विंबलडन के फाइनल में पहुंचने वाली पहली इतालवी महिला बन गईं। अपनी कम वरीयता के बावजूद, क्रेजिकोवा रिबाकिना के खिलाफ 2-0 की बढ़त के साथ मैच में आई और उसने उस रिकॉर्ड का समर्थन किया। अपने तीन मुकाबलों में तीसरी बार, क्रेजिकोवा जीत की राह पर आगे बढ़ने से पहले पहला सेट हार गई। क्रेजिकोवा ने कजाकिस्तान की रिबाकिना को एक अत्यंत दुर्लभ विंबलडन हार दी। रिबाकिना ने विंबलडन के मुख्य ड्रा में 90.5 प्रतिशत जीत दर साथ मैच में प्रवेश किया, जो ओपन युग में पूर्व चैंपियन एन जोन्स और स्टेफी ग्राफ के बाद तीसरा सर्वश्रेष्ठ था। क्रेजिकोवा ने इस साल विंबलडन से पहले केवल एक शीर्ष 10 खिलाड़ी का सामना किया था – ऑस्ट्रेलियन ओपन में आर्यना सबालेंका से हार – लेकिन अब वह लगातार दो शीर्ष 10 खिलाड़ियों को हराने और अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने की कोशिश करेगी। उनके सामने फ़ाइनल में उनकी प्रतिद्वंद्वी होंगी इटली की पाओलिनी जिन्होंने एक डाउन-टू-द-वायर थ्रिलर में वेकिच को हरा दिया। इटालियन 2016 में सेरेना विलियम्स के बाद एक ही वर्ष में रौलां गैरो और विंबलडन फाइनल में जगह बनाने वाली पहली खिलाड़ी हैं। क्रेजिकोवा और पाओलिनी पहले केवल एक बार भिड़े हैं, काफी समय पहले और बिल्कुल अलग स्तर पर – 2018 ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले दौर का क्वालीफाइंग मैच, जब वे दोनों शीर्ष 100 से बाहर थीं।

क्रेजिकोवा ने वह मैच आसानी से 6-2, 6-1 से जीत लिया। पिछले कुछ वर्षों में नियमित रूप से शीर्ष 10 में रहने के बावजूद, क्रेजिकोवा का 2024 विंबलडन फाइनल में पहुंचना उनके 2021 रौलां गैरो खिताब जीतने के समान ही अप्रत्याशित था, जब वह 33वें स्थान पर एक गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी थीं। इस पूरे वर्ष बीमारियों के कारण परेशान रहने के बाद, क्रेजिकोवा 7-9 जीत-हार के रिकॉर्ड के साथ विंबलडन में आईं, जिसमें जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन क्वार्टर फाइनल तक का सफर भी शामिल था।

न्यूज़ ब्रीफ

साइना नेहवाल ने कही दिल की बात बोलीं- टेनिस में बैडमिंटन से बेहतर कर सकती थी..

नई दिल्ली । भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अपने करियर को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि बैडमिंटन खेलने की बजाए अगर वह टेनिस खेलतीं तो ज्यादा अच्छा प्रदर्शन कर सकती थीं। साइना ने अपने कौशल के दम पर दुनिया में शीर्ष रैंकिंग हासिल की थी। ऐसा करने वाली वह भारत की पहली महिला शटल बनीं थीं। वहीं, ओलंपिक पदक जीतने वाली देश की पहली महिला एथलीट भी बनीं थीं। साइना ने जताई टेनिस खेलने की इच्छा राष्ट्रपति भवन में हर स्टोरी माई स्टोरी बातचीत के दौरान साइना ने कहा, कभी-कभी मुझे लगता है कि अगर मेरे माता पिता ने मुझे टेनिस में डाला होता तो अच्छा होता। इसमें ज्यादा पैसा है और मुझे लगता है कि मैं ज्यादा ताकतवर थी। मैं टेनिस में बैडमिंटन से बेहतर कर सकती थी। युवाओं को बैडमिंटन के लिए प्रेरित करती हैं साइना साइना ने बताया कि उन्होंने कई युवाओं को बैडमिंटन खेलने के लिए प्रेरित किया, लेकिन जब उन्होंने आठ साल की उम्र में खेलना शुरू किया था तो उनके लिए कोई आदर्श नहीं था। उन्होंने कहा, जब मैंने शुरूआत की थी तो मेरे लिए कोई आदर्श नहीं था। यह कहने के लिए कोई नहीं था, मैं दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनना चाहती हूं या ओलंपिक पदक विजेता बनना चाहती हूं। मुझसे पहले मैंने किसी को बैडमिंटन में ऐसा करते नहीं देखा था। भारत के कम पदक जीतने पर जताई निराशा लंदन ओलंपिक के कांस्य के अलावा साइना ने विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य और रजत पदक जीते तथा राष्ट्रमंडल खेलों में भी कई स्वर्ण पदक जीते। उन्होंने कहा, मैं हमेशा बच्चों को खेलों पर ध्यान लगाने के लिए कहती हूं। चीन 60-70 पदक जीतता है और हमें सिर्फ तीन चार पदक मिलते हैं। इतने सारे डॉक्टर और इंजीनियर होते हैं और उनके नाम अखबारों में नहीं आते।

पाकिस्तान के खिलाफ महिला एशिया कप मैच के लिए तैयार हरमनप्रीत कौर

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ महिला एशिया कप मैच से पहले हर मैच में जीत के लिए प्रयास करने की अपनी रणनीति पर अडिग हैं। भारत को 19 जुलाई को दांबुला में पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करनी है। भारत ने हाल ही में घरेलू वनडे सीरीज में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3-0 से क्लीन स्वीप किया है। उन्होंने तीन मैचों की टी20 सीरीज 1-1 से बराबर करने से पहले एकमात्र टेस्ट में 10 विकेट से जीत अपने नाम की थी। पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले हरमनप्रीत ने कहा कि एक टीम के तौर पर उन्हें मुकाबले के अन्य मापदंडों के बजाय अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। हरमनप्रीत ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, जब आप पाकिस्तान के खिलाफ खेलते हैं, तो दोनों देशों में अलग-अलग माहौल होता है। दोनों देश चाहते हैं कि उनकी टीम जीते। एक खिलाड़ी के तौर पर हम पर बहुत दबाव होता है। लेकिन एक लीडर के तौर पर मेरी जिम्मेदारी है कि मैं अपनी टीम को उस माहौल में हल्का महसूस कराऊं, ताकि उन्हें ऐसा न लगे कि हम पाकिस्तान के खिलाफ खेल रहे हैं या यह दबाव वाला मैच है। मेरे लिए यह महत्वपूर्ण होगा कि मैं सभी को यह महसूस कराऊं कि यह भी एक आम मैच है।

अपने चौथे ओलंपिक में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं मनप्रीत

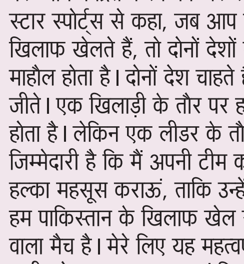

बेंगलुरू । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के अनुभवी खिलाड़ी मनप्रीत सिंह इस बार अपना चौथा ओलंपिक खेलने जा रहे हैं। मनप्रीत के अनुसार उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह यहां तक पहुंचेंगे और चौथा ओलंपिक खेलेंगे क्योंकि सभी का सपना ओलंपिक खेलने का रहता है। साथ ही कहा कि हर खिलाड़ी का सपना होता है ओलंपिक खेलना और पदक जीतना। इसलिए मैं अपने को खुशकिस्मत समझता हूं जो मुझे इसमें खेलने का अवसर मिल रहा है। इस अनुभवी मिडफील्डर ने कहा, 'मैं यह सोचकर जा रहा हूं कि ये मेरा आखिरी ओलंपिक है और मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। एशियाई खेल 2014 और 2022 में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे मनप्रीत ने भारत के लिये 370 मैचों में 27 गोल दागे हैं। वह टोक्यो ओलंपिक में भारतीय दल के ध्वजवाहक भी रहे थे। ओलंपियन परगट सिंह को अपना आदर्श मानने वाले मनप्रीत ने कहा कि तोक्यो से पेरिस तक टीम की तैयारियों में ज्यादा बदलाव नहीं आया है। साथ ही कहा कि हम अपने अनुभव पांचों नए खिलाड़ियों से बांट रहे हैं।

पहले टेस्ट के दूसरे दिन वेस्टइंडीज हार की कगार पर

दूसरी पारी में 6 विकेट खोए, इंग्लैंड से 171 रन पीछे, रुट, ब्रूक और स्मिथ की फिफ्टी

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां) ।

इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज पर 250 रन की बढ़त ले ली है। पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद दूसरी पारी खेलने उतरी वेस्टइंडीज ने 6 विकेट खोकर 79 रन बना लिए हैं। अभी भी वो इंग्लैंड से 171 रन पीछे हैं।

इंग्लैंड ने अपने कल के स्कोर 189 रन से आगे खेलना शुरू किया और उनकी पूरी पारी 371 रन पर ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड की तरफ से जो रुट, हैरी ब्रूक और जेमी स्मिथ ने हाफसेंचुरी लगाई। वेस्टइंडीज की तरफ से जेडेन सील्स ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। उनके अलावा गुडाकेश मोती और जेसन होल्डर को 2-2 विकेट मिले। दूसरी इनिंग में वेस्टइंडीज की खराब शुरुआत पहली पारी में इंग्लैंड ने 250 रन की बढ़त हासिल की। जिसे उतारने उतरी वेस्टइंडीज की टीम की शुरुआत खराब रही उन्होंने 37 रन पर 4 विकेट गवां दिए। पारी के 9वें ओवर में अपने करियर का आखिरी मैच खेल रहे एंडरसन ने अपने विंटेज स्टाइल में कप्तान क्रेग ब्रेथवेट को क्लीन बोल्ड कर दिया। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने शानदार गेंदबाजी की और 2 विकेट लिए। उन्होंने डेब्यूटेंट माइकल लुइस और किर्क मैकंजी को आउट किया। पहले इनिंग में 7 विकेट लेने वाले गस एटिंकसन ने कवेम हॉज को 4 रन पर बोल्ड किया। दूसरी पारी में एंडरसन ने अपना दूसरा विकेट एलिक एथनाजे को आउट करके लिया। एंडरसन, गस एटिंकसन और कप्तान बेन स्टोक्स के सामने वेस्टइंडीज के प्लेयर्स टिक नहीं पाए। वेस्टइंडीज के अब तक 6 विकेट गिर चुके हैं।

ब्रुक की हाफ सेंचुरी

ब्रुक ने कल के 25 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। शानदार बल्लेबाजी करते हुए ब्रुक ने फिफ्टी लगाई। उन्होंने 64 बॉल पर 50 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 5 चौका और 1 सिक्स लगाया। हालांकि वो अपनी पारी को ज्यादा आगे नहीं ले जा पाए और 50 रन पर उन्हें अलजारी जोसेफ ने कीपर डा सिल्वा के हाथों कैच आउट कराया।

जो रूट की फिफ्टी

ब्रुक और जो रूट ने इंग्लैंड पारी को मजबूती दी। दोनों ने मिलकर 120 बॉल पर 91 रन की साझेदारी की। जो रूट ने शानदार फिफ्टी लगाते हुए 114 बॉल 68 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 7 चौके लगाए। उन्हें गुडाकेश मोती ने बोल्ड किया।

डेब्यू पर जेमी स्मिथ के 70 रन

अपने करियर का पहला मैच खेल रहे इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ ने अपनी पहली फिफ्टी लगाई। उन्होंने 70 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 8 चौके और 2 सिक्स लगाए। उन्हें जेडेन सील्स ने अपना चौथा शिकार बनाया।

गुड़ाकेश मोती के 2 बोल्ड

मोती ने इंग्लैंड की पहली इनिंग में 2 दिग्गज बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। सबसे पहले उन्होंने कप्तान बेन स्टोक्स को 4 रन पर बोल्ड किया। उसके बाद शानदार बल्लेबाजी कर रहे जो रूट को 68 रन पर आउट करके वेस्टइंडीज को मैच मे बनाए रखा।

जेडेन सील्स के 4 विकेट

जेडेन सील्स ने दूसरे दिन 2 विकेट लिए। उन्होंने पहले दिन के आखिरी सेशन में बेन डकेट और जैक क्रॉली को आउट किया था। उन्होंने पहले जेमी स्मिथ और क्रिस वोक्स के बीच की साझेदारी को तोड़ा। उसके बाद सेट बल्लेबाज जेमी स्मिथ का आखिरी विकेट भी लिया। उन्होंने पहली इनिंग में कुल 4 विकेट लिए।

नडाल ने एटीपी टूर वापसी से पहले अभ्यास शुरू किया

बस्ताद, 12 जुलाई (एजेंसियां) ।

लगभग दो दशकों के बाद, राफेल नडाल बस्ताद में वापस आ गए हैं, क्योंकि स्पैनियार्ड ने नॉर्डिया ओपन में अपने पहले अभ्यास का आनंद लिया, जहां वह अगले सप्ताह एटीपी 250 इवेंट में वाइल्ड कार्ड के रूप में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

नडाल ने एटीपी रैंकिंग में मौजूदा 31वें नंबर के अर्जेंटीना के खिलाड़ी टॉमस मार्टिन एचेवेरी को आमंत्रित किया और खिलाड़ियों ने ग्रीस में एक गहन प्रशिक्षण ब्लॉक के लिए टीम बनाई। अर्जेंटीना के खिलाड़ी ने एटीपीटूर.कॉम को बताया, जिस जगह पर हम अभ्यास कर रहे हैं वह रोमांचक है... और नडाल वहां जा रहे हैं, मैं कहूंगा कि वह बहुत अच्छा खेल रहे हैं। ला प्लाटा के मूल निवासी के लिए 92-बार के टूर-स्तरीय खिताबधारी के साथ दिन बिताना कैसा था एचेवेरी ने कहा,मुझे उनसे चीजें पूछने, सलाह मांगने का मौका मिला, और वह हमेशा बहुत विनम्र थे, मदद कर रहे थे, प्रगति कर रहे थे, और उनके पास सभी के लिए बहुत समय था। एचेवेरी ने साथ ही कहा, ये दिन मेरे लिए एक सपने जैसे रहे हैं, वास्तव में एक अद्भुत अनुभव, सबसे ऊपर राफा के साथ समय बिताना, एक खिलाड़ी जिसे मैं तब से देख रहा हूं जब से मैंने टेनिस खेलना शुरू किया, इतिहास में सर्वश्रेष्ठ में से एक, इसलिए यह रोमांचक था। यह एक विशेषाधिकार और एक सम्मान था। नडाल अगले सप्ताह नॉर्डिया ओपन में एक्शन में होंगे। 2005 में यह प्रतियोगिता जीतने के बाद से यह एटीपी 250 में स्पैनियार्ड की पहली उपस्थिति होगी। 7-5 सीज़न का रिकॉर्ड रखते हुए, नडाल ने फ्रांस की राजधानी में ओलंपिक शुरू होने से पहले प्रतियोगिता के समय और लय की खोज जारी रखी है, जहां वह एकल में खेलेंगे और युगल में कार्लोस अल्काराज के साथ भागीदारी करेंगे। 38 वर्षीय नडाल, जिन्होंने कहा है कि 2024 उनके करियर का अंतिम सीज़न हो सकता है, 27 मई को रौलां गैरो के पहले दौर में अलेक्जेंडर ज्वेरेव से हार के बाद अपना पहला प्रतिस्पर्धी मैच खेलेंगे। सीज़न में अब तक उनका स्कोर 7-5 है, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ परिणाम मैड्रिड में घरेलू धरती पर चौथे दौर तक पहुंचना था।

यूएफा अध्यक्ष अलेक्जेंडर सेफ़रिन ने यूरो 2024 को अब तक का सर्वश्रेष्ठ संस्करण बताया

बर्लिन, 12 जुलाई (एजेंसियां) ।

यूरोपीय चैम्पियनशिप का 2024 संस्करण पूरा होने वाला है और ओलंपियास्टेडियन में स्पेन और इंग्लैंड के बीच बहुप्रतीक्षित फाइनल से पहले, यूएफा अध्यक्ष अलेक्जेंडर सेफ़रिन ने इसकी सराहना करते हुए कहा है कि टूर्नामेंट अब तक का सबसे अच्छा यूरो रहा है।

सबकुछ अद्भुत है। मेरी राय में, यह शायद अब तक का सबसे अच्छा यूरो है। प्रशंसकों ने इसका आनंद लिया, और हमारे साथ उनके साथ कोई बड़ी घटना नहीं हुई। हमने शीर्ष टीमों के साथ शानदार फुटबॉल देखा है। एकमात्र मुद्दा मौसम था – कभी-कभी यह अच्छा था, कभी-कभी उतना नहीं, लेकिन कुल मिलाकर, यह एक शानदार टूर्नामेंट है।

2024 यूरोपीय चैंपियनशिप में पिछले दो महीनों के दौरान 114 गोल हुए हैं, प्रति मैच औसतन 2.29 गोल हुए और हर 39 मिनट में एक गोल हुआ।

वर्तमान में छह खिलाड़ी हैं जो गोल्डन बूट पुरस्कार के लिए बराबरी पर हैं जैसे दानी ओल्मो (स्पेन), हैरी केन (इंग्लैंड), जमाल मुसियाला (जर्मनी), कोडी गाकपो (नीदरलैंड)। इवान श्रांज़ (स्लोवाकिया) और जॉर्जेस मिकाउतादज़े (जॉर्जिया)। उनमें से केवल दो ही प्रतियोगिता में बचे हैं। यूएफा अध्यक्ष ने उन टीमों के नाम बताए जिन्होंने टूर्नामेंट में प्रभाव डाला है और सुझाव दिया कि निचली रैंकिंग वाली टीमों के बीच अंतर करीब आ रहा है।

उन्होंने आगे कहा, अब तक उन्होंने जो दिखाया है, उससे पता चलता है कि स्पेनिश टीम प्रभावशाली रही है। फ्रांस, इंग्लैंड और जर्मनी जैसी अन्य टीमों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। मैं स्लोवाकिया, जॉर्जिया और निश्चित रूप से मेरी स्लोवेनिया जैसी छोटी टीमों से प्रभावित हुआ, जिन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। मुझे बहुत गर्व है।

पेरिस पैरालम्पिक खेलों में शरणार्थी दल की मौजूदगी पर आया अध्यक्ष ऐंड्र्यू का बयान

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां) । शरणार्थी पैरालम्पिक खिलाड़ियों का दल, दुनियाभर में 12 करोड़ जबरन विस्थापितों और 1.2 अरब विकलांगजन का प्रतिनिधित्व करेगा। पैरालम्पिक गेम्स, विकलांगता की अवस्था में रह रहे एथलीट के लिए सबसे बड़ा खेलकूद आयोजन है, जिसे हर चार वर्ष में एक बार आयोजित किया जाता है। ये आठ एथलीट छह देशों से हैं और छह खेल स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे पैरा एथलेटिक्स, पैरा पावरलिफ्टिं, पैरा टेबल टेनिस, पैरा ताइक्वान्डो, पैरा ट्राएथलोन, व्हीलचेयर फेंसिंग। अन्तरराष्ट्रीय पैरालम्पिक समिति के अध्यक्ष ऐंड्र्यू पार्सन्स ने बताया कि वैसे तो सभी पैरालम्पिक खिलाड़ियों के पास सहनसक्षमता के अविश्वसनीय अनुभव हैं। मगर, शरणार्थियों के तौर पर युद्ध व उत्पीड़न से होकर गुजरना और फिर उनका पैरालम्पिक खेलों तक पहुंच कर स्पर्धाओं में हिस्सा लेना, बेहद प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि इन एथलीट्स ने पेरिस 2024 तक पहुँचने के लिए अविश्वसनीय दृढ़ता व संकल्प का परिचय दिया है और इनसे विश्व में हर शरणार्थी को उम्मीद मिलेगी। शरणार्थी पैरालम्पिक टीम, खेलकूद के रूपान्तरकारी असर को रेखांकित करती है। सपने देखना मत छोड़ो ऐमिलियो कास्त्रो ग्ररुएसो अब इटली में रहते हैं और पेरिस 2024 में व्हीलचेयर फेंसिंग में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं। जब वो 16 वर्ष के थे, तो उनकी मां का निधन हो गया। चार साल बाद उन्हें एक और यंत्रणा से गुजरना पड़ा जब एक सड़क हादसे में उनके पांव निष्क्रिय हो गए। धमकियों व खतरों की वजह से उन्हें अपनी मातृभूमि छोड़कर भागना पड़ा। वे एक नए देश में एक व्हीलचेयर में पहुंचे, और उन्हें स्थानीय भाषा नहीं आती थी और ना ही उनकी मदद करने के लिए कोई था। अपने जीवन को फिर से पटरी पर लाने के बाद, उन्होंने अपनी कहानी साझा करने के लिए एक किताब लिखने की ठानी, मगर यह महसूस किया कि यदि वे एक पदक जीतने वाले एथलीट होते तो शायद अधिक संख्या में लोग उनकी किताब पढ़ते। ऐमिलियो कास्त्रो ग्ररुएसो ने अपनी अब तक सबसे बड़ी उपलब्धि के तौर पर, मई 2024 में ब्राजील में अमेरिकी चैम्पियनशिप में व्हीलचेयर फ़ेंसिंग में कांस्य पदक जीता। उनके अनुभव ने दर्शाया है कि विकट हालात व कठिनाइयों के बावजूद, जीवन का सबसे अहम सबक है कि हमें कभी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। उन्होंने कहा, कभी सपने देखना मत छोड़िए और भले ही आपका जीवन या कोई क्षण कितना ही कठिन क्यों ना हो, हिम्मत ना हारें, और लड़ाई जारी रखें। 'हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत' अन्य शरणार्थी एथलीट में सीरिया के इब्राहिम अल हुसैन भी हैं। सीरिया में गृहयुद्ध के दौरान 2012 में अपने मित्र को बचाते समय एक विस्फोट में उन्होंने अपना पांव खो दिया। उसके बाद वो एक व्हीलचेयर में ग्रीस चले गए, मगर उनकी जेब खाली थी। इसके बाद उन्होंने एक लम्बा सफर तय किया और यह तीसरी बार है जब इब्राहिम अल हुसैन शरणार्थी पैरालम्पिक टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। वहीं, कैमरून के गिलॉम जूनियर अतनगाना दूसरी बार पैरालम्पिक खेलों की तैयारी में जुटे हैं। इससे पहले, टोक्यो 2020 में 400 मीटर दौड़ में चौथे स्थान पर आए थे। वह एक बड़े फुटबॉलर बनना चाहते थे, लेकिन अपनी नजरें खो देने के बाद वह एथलीट बनने की दिशा में मुड़ गए। इस साल, वह अपने गाइड और साथी शरणार्थी डोनार्ड न्दिम न्यामुजा के साथ खड़ें होंगे।

भारतीय तीरंदाजों को पहले पदक की आस, लिंबा राम से लेकर दीपिका कुमारी तक की कोशिश रही है विफल

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां) । पेरिस ओलंपिक का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और अन्य भारतीय खिलाड़ियों की तरह ही तीरंदाजों ने भी इसके लिए कमर कस ली है। दिलचस्प बात यह है कि भारत को कभी भी तीरंदाजी में ओलंपिक पदक नहीं मिला है और तीरंदाजों की कोशिश रहेगी कि 26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक में वह पदक का सूखा समाप्त करे। भारत ने पेरिस खेलों के लिए पुरुष और महिला मिलाकर छह तीरंदाजों की टीम चुनी है।

ओलंपिक पदक के लिए तीरंदाजों को मिला आपसी जुड़ाव का मंत्र

ओलंपिक पदक का सूखा खत्म करने के लिए भारतीय तीरंदाजों को इस बार आपसी जुड़ाव का विशेष मंत्र दिया गया है। तीरंदाज न सिर्फ साथ खा रहे हैं, बल्कि साथ में आना-जाना कर रहे हैं। उन पर किसी भी तरह की नकारात्मक बात करने की पूरी तरह से पाबंदी है। यही नहीं, फ्रांस रवानगी से पूर्व पुणे में तीरंदाजों को उसी अंदाज में तैयारी कराई गई, जिस तरह उन्हें पेरिस ओलंपिक में तीरंदाजी करनी है। पुणे में 10 दिन तक टीम ने जिस तरह पेरिस में मुकाबले होने हैं, उसी तरह तैयारी की। उन्हें पोडियम पर तीरंदाजी कराई गई। दर्शकों का शोर, माइक पर आवाज, बड़ी स्क्रीन पर पिक्चर, इन सबके बीच तीरंदाजों ने 10 दिन तक तैयारी की है।

कैसा रहा है भारतीय तीरंदाजों का इतिहास

भारत ने 1988 के सियोल ओलंपिक में तीरंदाजी में पहली बार लिया हिस्सा। भारत ने तीरंदाजी में अब तक कोई पदक नहीं जीता है। 1992 के ओलंपिक में लिंबा राम पदक के काफी करीब पहुंच गए थे, लेकिन कांस्य पदक से चूक गए थे। तीरंदाजों को 24 बार साई ने विदेशी टूर्नामेंटों और तैयारियों के लिए भेजा, जिस पर 10.74 करोड़ का खर्च आया। साथ ही साढ़े छह करोड़ की लागत से 217 दिन के 41 बार राष्ट्रीय शिविर लगाए गए।

दीपिका-तरुणदीप सबसे अनुभवी

भारतीय तीरंदाजी दल में दीपिका कुमार और तरुणदीप राय सबसे अनुभवी हैं जो चौथी बार ओलंपिक में हिस्सा लेंगे। दीपिका 2012 लंदन ओलंपिक से लगातार इन खेलों में हिस्सा ले रही हैं, जबकि तरुणदीप ने 2004 एथेंस ओलंपिक से डेब्यू किया था और फिर 2012 तथा टोक्यो 2020 में भी शामिल रहे थे। प्रवीण जाधव ने टोक्यो 2020 से डेब्यू किया था और यह उनका दूसरा ओलंपिक होगा। पुरुष व्यक्तिगत वर्ग में कोटा हासिल करने वाले धीरज बोम्मादेवारा, महिला व्यक्तिगत वर्ग में कोटा हासिल करने वाली भजन कौर और अंकिता भकत ओलंपिक में पदार्पण करेंगे।

दीपिका पदक की प्रबल दावेदार

भारतीय तीरंदाजी टीम में दीपिका कुमारी पदक लाने की दावेदार हैं जिन्होंने करीब एक दशक से प्रभावित किया है। भारत की इस अनुभवी तीरंदाज ने विश्व चैंपियनशिप, विश्व कप, एशियन चैंपियनशिप, एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीता है। हालांकि, वह अब तक ओलंपिक पदक नहीं जीत सकी हैं। दीपिका शीर्ष रैंकिंग के साथ लंदन ओलंपिक में गई थीं, लेकिन प्रभावित करने में नाकाम रही थीं। रियो ओलंपिक में भी उनका प्रदर्शन खास अच्छा नहीं रहा था और उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा था।

टोक्यो ओलंपिक में दीपिका का कैसा रहा था प्रदर्शन

दीपिका ने टोक्यो ओलंपिक में भी विश्व की नंबर एक तीरंदाज के तौर पर जगह बनाई थी और भारत की तरफ से एकमात्र महिला तीरंदाज थीं। उन्होंने महिला व्यक्तिगत रिकर्व और प्रवीण जाधव के साथ मिक्स्ड टीम इवेंट में हिस्सा लिया था। महिला वर्ग में दीपिका ने अपने पिछले दो ओलंपिक से बेहतर प्रदर्शन किया था और वह पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची थीं। हालांकि, उनका सफर अंतिम आठ में ही समाप्त हो गया था। वहीं, मिक्स्ड टीम इवेंट में भी वह क्वार्टर फाइनल की बाधा पार नहीं कर सकी थीं।

आने वाले कई वर्षों तक 7 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ेगी अर्थव्यवस्था, नीति आयोग के अरविंद विरमानी का दावा

नई दिल्ली,12 जुलाई (एजेंसियां)। नीति आयोग के सदस्य अरविंद विरमानी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था करीब 7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी और यह कई वर्षों तक इसी तरह की वृद्धि दर बनाए रखने की राह पर है। विरमानी ने कहा कि देश के सामने नई चुनौतियां हैं और उनसे भी निपटना जरूरी है।

निजी उपभोग व्यय में हो रहा सुधार

अरविंद विरमानी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था 7 प्रतिशत 0.5 प्रतिशत कम या ज्यादा की दर से बढ़ेगी... मुझे उम्मीद है कि हम आने वाले कई वर्षों तक 7 प्रतिशत की दर से वृद्धि करने की राह पर हैं। पिछले महीने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2025 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। विरमानी ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में निजी उपभोग व्यय में गिरावट आने के बाद अब इसमें सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा, महामारी का असर बचत में कमी के रूप में सामने आया और यह पिछले वित्तीय झटकों से बहुत अलग है। यह दोहरे सूखे की स्थिति जैसा है।

एफडीआई में गिरावट पर क्या बोले विरमानी

विरमानी ने कहा, पिछले साल भी अल नीनो आया था, लेकिन महामारी ने जो किया, उसके परिणामस्वरूप लोगों को अपनी बचत कम करनी पड़ी इसलिए बचत को फिर से बनाना है, जिससे वर्तमान खपत कम होती है। भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में गिरावट को लेकर विरमानी ने कहा कि उभरते हुए बाजारों की तुलना में अमेरिका और अन्य विकसित देशों में निवेश का जोखिम रहित रिटर्न बहुत ज्यादा है। जैसे ही अमेरिका में ब्याज दर कम होने लगेगी तो उम्मीद है कि भारत सहित उभरते बाजारों में एफडीआई बढ़ेगा। उल्लेखनीय है कि बीते महीने संयुक्त राष्ट्र ने भी विकास दर के पूर्वानुमान में बताया था कि भारत की अर्थव्यवस्था साल 2024 में करीब 7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। संयुक्त राष्ट्र ने बताया कि भारत में उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति में कमी आई है और 2023 में जहां ये 5.6 प्रतिशत थी, वो 2024 में घटकर 4.5 प्रतिशत हो गई है।

न्यूजब्रीफ

जियो फाइनेंशियल्स को कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी बनने के लिए आरबीआई की मिली मंजूरी

नई दिल्ली। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने भारतीय रिजर्व बैंक से गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी से कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी में बदलने की मंजूरी हासिल कर ली है। यह कदम कंपनी के फोकस में रणनीतिक बदलाव को दर्शाता है। अब सवाल उठता है कि कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी क्या है। ये आरबीआई द्वारा परिभाषित सीआईसी एक विशेष एनबीएफसी है, जिसका न्यूनतम परिसंपत्ति आधार 100 करोड़ रुपये है। आरबीआई के दिसंबर 2016 के परिपत्र में सका प्राथमिक कार्य, विशिष्ट शर्तों के अधीन, शेयरों और प्रतिभूतियों का अधिग्रहण और प्रबंधन है। जियो फाइनेंशियल के लिए सीआईसी संरचना के लाभ सीआईसी की शुद्ध परिसंपत्तियों का कम से कम 90 प्रतिशत समूह कंपनियों के भीतर इक्विटी शेयरों, वरीयता शेयरों, बॉन्ड, डिबेंचर, लोन या निवेश किया जाना चाहिए। यह बदलाव जियो फाइनेंशियल सर्विसेज को अपनी सहायक कंपनियों के निवेश और प्रबंधन को प्राथमिकता देने और ऑपरेशन को सुव्यवस्थित करने की अनुमति देता है। सीआईसी संरचना हर सहायक कंपनी के लिए वित्तीय सुविधा देती है, जो खासकर उस कंपनी के लिए अलग से होती है। इससे बेहतर निवेशक मूल्य पहचान हो सकती है। पारंपरिक एनबीएफसी के विपरीत, सीआईसी डिपॉजिट स्वीकार नहीं करते हैं, जिससे जियो फाइनेंशियल को मुख्य निवेश गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति मिलती है। एक सीआईसी के रूप में, कंपनी को नए क्षेत्रों की खोज करने और अपने निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लाने की स्वतंत्रता मिलती है, जो बाजार की बदलती गतिशीलता के अनुकूल है। मार्केट की प्रतिक्रिया जियो फाइनेंशियल के परिवर्तन की खबर को बाजार ने सकारात्मक रूप से लिया। शुरुआती सत्र के दौरान कंपनी के शेयर की कीमत में 1.5 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई।

इरेडा जारी करेगा नतीजे, ऑल टाइम हाई पर पहुंचे शेयर मालामाल हुए निवेशक

नई दिल्ली। एनर्जी सेक्टर की कंपनी इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी लिमिटेड ने निवेशकों को जमकर रिटर्न दे रही है। शेयर अपने ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया है। कारोबार के दौरान कंपनी के शेयर 6 प्रतिशत चढ़कर 303.70 रुपये के स्तर तक पहुंचे। कंपनी वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही के नतीजे भी जारी करेगी। उम्मीद है कि कंपनी के नतीजे बेहतर होंगे। यही कारण है कि निवेशक रिजल्ट आने से पहले जमकर खरीदारी कर रहे हैं। कंपनी का मार्केट कैपिटल करीब 80 हजार करोड़ रुपए है। 1 महीने में दिया 62 प्रतिशत का रिटर्न खबर लिखे जाने तक कंपनी के शेयर 2.83 प्रतिशत तेजी के साथ 291.90 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। इरेडा के शेयरों ने निवेशकों को पिछले पांच दिनों में जबरदस्त 25 प्रतिशत से ज्यादा और 1 महीने में 62.48 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। इसके साथ ही बात करें पिछले छह महीने में 167 प्रतिशत तक का रिर्टन दिया है। इसके साथ ही बात करें लिस्टिंग से अब तक तो इरेडा ने करीब 394 फीसदी रिटर्न दिया है।

पीएफ पर ब्याज दर बढ़कर 8.25 फीसदी हुई; आम बजट से पहले वित्त मंत्रालय ने लिया फैसला

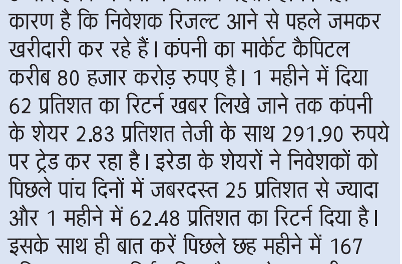

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफओ) जमा पर ब्याज दर 8.15 फीसदी से बढ़ाकर 8.25 फीसदी करने की मंजूरी दे दी। इसकी घोषणा इस साल फरवरी में की गई थी, जिसे सरकार ने मई 2024 में अधिसूचित किया था, जिसे अब वित्त मंत्रालय की मंजूरी मिली है। ईपीएफओ ने सोशल मीडिया पर ब्याज दर बढ़ाने की जानकारी दी। पिछले साल 28 मार्च को ईपीएफओ ने 2022-23 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) पर 8.15 प्रतिशत की ब्याज दर की घोषणा की थी। मार्च 2022 में ईपीएफओ ने करीब 7 करोड़ कर्मचारियों को बड़ा झटका देते हुए 2021-22 के लिए ब्याज दर को घटाकर चार दशक के निचले स्तर 8.1 प्रतिशत कर दिया था। इसके पहले 2020-21 में यह 8.5 प्रतिशत था।

टॉप 7 शहरों में किफायती फ्लैटों की लॉन्चिंग में आई 21 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली,12 जुलाई (एजेंसियां)। रियल एस्टेट सलाहकार जेएलएल इंडिया ने एक डेटा रिलीज किया है। इस डेटा के अनुसार चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून तक किफायती अपार्टमेंट्स जिसकी कीमत 50 लाख रुपये से कम है उनकी सप्लाई में 21 फीसदी की सालाना गिरावट आई है। चूंकि, बिल्डर्स ज्यादा प्रीमियम फ्लैट लॉन्च कर रहे हैं। इस वजह से अपार्टमेंट्स की डिमांड कम हो रही है। अपार्टमेंट की फ्रेश सप्लाई में आई तेजी जेएलएल इंडिया की रिलीज में देश के टॉप-7 शहरों के हाउसिंग मार्केट के डेटा मौजूद हैं। टॉप-7 शहरों में दिल्ली-एनसीआर, मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर), कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे शामिल हैं। इस रिलीज के अनुसार अप्रैल-जून 2024 के दौरान अपार्टमेंट की फ्रेश सप्लाई में 5 फीसदी की तेजी आई है। पिछले साल की पहली तिमाही में यह 151,207 यूनिट्स थी, जो इस तिमाही में 1,59,455 यूनिट्स हो गई है। इस डेटा में केवल अपार्टमेंट शामिल हैं। इस विश्लेषण में रोहाउस, विला और प्लॉट का डेवल्पमंट शामिल नहीं है। किस अपार्टमेंट का कितना है फ्रेश सप्लाई चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में किफायती फ्लैटों की फ्रेश सप्लाई 21 प्रतिशत कम हुई है। 50 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये की कीमत वाले हर फ्लैट की लॉन्चिंग में इस साल 14 फीसदी की गिरावट आई। 1 से 3 करोड़ रुपये वाले फ्लैट के फ्रेश सप्लाई में 3 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। 3 से 5 करोड़ रुपये वाले अपार्टमेंट्स की ग्रोथ डबल हो गई है। पिछले साल इनके आंकड़ें 7,149 थे जो पहली तिमाही में 19,202 यूनिट हो गए। 5 करोड़ रुपये के कैटेगरी वाले अपार्टमेंट्स में दो गुना बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल यह 4,510 यूनिट थे जो इस साल 9,734 यूनिट हो गए। अप्रैल-जून 2024 के दौरान टॉप-7 शहरों में अपार्टमेंट की बिक्री 22 फीसदी बढ़ी है। एक साल पहले की अवधि में यह 126,587 इकाई थी जो जून तक 154,921 इकाई हो गई।

सोने और चांदी की कीमतों में नरमी आई

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में नरमी आई है। दोनो ही कीमती धातुओं के वायदा कारोबार में कमजोरी दर्ज की गयी। दोनों के ही वायदा भाव में खुलते ही गिरावट दर्ज की गयी। कुछ समय बाद ही सोने के वायदा भाव 73,250 रुपये के करीब जबकि चांदी के वायदा भाव 93,800 रुपये के आसपास कारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत फीकी रही जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत अच्छी रही। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध 107 रुपये की टूटकर 73,204 रुपये के भाव पर खुला। यह अनुबंध 71 रुपये नीचे आकर 73,240 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 73,246 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 73,173 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव इस साल 74,442 रुपये के शीर्ष स्तर पर पहुंचे थे। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज अच्छी नहीं रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर अनुबुंध 179 रुपये की गिरावट के साथ ही 94,011 रुपये पर खुला। वहीं चांदी के वायदा भाव 96,493 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत अच्छी नहीं रही। चांदी के वायदा भाव तेज शुरुआत के बाद नीचे आने लगे। कामेक्स पर सोना 2421 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,421.90 डॉलर प्रति औंस था। कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.72 डॉलर के भाव पर खुले। पिछली बार ये 31.67 डॉलर पर बंद हुए थे।

अडाणी विल्मर खरीदेगा ओमकार केमिकल्स इंडस्ट्रीज की 67 प्रतिशत हिस्सेदारी, 56 करोड़ में हुई डील

नई दिल्ली,12 जुलाई (एजेंसियां)। खाद्य तेल की प्रमुख कंपनी अदाणी विल्मर एलटीडी की ओर से 56 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर ओमकार केमिकल्स इंडस्ट्रीज की 67 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी जाएगी। अदाणी विल्मर के मुख्य परिचालन अधिकारी सौमिन शेठ ने कहा कि इस अधिग्रहण के माध्यम से अदाणी विल्मर तुरंत एक प्रोडक्शन फुटप्रिंट और क्षमताएं स्थापित करेगा।

3-4 महीनों में पूरा होगा अधिग्रहण

एक विनियामक फाइलिंग में अदाणी विल्मर ने कहा कि उसने एक विशेष केमिकल कंपनी, ओमकार केमिकल्स इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड में 67 प्रतिशत की बहुमत हिस्सेदारी लेने के लिए शेयर सदस्यता और शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उम्मीद है कि 56.25 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर होने वाला ये अधिग्रहण 3-4 महीनों के भीतर पूरा हो जाएगा।

ओमकार केमिकल्स

ओमकार केमिकल्स गुजरात के पनोली में एक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट चलाता है, जिसकी वार्षिक क्षमता लगभग 20,000 टन सर्फेक्टेंट की है और अन्य उत्पादों के लिए क्षमता में और वृद्धि कर रहा है। विशेष रसायन बाजार घरेलू और व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों, खाद्य योजक, प्लास्टिक और पॉलिमर, कृषि रसायन, और स्नेहक और पेट्रोकेमिकल्स जैसे विविध क्षेत्रों में एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

अदाणी विल्मर

अदाणी विल्मर, अदाणी ग्रुप और सिंगापुर के विल्मर समूह के बीच एक संयुक्त उद्यम है, जो भारत में सबसे बड़ी उपभोक्ता खाद्य स्नस्ष्टत्न कंपनियों में से एक है। कंपनी के पास एक बड़ा प्रोडक्ट पोर्टफोलियो है। इसमें खाद्य तेल, गेहूं का आटा, चावल, दालें, चना आटा (बेसन) और चीनी सहित अधिकांश प्राथमिक रसोई की आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अब हर...

देश में करीब 21 महीने तक आपातकाल लगा रहा था।

सरकार के इस फैसले को विपक्ष के लोकसभा चुनाव और उसके बाद मोदी सरकार की ओर से संविधान खत्म करने की बनाई जा रही धारणा का जवाब माना जा रहा है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन ने मोदी सरकार के तीसरी बार सत्ता में आने पर संविधान और आरक्षण खत्म करने के लगातार आरोप लगाए गए। इन आरोपों के चलते भाजपा को चुनाव में काफी नुकसान उठाना पड़ा।

रक्षा क्षेत्र की...

इसका उद्देश्य खुफिया, निगरानी और टोही (आईएसआर) तथा समुद्री डोमेन जागरूकता (एमडीए) है। यह परियोजना पुणे की सागर डिफेंस इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड को दी गई है। लम्बी दूरी का रिमोट चालित वाहन दोहरे उपयोग वाली प्रणालियां पानी के नीचे की वस्तुओं का पता लगाने, उन्हें वर्गीकृत करने, उनका स्थान निर्धारित करने और उन्हें निष्क्रिय करने में सक्षम होंगी। इस परियोजना का काम कोच्चि के स्टार्टअप आईआरओवी टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया है। विमान के लिए आईस डिटेक्शन सेंसर के विकास की परियोजना का उद्देश्य उड़ान के दौरान बर्फ जमने की स्थिति का पता लगाना है, जो सुपर कूल्ड पानी की बूंदों के कारण विमान की बाहरी सतहों से टकराने के बाद जम जाती है। इन्हें विमान में एंटी-आइसिंग मैकेनिज्म को चालू करने के लिए उपयोग किया जाता है। यह परियोजना बेंगलुरु की कंपनी क्राफ्ट लॉजिक लैब्स प्राइवेट लिमिटेड को दी गई है। एक्टिव एंटीना ऐरे सिम्युलेटर के साथ रडार सिग्नल प्रोसेसर के विकास का काम चेन्नई की फर्म डेटा पैटर्न (इंडिया) लिमिटेड को दिया गया है। यह परियोजना छोटी दूरी की हवाई हथियार प्रणालियों के परीक्षण और मूल्यांकन के लिए विविध लक्ष्य प्रणाली की तैनाती को सक्षम बनाएगी। यह बड़ी रडार प्रणालियों के लिए बुनियादी निर्माण ब्लॉक के रूप में कार्य करेगी। भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट प्रणाली आधारित समय अधिग्रहण और प्रसार प्रणाली का विकास बेंगलुरु की एकॉर्ड सॉफ्टवेयर एंड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड करेगी। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य समय अधिग्रहण और प्रसार प्रणाली के स्वदेशीकरण को सक्षम करना, समय प्राप्त करने के लिए भारतीय नक्षत्र का उपयोग करना तथा रेंज आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित एवं लचीली समय प्रणाली का विकास करना है। ग्राफीन आधारित स्मार्ट और ई-टेक्सटाइल के विकास का काम कोयंबटूर के स्टार्टअप एलोहाटेक प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया है। यह ग्रेफीन नैनोमटेरियल और कंडक्टिव स्याही का उपयोग करके कंडक्टिव यार्न और फैब्रिक बनाने की प्रक्रिया विकसित करेगी। इसका परिणाम उन्नत नैनोकंपोजिट सामग्री-आधारित ई-टेक्सटाइल होगा, जिसमें व्यावहारिक कपड़ों के अनुप्रयोगों के लिए बुनियादी लाभों का उपयोग किया जाएगा।

प्रधानमंत्री प्रचंड...

ओली ने इसी के साथ नई सरकार के लिए भी विपक्षी पार्टी नेपाली कांग्रेस से समझौता कर लिया है। जल्द ही नेपाल में ओली की अगुवाई वाली सरकार बनने के कयास लगाए जा रहे हैं। बताया गया है कि केपी शर्मा ओली पहले डेढ़ साल तक प्रधानमंत्री रहेंगे और इसके बाद नेपाली कांग्रेस के मुखिया शेर बहादुर देउबा प्रधानमंत्री बनाए जाएंगे। इसके अलावा आपस में कई मंत्रालयों और सत्ता का बंटवारा किया जाएगा। यह भी बताया जा रहा है कि ओली और दहल के बीच बात बिगड़ने का कारण प्रचंड सरकार द्वारा हाल ही में पेश किया गया बजट रहा। इसके अलावा नेपाल के सिक्योरिटी बोर्ड के मुखिया की नियुक्ति इस गठबंधन के टूटने की सबसे बड़ी वजह रही। इसी कारण से ओली ने कांग्रेस के साथ अपनी नजदीकियां बढ़ा लीं।

गौरतलब है कि नेपाल की आंतरिक राजनीतिक वर्ष 2008 में राजशाही के पूर्णतया खत्म होने के बाद अस्थिर ही रही है। वर्ष 2008 से 2024 के बीच नेपाल में 13 बार प्रधानमंत्री बदल चुके हैं। इस बीच नेपाल के संविधान में भी बदलाव हुए हैं। प्रचंड की सरकार गिरने के बाद पुनः संविधान में संशोधन की बात हो रही है। नेपाल की इस राजनीतिक हलचल का भारत पर क्या असर होगा, यह आने वाले समय में पता चलेगा। जहां पहले प्रचंड को प्रबल चीन समर्थक माना जाता था, वहीं हालिया दिनों में वह भारत के करीब आते नजर आए थे। वह भारत दौरे में मंदिरों में भी गए थे। दूसरी तरफ ओली का कार्यकाल भारत और नेपाल के रिश्तों के बीच तल्खी वाला रहा था। ओली कार्यकाल के दौरान नेपाल ने भारतीय इलाकों को अपने नक़्शे में दिखाना चालू कर दिया था, जिसके बाद विवाद हुआ था।

आंध्र के पूर्व सीएम जगन...

उन्होंने आरोप लगाया है कि पुलिस ने उनका मोबाइल ले लिया और उसे जबरदस्ती खुलवाया। इसके अलावा उन्हें जान से मारने की धमकी भी पुलिस अधिकारियों ने दी।

अब इस शिकायत के आधार पुलिस अधिकारियों के साथ ही पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी को आरोपी बनाते हुए पुलिस ने मामला दर्ज किया है। इस एफआईआर में हत्या के प्रयास, षड्यंत्र रचने, मारपीट समेत कई धाराएं लगाई गई हैं। गौरतलब है कि राम कृष्ण राजू 2018 में भाजपा छोड़ कर वाईएसआर कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए थे। 2019 लोकसभा चुनाव में राजू को वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने नरसापुरम लोकसभा सीट से टिकट दिया था। वह यह सीट टीडीपी उम्मीदवार को हरा कर जीत भी गए थे। हालांकि सांसद बनने के बाद उनके रिश्ते वाईएसआर कांग्रेस पार्टी और जगन मोहन रेड्डी से बिगड़ गए।उनके कुछ बयान भी सामने आए थे जहां उन्होंने वाईएसआर कांग्रेस पार्टी मुखिया की आलोचना की थी। इसके बाद उनके खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज कर उन्हें मई 2021 में गिरफ्तार कर लिया गया था। उन्होंने अपनी गिरफ्तारी के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी, जहाँ से उन्हें जमानत मिली थी।

दस साल में...

1981-82 के बाद पिछले वर्ष लगभग 2.5 गुना अधिक संख्या में रोजगार के अवसर उपलब्ध हुए।इससे पहले 2022-23 में लगभग 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। एसबीआई ने भी एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें कहा गया है कि 2014-2023 के बीच 12.5 करोड़ नौकरियां पैदा हुई हैं। 2004-2014 तक यह संख्या सिर्फ 2.90 करोड़ थी, यह यूपीए शासन के 10 वर्षों में थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में बैंक की हालत मजबूत हुई है।

एनपीए की रिकवरी हो रही है। बैंक की हालत मजबूत होने के साथ वे लोन देने में सक्षम हैं। क्रेडिट वैल्यूशन के आधार पर लोन मिलता है। इससे समझ में आता है कि निजी निवेश को बढ़ाने के लिए स्थितियां अनुकूल हो गई हैं। उन्होंने कहा कि लोगों की संख्या भी एमएसएमई के उद्यम पंजीकरण पोर्टल पर कुल 20 करोड़ हैं। अर्थव्यवस्था वर्तमान में 7.5 प्रतिशत और 8 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ रही है। अगले 2-3 वर्षों में हम 3.9 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था से 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं।

ईडी मामले में दे ...

ईडी से जवाब मांगा था। दिल्ली हाईकोर्ट ने अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को बरकरार रखते हुए कहा था कि इसमें कोई अवैधता नहीं है और जांच में उनके शामिल होने से बार-बार इनकार करने के बाद ईडी के पास कोई विकल्प नहीं बचा था।

उल्लेखनीय है कि केजरीवाल को ईडी ने धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) मामले में 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। उन्हें एक निचली अदालत ने एक लाख रुपए के निजी मुचलके पर मामले में 20 जून को जमानत दी थी। हालांकि, ईडी ने अगले दिन दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया था। ईडी ने दलील दी थी कि केजरीवाल को जमानत देने का निचली अदालत का आदेश एकतरफा और गलत था। तब हाईकोर्ट ने निचली अदालत के जमानत आदेश को खारिज कर दिया था। केजरीवाल को कथित आबकारी नीति घोटाले से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में 26 जून को सीबीआई ने भी गिरफ्तार किया था। दूसरी तरफ सीबीआई द्वारा दर्ज मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 25 जुलाई तक बढ़ा दी है। सीबीआई ने आज केजरीवाल को कोर्ट में पेश किया था।

चुनावी गारंटी पर...

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार की यह गारंटियां बजट का एक बड़ा हिस्सा ले जा रही हैं। इससे बाकी के विकास कामों के लिए पैसा नहीं बच रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में इन पांच चुनावी गारंटियों पर 39,825 करोड़ का खर्चा किया गया था। यह कर्नाटक के 2023-24 के बजट का लगभग 17 प्रतिशत था। वित्त वर्ष 2024-25 में गारंटियों का यह खर्चा और बढ़ गया है। 2023-24 के मुकाबले इसमें लगभग एक तिहाई की वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पेश किए गए बजट में कर्नाटक ने इन पांच चुनावी गारंटियों पर 52,000 करोड़ खर्च करने की योजना बनाई है। राज्य की कई अन्य योजनाओं का असर इस खर्च के कारण पड़ रहा है।

जुलाई 2023 में ही कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी अपने विधायकों से स्पष्ट कर दिया था कि उन्हें कोई भी फंड नहीं दिए जाएंगे और पूरा फोकस गारंटियों को पूरा करने पर लगाया जाएगा। भाजपा ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया है कि वह राज्य के विकास का सारा पैसा अपने चुनावी वादे पूरे करने में फूँक रही है जिससे राज्य पिछड़ रहा है। 2023 में विधानसभा चुनाव जीतने के लिए कांग्रेस ने पाँच गारंटी दी थी। इन्हें रेवड़ी कहा गया था। कांग्रेस ने 2023 विधानसभा चुनाव में वादा किया था कि सत्ता में आने पर वह हर घर को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देगी। इसे गृह ज्योति योजना का नाम दिया गया था। इसके अलावा गृह लक्ष्मी नाम की योजना का भी एक वादा किया गया था। इसके अंतर्गत कांग्रेस ने वादा किया था कि वह राज्य की महिलाओं को 2000 प्रतिमाह देगी।

कांग्रेस ने कर्नाटक की आर्थिक स्थिति और मुफ्त सुविधाओं के वादों से अर्थव्यस्था पर पड़ने वाले बोझ को दरकिनार करते हुए हर परिवार को 10 किलो अनाज देने का भी वादा किया था, इसे अन्न भाग्य योजना का नाम दिया गया था।

कांग्रेस ने राज्य में महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा का भी वादा किया था। इसके अलावा राज्य के बेरोजगार युवाओं को भी 1500 देने की बात कही गई थी। इनमें से कुछ योजनाएं पूरी तरह से लागू कर दी गई हैं तो कुछ को आंशिक रूप से लागू किया गया है। कांग्रेस के इन रेवड़ी वादों का असर अब राज्य के खजाने पर दिख रहा है और वह राजस्व बढ़ाने के लिए नई-नई जुगत भिड़ा रही है। वह राज्य की आम जनता को अब नए कर और बढ़े करों से लादना चाह रही है। साथ ही वह कमाई के नए जुगाड़ भी लगा रही है।

अग्निवीर के लिए...

ना सिर्फ उन्हें 10 प्रतिशत आरक्षण बल्कि उन्हें आयु सीमा में भी छूट दी जाएगी। उन्होंने बताया कि 2026-27 में जो अग्निवीर सेना से सेवा पूरी करके आएंगे उन्हें 5 वर्ष की छूट मिलेगी और इसके बाद के बैच को 3 वर्ष की छूट मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि आरपीएफ भर्ती में पूर्व अग्निवीरों को कोई भी शारीरिक मापदंड का टेस्ट नहीं देना होगा।

सीआईएसएफ की डायरेक्टर जनरल नीना गुप्ता ने कहा, सीआईएसएफ ने पूर्व अग्निवीरों की सीआईएसएफ में भर्ती हेतु सभी तैयारियां कर ली हैं। इसके अंतर्गत सीआईएसएफ में कॉन्स्टेबल के 10 प्रतिशत पद अग्निवीरों के लिए भर्ती किए गए हैं। इसके अलावा उन्हें शारीरिक परीक्षण और आयु सीमा में छूट प्रदान की गई है। इससे सीआईएसएफ के ऑपरेशन में भी बेहतरी आएगी।

बीएसएफ के डायरेक्टर जनरल नितिन अग्रवाल ने बताया, अग्निवीरों ने 4 साल मेहनत मशक्कत की होगी, ऐसे में वे बीएसएफ के लिए एकदम अनुरूप होंगे। हमें तैयार सैनिक मिलेंगे, ऐसे में इन्हें हम जल्दी बीएसएफ में तैनात कर सकेंगे। जैसे ही अग्निवीर आते हैं, हम इनकी भर्ती करेंगे। जितनी हमारी भर्तियां होंगी, उसमें 10 प्रतिशत पद आरक्षित होंगी और आयु की छूट होगी।

गौरतलब है कि अग्निवीरों को सेना में 4 वर्ष के लिए भर्ती किया जा रहा है। सेना में भर्ती होंगे वाले अग्निवीरों में से 25 प्रतिशत को 4 साल के बाद भी सेवा देने के लिए रखा जाएगा जबकि बाकियों को अन्य फायदों के साथ सेवानिवृत्त कर दिया जाएगा।

सरकार ने इन अग्निवीरों के कल्याण के लिए ही केंद्रीय सुरक्षाबलों में आरक्षण का यह फार्मूला 2022 में लागू किया था। अब इस पर अमल किया जा रहा है।

24 को गजानन संकष्टी चतुर्थी

भगवान गणेश की पूजा के लिए चतुर्थी तिथि का व्रत सबसे उत्तम माना जाता है। इस साल सावन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को गजानन संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखा जाएगा। इस दिन बप्पा की विधिपूर्वक पूजा करनी चाहिए। प्रति माह संकष्टी चतुर्थी का उपवास रखा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो साधक इस व्रत का पालन करते हैं, उन्हें सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। इस बार गजानन संकष्टी चतुर्थी का व्रत 24 जुलाई को रखा जाएगा, तो चलिए इससे जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातों को जानते हैं।

गजानन संकष्टी चतुर्थी

हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 24 जुलाई को सुबह 07 बजकर 30 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन अगले दिन 25 जुलाई को सुबह 04 बजकर 19 मिनट पर होगा। सनातन धर्म में उदया तिथि मान्य है, इसलिए 24 जुलाई को गजानन संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखा जाएगा।

पूजा विधि

सुबह उठकर पवित्र स्नान करें। एक वेदी को सजाएं और उसपर भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करें। विधि अनुसार, उनका अभिषेक करें। इसके बाद उन्हें पीले फूलों की माला अर्पित करें। कुमकुम का तिलक लगाएं। घर पर बनी मिठाई, मोदक, आदि चीजों का भोग लगाएं। दुर्वा घास अवश्य अर्पित करें। बप्पा के वैदिक मंत्रों का जाप करें। गणपति चालीसा का पाठ करें। आरती से पूजा को समाप्त करें। पूजा में हुई गलती के लिए क्षमा मांगे। पूजा में तुलसी का उपयोग गलती से भी न करें। तामसिक चीजों से दूर रहें।

इस दिन रखा जाएगा जया पार्वती व्रत, ऐसे करें इसकी पूजा

सनातन धर्म में जया पार्वती व्रत बेहद पुण्यदायी माना जाता है। इसे गौरी व्रत के नाम से भी जाना जाता है। हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर यह व्रत रखा जाता है। इसे अविवाहित महिलाएं मनचाहे वर की कामना के लिए रखती हैं और विवाहित महिलाएं अखंड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए रखती हैं। इस उपवास को लेकर ऐसी मान्यता है कि यह व्रत करने से सुख-समृद्धि की प्राप्ति के साथ विवाह से जुड़ी सभी समस्याओं का अंत होता है। इस साल यह व्रत 19 जुलाई को रखा जाएगा।

जया पार्वती व्रत का शुभ मुहूर्त

जया पार्वती व्रत त्रयोदशी तिथि के दिन मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत 18 जुलाई को रात 08 बजकर 44 मिनट पर होगी। इसके साथ ही त्रयोदशी तिथि की समाप्ति 19 जुलाई को शाम 07 बजकर 41 मिनट पर होगी। पंचांग को देखते हुए इस साल जया पार्वती व्रत 19 जुलाई, शुक्रवार के दिन रखा जाएगा।

ऐसे करें जया पार्वती व्रत की पूजा

इस दिन देवी पार्वती और भगवान शिव की पूजा का खास महत्व है। ऐसे में सबसे पहले उठकर पवित्र स्नान करें। उनकी प्रतिमा को गंगाजल से साफ करें। फिर सफेद चंदन और कुमकुम से उनका तिलक करें। उनके समक्ष देसी घी का दीया जलाएं। सफेद और लाल फूलों की माला अर्पित करें। ऋतु फल और खीर का भोग लगाएं।

माता पार्वती को शृंगार की सामग्री जैसे- साड़ी, सिन्दूर, मेहंदी, चूड़ियां और हल्दी आदि चीजें अर्पित करें। कुंवारी कन्याएं देवी पार्वती को सिन्दूर चढ़ाएं, इससे उन्हें मनवांछित वर की प्राप्ति होगी। पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ वैदिक मंत्रों का जाप करें। फिर भाव के साथ आरती करें। जरूरतमंदों को भोजन खिलाएं और दक्षिणा प्रदान करें।

जया पार्वती व्रत पूजन मंत्र

* ॐ महागौरी नमः।
* देहि सौभाग्यमारोग्यं देहि मे परमं सुखम्।
रूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषो जहि।।

घर को बुरी नजर से बचाता है ये राक्षस

देवताओं के समान मिला हुआ है दर्जा

हिंदू धर्म में देवी-देवता की पूजा का विशेष महत्व माना गया है। हर व्यक्ति अपने आराध्य देव की पूजा-अर्चना करता है, ताकि उसके घर में सुख-समृद्धि का वास बना रहे। वहीं इसके विपरीत राक्षसों को नकारात्मक दृष्टि से देखा जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक ऐसा राक्षस भी है जिसे देवी-देवताओं के समान ही दर्जा दिया जाता है। साथ ही यह भी माना जाता है कि यह राक्षस आपके परिवार की किसी भी प्रकार की नकारात्मकता से बचाव करता है।

क्रोधित हो गए महादेव

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार भगवान शिव ध्यान में लीन थे। तब राहु, जो अपनी शक्तियों के घमंड में चूर था, उसने ने महादेव के सिर पर विराजमान चंद्रमा को ग्रहण लगा दिया। शिव जी यह देखकर बहुत ही क्रोधित हुए और गुस्से में उन्होंने अपनी तीसरी आंख खोल दी। तब महादेव ने राहु को मारने के लिए कीर्तिमुख की उत्पत्ति की।

महादेव ने कीर्तिमुख को राहु को खाने का आदेश दिया। यह बात सुनकर कीर्तिमुख राहु के पीछे दौड़ पड़ा। यह देखकर राहु महादेव के पैरों में गिर पड़ा और अपनी गलती के लिए क्षमा मांगने लगा। इससे महादेव को उसपर दया आ गई और उन्हें राहु को क्षमा कर दिया। इसके बाद भगवान शिव पुनः ध्यान करने बैठ गए। लेकिन कीर्तिमुख ने भगवान से कहा कि मैं भूखा हूं और अब मैं किसे खाऊं। भगवान शिव ने ध्यान में ही कह दिया कि तुम स्वयं को ही खा लो।

भगवान शिव ने दिया ये आशीर्वाद

तब कीर्तिमुख ने ऐसे ही किया और वह खुद को खाने लगा। तब महादेव का ध्यान टूटा, तो उन्होंने देखा कि कीर्तिमुख ने अपने आप को खा रहा है और उसका केवल मुख और दो हाथ ही शेष बचे हैं। यह देखकर भगवान शिव प्रसन्न हुए कि किस प्रकार उसने महादेव की बात को माना। तब शिव शंकर ने उसे वरदान दिया कि जहां तुम विराजमान हो जाओगे वहां किसी भी प्रकार की नकारात्मकता का वास नहीं होगा।

साल का दूसरा चंद्र ग्रहण 18 सितंबर को

भारत में दिखेगा या नहीं?

सूर्य ग्रहण या चंद्र ग्रहण लगाना खगोलीय घटना है और इसका पूरे ब्रह्मांड पर असर देखा जाता है। इस साल पहले ही 25 मार्च को एक चंद्र ग्रहण लग चुका है और साल का दूसरा चंद्र ग्रहण भी जल्द ही लगने वाला है। वैज्ञानिकों के अनुसार, जब सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा एक साथ सीधी रेखा में आ जाते हैं तो पृथ्वी की वजह से सूर्य का प्रकाश चंद्रमा तक नहीं पहुंचता है और तब चंद्र ग्रहण लगता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस चंद्र ग्रहण का प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है और चंद्र ग्रहण से पहले सूतक काल में भी विशेष ध्यान रखने की जरूरत होती है। यहां जानिए साल का दूसरा चंद्र ग्रहण कब लगेगा, इसका सूतक काल कब लगेगा और भारत में यह दिखेगा या नहीं।

साल का दूसरा चंद्र ग्रहण 18 सितंबर 2024 को लगने जा रहा है। इस चंद्र ग्रहण को भारत से देखा जा सकता है। भारत में यह चंद्र ग्रहण सुबह 6:11 से शुरू होकर सुबह 10:17 तक रहेगा जिसकी कुल अवधि 4 घंटे 6 मिनट की है। चंद्र ग्रहण से 12 घंटे पहले से सूतक काल शुरू हो जाता है। धार्मिक मान्यतानुसार इस दौरान आपको मंदिर के पट बंद कर देने चाहिए, जल, दूध या खाने के अन्य सामान में तुलसी का पत्ता डालकर रख देना चाहिए और ग्रहण के दौरान अपने इष्ट की आराधना करनी चाहिए।

कहां-कहां देखा जा सकता है यह ग्रहण

यह चंद्र ग्रहण यूरोप, एशिया, अफ्रीका, उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका, प्रशांत, अटलांटिक, हिंद महासागर, आर्कटिक और अंटार्कटिका में नजर आएगा। भारत में यह चंद्र ग्रहण पूर्ण नहीं होगा, आंशिक रूप से इसकी झलक देखी जाएगी जोकि महाराष्ट्र, मुंबई सहित पश्चिमी शहरों में दिखेगा।

क्या होता है आंशिक चंद्र ग्रहण

चंद्र ग्रहण तीन प्रकार के होते हैं पूर्ण चंद्र ग्रहण, आंशिक चंद्र ग्रहण और उपच्छाया चंद्रग्रहण। 28 सितंबर को लगने वाला चंद्र ग्रहण आंशिक चंद्र ग्रहण होगा, यानी कि जब चंद्रमा का केवल एक भाग पृथ्वी की छाया में आता है।

ऐसे में मान्यतानुसार आंशिक चंद्र ग्रहण पर भी आपको घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए, खासकर गर्भवती महिलाओं को आंशिक चंद्र ग्रहण के दौरान भी विशेष ध्यान रखने की जरूरत होती है।

कैसे भगवान कृष्ण ने की थीं अभिमन्यु पुत्र की रक्षा? जानें इसके पीछे की पौराणिक कथा

महाभारत का युद्ध आज भी लोगों के लिए एक सीख की तरह काम करता है। ऐसा कहा जाता है कि उस दौरान हुई हर घटना का अर्थ आने वाले कल के लिए एक प्रत्यक्ष उदाहरण की तरह है। अगर जब कभी महाभारत काल की चर्चा होती है या कथा पढ़ी जाती है, तो लोगों के मन में अर्जुन पुत्र अभिमन्यु का नाम अवश्य आता है, जिन्होंने अपनी बहादुरी से कुरु वंश का सामना किया था।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, अभिमन्यु का वध चक्रव्यूह में घुसने के कारण हुआ था, जिससे निकलना सिर्फ श्रीकृष्ण और उनके पिता अर्जुन को ही आता था। वहीं, आज हम वीर अभिमन्यु के पुत्र की रक्षा भगवान कृष्ण ने कैसे की थी इसके बारे में जानेंगे, जो इस प्रकार

ऐसे भगवान कृष्ण ने अभिमन्यु पुत्र को किया था जीवित

आपको बता दें, उत्तरा और अभिमन्यु के पुत्र राजा परीक्षित पांडवों के एकमात्र उत्तराधिकारी थे। ग्रंथों और पौराणिक कथाओं के अनुसार, अश्वत्थामा ने ब्रह्मास्त्र चलाकर उत्तरा के गर्भ में पल रहे शिशु यानी अभिमन्यु के बेटे को मारने की कोशिश की थी।हालांकि उसके इस प्रयास को भगवान कृष्ण ने निरर्थक साबित कर दिया था। दरअसल, मुरलीधर ने ब्रह्मास्त्र के प्रभाव को बेअसर कर दिया और अपनी पूर्ण शक्तियों का प्रयोग कर उस शिशु को जीवनदान दिया।

राजा परीक्षित की मृत्यु के बाद हुई थी कलयुग की शुरुआत

बता दें, पांडवों के बाद राजा परीक्षित को हस्तिनापुर का सिंहासन मिला था, जिन्होंने न्यायपूर्ण उस राज्य पर शासन किया और शांति की स्थापना की। ऐसा कहा जाता है कि एक श्राप के कारण राजा परीक्षित की सांप डसने से मृत्यु हुई थी। वहीं, उनकी मृत्यु के बाद से ही कलयुग की शुरुआत हुई थी।

गुरु पूर्णिमा के दिन क्या करते हैं

इस दिन पूजा, दान और आशीर्वाद का कितना धार्मिक महत्व है

हिंदू धर्म में गुरु को ईश्वर के समान दर्जा दिया गया है। गुरु के आशीर्वाद से जीवन तर जाता है, व्यक्ति करियर में हर सुख, सफलता को प्राप्त करता है। गुरु के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए आषाढ़ माह की पूर्णिमा का दिन सर्व श्रेष्ठ माना गया है।

इसे गुरु पूर्णिमा भी कहते हैं। आषाढ़ पूर्णिमा के दिन ही वेदों के रचयिता महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था। गुरु पूर्णिमा पर स्नान-दान के अलावा लोग अपने-अपने गुरुजन का आशीर्वाद लेकर दान पुण्य करते हैं। इससे जीवन सुखमय बनता है। जानें इस साल गुरु पूर्णिमा 20 या 21 जुलाई कब है ?

आषाढ़ पूर्णिमा तिथि 20 जुलाई को शाम 5.59 पर शुरू होगी और अगले दिन 21 जुलाई को दोपहर 03।46 पर इसका समापन होगा। उदयातिथि के अनुसार गुरु पूर्णिमा 21 जुलाई को मान्य होगी।

गुरु पूर्णिमा मुहूर्त

स्नान मुहूर्त - सुबह 04.4 - सुबह 04.55
पूजा मुहूर्त - सुबह 07.19 - दोपहर 12.27
लक्ष्मी जी पूजा मुहूर्त - प्रात: 12.07 - प्रात: 12.48
चंद्रोदय समय - रात 07.38

गुरु पूर्णिमा का वेद व्यास जी से संबंध

सबसे पहले वेदों की शिक्षा महर्षि वेदव्यास ने ही दी थी इसलिए हिन्दू धर्म में उन्हें प्रथम गुरु का दर्जा दिया गया है। यही वजह है कि गुरु पूर्णिमा पर वेद व्यास जी की पूजा करने का महत्व है। मान्यता है इससे जीवन में खुशहाली और तरक्की मिलती है।

गुरु पूर्णिमा पर दान-पूजा का महत्व

गुरु पूर्णिमा पर विष्णु जी, वेद व्यास जी, अपने गुरु की पूजा करना, चने की दाल, पीली मिठाई या पीले वस्त्र दान करना, केसर तिलक लगाना, गीता का पाठ करना। लक्ष्मी नारायण मंदिर में नारियल अर्पित करना बहुत शुभ होता है। कहते हैं इससे करियर में उन्नति मिलती है, व्यक्ति हर काम में कामयाब होता है।

सपने में बिल्ली देखने के हो सकते हैं बहुत से अर्थ

कई घरों में लोग बिल्ली पालना पसंद करते हैं। मान्यताओं के अनुसार, बिल्लियों से जुड़े कई शुभ और अशुभ संकेत माने गए हैं। इसी तरह सपने में बिल्ली का आना भी व्यक्ति के लिए एक खास संकेत हो सकता है। स्वप्न शास्त्र में माना गया है कि सपने में बिल्ली के अलग-अलग तरीकों से देखने का अर्थ भी अलग-अलग होता है।

अशुभ हैं ऐसे सपने

अगर आपको सपने में मृत बिल्ली दिखाई देती हैं, तो यह एक अशुभ संकेत के रूप में देखा जाता है। इसका अर्थ यह हो सकता है कि जल्दी ही आपसे आपकी स्वतंत्रता छिनने वाली है या फिर आपका अपने परिवार से विवाद भी हो सकता है। वहीं अगर सपने में आपको बिल्ली अपने ऊपर हमला करती हुई दिखाई देती है, तो ये यह भी एक चिंता का विषय हो सकता है। इसका अर्थ होता है कि आपको अपमानित होना पड़ सकता है।

जीवन में आएंगे अच्छे बदलाव

अगर आप सपने में कभी खुद को बिल्ली को बचाते हुए देखते हैं, तो यह बेहद शुभ सपना माना जाता है। इसका मतलब है कि आपके जीवन में बहुत अच्छे बदलाव आने वाले हैं।

सपने में काली बिल्ली को देखना

स्वप्न शास्त्र में माना गया है कि सपने में काली बिल्ली को देखना एक शुभ संकेत नहीं है। यह इस बात का संकेत हो सकता है कि आप किसी बड़ी समस्या में पड़ सकते है। यह समस्या आपके नौकरी-पेशा जीवन, आर्थिक स्थिति या फिर पारिवारिक रिश्तों से संबंधित हो सकती है।

रावण ने छलपूर्वक पाई थी सोने की लंका विश्वकर्मा ने किया था निर्माण

रावण एक पराक्रमी योद्धा होने के साथ-साथ प्रकांड विद्वान, राजनीतिज्ञ और महाज्ञानी भी था। साथ ही वह सोने की लंका का स्वामी भी था। सोने के लंका का नाम सुनते ही सबसे पहले मन में रावण का ही विचार आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रावण को यह लंका किस प्रकार प्राप्त हुई।

मां पार्वती ने की विनती

एक बार जब माता लक्ष्मी, मां पार्वती जी से भेंट करने के लिए कैलाश पर्वत पर गईं, तो उन्होंने पार्वती जी से कहा कि आप एक राजकुमारी हैं, तो आप किस प्रकार इस कैलाश पर्वत पर अपना जीवन यापन कर रही हैं। इसके बाद माता पार्वती के मन में ही यह विचार आया कि हमारा एक महल होना चाहिए, तब उन्होंने अपने मन की बात शिव जी से कही। तब शिवजी ने पार्वती जी की इस बात को मानते हुए विश्वकर्मा और देव कुबेर को बुलाकर एक सोने का महल बनाने के लिए कहा।

रावण के मन में जागा लालच

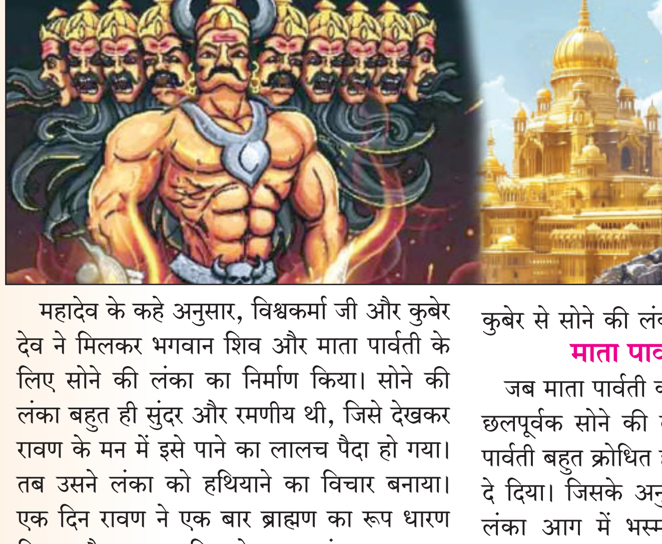

महादेव के कहे अनुसार, विश्वकर्मा जी और कुबेर देव ने मिलकर भगवान शिव और माता पार्वती के लिए सोने की लंका का निर्माण किया। सोने की लंका बहुत ही सुंदर और रमणीय थी, जिसे देखकर रावण के मन में इसे पाने का लालच पैदा हो गया। तब उसने लंका को हथियाने का विचार बनाया। एक दिन रावण ने एक बार ब्राह्मण का रूप धारण किया और भगवान शिव के पास पहुंच गया।

तब रावण ने ब्राह्मण के रूप में भिक्षा के तौर पर सोने की लंका की। हालांकि भगवान शिव ने उसे पहचान लिया था, लेकिन फिर भी शिव जी ने उसकी यह मांग पूरी करते हुए उसे भिक्षा के रूप में सोने की लंका दे दी। एक कथा यह भी है, जिसमें वर्णन मिलता है कि रावण ने अपने सौतेले भाई कुबेर से सोने की लंका को बल पूर्वक छीना था।

माता पार्वती ने दिया श्राप

जब माता पार्वती को यह ज्ञात हुआ कि रावण ने छलपूर्वक सोने की लंका हथिया ली है, तब मां पार्वती बहुत क्रोधित हुईं और उन्होंने रावण को श्राप दे दिया। जिसके अनुसार, एक दिन सोने की पूरी लंका आग में भस्म हो जाएगी। इसी श्राप के अनुसार, हनुमान जी ने पूरी लंका में आग लगा दी थी, जिससे सोने की लंका जल गई।

रवि तेजा की फिल्म मिस्टर बच्चन का पहला सिंगल सितार गाना रिलीज़

निर्देशक हरीश शंकर को संगीत का अच्छा अनुभव है और उनकी अधिकांश फ़िल्में सिनेमाघरों में रिलीज़ होने से पहले ही म्यूज़िकल हिट हो जाती थीं। इसी तरह, मास महाराजा रवि तेजा अभिनीत उनकी नई फ़िल्म मिस्टर बच्चन में भी अलग-अलग शैलियों का एक एल्बम होगा। प्रोमो के साथ टीज़ करने के बाद, निर्माता पहले सिंगल- सितार के लिरिकल के साथ आए हैं।सुब्रमण्यम फ़ॉर सेल और गड्डालकोंडा गणेश के बाद, मिकी जे मेयर ने फिर से हरीश शंकर के साथ मिलकर काम किया है। सितार की आवाज़ से शुरू होने वाला यह गाना जादुई बीट्स के साथ एक बेहतरीन क्लासिकल नंबर है। दो चार्टबस्टर्स केवु केका और

असमिका योग के बाद, हरीश और गीतकार साहिथी की जोड़ी इस गाने के लिए फिर से साथ आई है जिसके बोल मंत्रमुग्ध कर देने वाले हैं।

अर्थ की तरह ही, ट्रैक को दिए गए शब्द भी रत्न हैं, जो साकेत कोमांदुरी और समीरा भारद्वाज की आवाज़ों में शानदार ढंग से चमकते हैं। साथ ही, चारुलता मणि का क्लासिक राग वास्तव में क्लासिकल है। हरीश शंकर ने अपना टच दिया, क्योंकि बैक पॉकेट और हिप मूव्स बहुत आकर्षक थे।रवि तेजा स्टाइलिश पोशाक में युवा और आकर्षक दिखाई दिए, जबकि भाग्यश्री बोरसे एक ग्लैमरस दिवा की तरह दिखीं। दोनों की केमिस्ट्री आकर्षक और शानदार थी। रवि तेजा के नृत्य सुंदर थे, जबकि भाग्यश्री ने अपने आकर्षक मूव्स से मंत्रमुग्ध कर दिया। शेखर मास्टर ने अपनी शानदार कोरियोग्राफी से दृश्यों में भव्यता ला दी।अयंका बोस द्वारा कैप्चर किए गए दृश्य बहुत जीवंत और शानदार थे। उन्होंने कश्मीर घाटी के विदेशी स्थानों को बहुत आकर्षक ढंग से दिखाया। सितार एक त्वरित हिट है और जब हम इसे बड़े पर्दे पर देखेंगे तो यह गीत और भी आकर्षक लगेगा।फिल्म में जगपति बाबू और सचिन खेडेकर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। टीजी विश्व प्रसाद पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले इस परियोजना को बड़े पैमाने पर वित्तपोषित कर रहे हैं। विवेक कुचिभोटला सह-निर्माता हैं। नाम तो सुना होगा फिल्म की टैगलाइन है। ब्रह्मा कदली कला निर्देशक हैं और उज्ज्वल कुलकर्णी संपादक हैं। नर्माता जल्द ही फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा करेंगे।

रेड आउटफिट में सोफी चौधरी ने ढाया कहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस और सिंगर सोफी चौधरी आए दिन अपनी बोल्ड और हॉट फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कर अक्सर फैंस के बीच लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में सोफी चौधरी ने अपने लेटेस्ट गाउन लुक में फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉटनेस भरा अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।एक्ट्रेस सोफी चौधरी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही वायरल होने लगता है।अब हाल ही में सोफी चौधरी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की बोल्ड तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉटनेस भरा अंदाज देखकर लोग दीवाने हो गए हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं।हालांकि इन तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए टू मच हॉट लिखा है। वहीं दूसरे यूजर ने बोल्ड एंड ब्यूटिफुल लिखा है।सोफी चौधरी ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान रेड कलर का गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।कानों में इयररिंग्स, ओपन हेयर को वेवी लुक में स्टाइल कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि एक्ट्रेस सोफी चौधरी जब भी अपना लुक फैंस के बीच शेयर करती हैं तो वो अक्सर इंटरनेट पर ट्रेंड करता है। हालांकि कई लोग उनका स्टाइल फॉलो भी करते हैं।

ईशा मालवीय को बिग बॉस 17 को लेकर होता है पछतावा

बिग बॉस 17 में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस ईशा मालवीय ने खुलासा किया कि उन्हें कंट्रोवर्शियल रियलिटी शो करने को लेकर पछतावा होता है। उन्हें इस बात का पछतावा हैं कि वह उन स्वार्थी लोगों के साथ रहीं, जो सिर्फ उनका इस्तेमाल कर रहे थे।ईशा ने कहा, मुझे कई स्वार्थी लोगों के साथ रहना पड़ा, जो मेरा इस्तेमाल कर रहे थे और मुझे उस समय इसका एहसास तक नहीं हुआ। मुझे इन बातों का पछतावा होता है, लेकिन मुझे बिग बॉस में हिस्सा लेने का कोई पछतावा नहीं है।

मुझे उन लोगों के साथ दोस्ती या रिश्ते बनाने का पछतावा है, जिन्होंने मेरी रिस्पेक्ट नहीं की और न ही मेरी कीमत समझी।उन्होंने कहा कि वह डांस-बेस्ड रियलिटी शो में हिस्सा लेना पसंद करेंगी।ईशा ने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं और ज्यादा रियलिटी शो करूंगी, लेकिन अगर यह डांस से जुड़े है, जैसे झलक दिखला जा, तो मैं हिस्सा लेना पसंद करूंगी। मैं 6 साल की उम्र से ही डांस कर रही हूं, तो क्यों नहीं?बता दें कि ईशा मालवीय ने बिग बॉस 17 के घर में अपने एक्स बॉयफ्रेंड अभिषेक कुमार के साथ एंट्री ली थी। शो में अभिषेक और ईशा के बीच में काफी झगड़े देखने को मिले।

ईशा ने अभिषेक पर फिजिकल वायलेंस के आरोप लगाए, जिन्हें अभिषेक ने खारिज किया।ईशा मालवीय और अभिषेक कुमार दोनों को शो उडारियां में देखा गया था।बिग बॉस 17 में ईशा के बॉयफ्रेंड समर्थ जुरेल ने भी एंट्री ली, इसके बाद शो में काफी कुछ ड्रामा देखने को मिला था। बिग बॉस के घर से बाहर आने के बाद दोनों का ब्रेकअप हो गया।ईशा कई म्यूजिक वीडियो में नजर आईं। ज्योति नूरन के गाने पांव की जुत्ती सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ।

येलो बॉडीकॉन आउटफिट पहन नुसरत भरूचा ने चलाया जादू

एक्ट्रेस नुसरत भरूचा आए दिन अपनी ग्लैमरस अदाओं से फैंस को अपने हुस्न का कायल करती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके स्टनिंग लुक को देखकर तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जिसमें उनका क्लासी अंदाज देखने को मिल रहा है।एक्ट्रेस नुसरत भरूचा अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपने लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं।उनकी हर एक फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचाने लगती है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं।इन तस्वीरों में उनकी कातिलाना अदाओं ने फैंस के दिलों पर खंजर चला दिया है। नुसरत भरूचा ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान येलो कलर की बॉडीकॉन आउटफिट पहना हुआ था।एक्ट्रेस नुसरत भरूचा अपने इस लुक में बेहद ही सिजलिंग और हॉट नजर आ रही हैं।

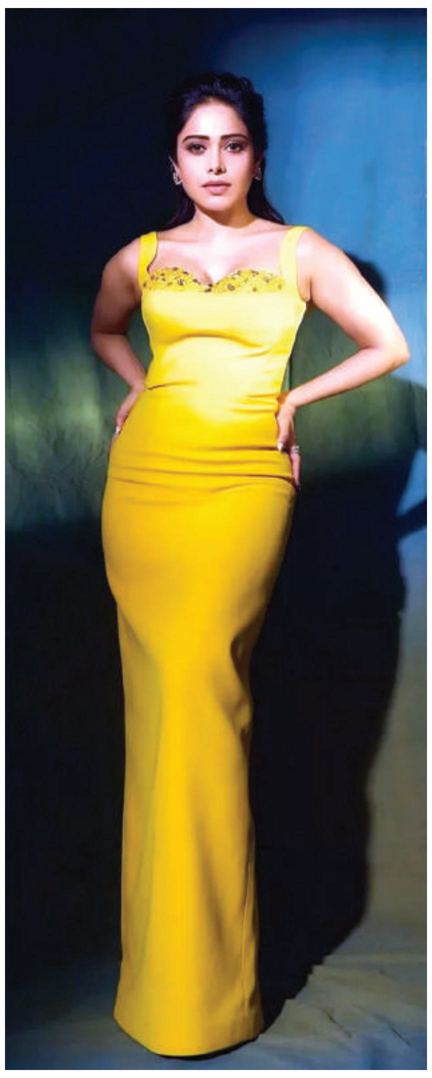

साथ ही फैंस उनके लुक की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।एक यूजर ने एक्ट्रेस की इन फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट। वहीं दूसरे यूजर ने उनके इस लुक पर कॉमेंट किया है- लुकिंग सुपर्ब इन येलो कलर।नुसरत भरूचा ने अपने लुक को और भी ज्यादा खूबसूरत बनाने के लिए बालों को अच्छे लुक में स्टाइल करवाया है। साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को और भी शानदार तरीके से निखारा है।नुसरत भरूचा भले ही इन दिनों किसी फिल्मों में नहीं दिखाई दे रही हो लेकिन वो आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं।

हुमा कुरैशी की नई फिल्म बयान का ऐलान

हुमा कुरैशी को आखिरी बार वेब सीरीज महारानी 3 में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब प्रशंसा हो रही है। इस सीरीज को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर देख सकते हैं।अब हुमा ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम बयान रखा गया है। हुमा के अलावा चंद्रचूड़ सिंह और सचिन खेडेकर भी इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।बयान के निर्देशन की कमान विकास मिश्रा ने संभाली है।शिलादित्य बोरा, मधु शर्मा, कुणाल कुमार और अंशुमान सिंह इस फिल्म के निर्मात हैं, वहीं फिल्म की कहानी विकास ने लिखी है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है।हुमा ने बयान की घोषणा करते हुए लिखा, एक ऐसी फिल्म जिसे लेकर मैं बहुत उत्साहित हूं। फिल्म की शूटिंग शुरू। एक शानदार स्क्रिप्ट, एक प्रतिभाशाली क्रू और अपने काम के प्रति उनका पूर्ण समर्पण।यह फिल्म राजस्थान की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह बाप-बेटी की कहानी है। जिसमें रूही नामक महिला जासूस को राजस्थान के एक छोटे से शहर में लीड इन्वेस्टिगेटर के तौर पर अपने करियर के पहले केस की जांच करने के लिए भेजा जाता है। उसे दिक्कतों का सामना करना पड़ता है क्योंकि सिस्टम पर उसके प्रतिद्वंद्वी प्रभावी हैं।फिल्म में चंद्रचूड़ सिंह, सचिन खेडेकर, अविजित दत्त, शम्पा मंडल, प्रीति शुक्ला, विभोर मयंक और अदिति कंचन सिंह लीड रोल में हैं।फिल्म का निर्देशन बिकास मिश्रा ने किया है।फिल्म के बारे में हुमा ने जानकारी दी। उन्होंने कहा, डायरेक्टर बिकास और प्रोड्यूसर शिलादित्य के पैशन ने मुझे प्रभावित किया। ऐसे डेडिकेटेड प्रोफेशनल्स के साथ काम करना, जो फिल्म मेकिंग के बारे में अच्छी समझ रखते हैं से जुड़ना वाकई एक्साइटिंग है।

विकास मिश्रा करेंगे निर्देशन

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

इच्छाशक्ति की कमी आपको भावनात्मक और मानसिक परेशानियों में फंसा सकती है। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है पारिवारिक सदस्यों की मदद आपकी ज़रूरतों का ख़याल रखेगी। अगर आप खुले दिल से अपनी बात रखें, रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें वह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें एक अरसे से तलाश थी। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जीवन की गाड़ी को अच्छे से चलाना चाहते हैं तो आज आपको पैसे की आवाजाही पर विशेष ध्यान देना होगा। अगर आप अपने आकर्षण और होशियारी का इस्तेमाल करें, तो लोगों से मनचाहा व्यवहार पा सकते हैं। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। आज आप एक ऐसी परियोजना पूरी कर राहत की सांस लेंगे, जिसे आपके बहुत पहले शुरू किया था। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा-शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। जीवनसाथी के साथ वाद-विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता हैं हालात का सामना धैर्य से करना ही अच्छे परिणाम दे सकता है। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ दिलचस्पी पैदा करेगा अचानक आज आप काम से छुट्टी लेने का प्लान बना सकते हैं और अपने परिवार के साथ वक्त बिता सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अनचाहा कोई महमान आज आपके घर आ सकता है पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। जो भी बोलें, सोच-समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भागदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी । भागीदार आपकी योजनाओं और व्यावसायिक ख़यालों के प्रति उत्साही होंगे। आज घर में किसी पार्टी की वजह से आपका कीमती समय बर्बाद हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

दोस्तों के साथ शाम सुखद रहेगी लेकिन ज़्यादा खाने से बचें। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। अपने बच्चों को अपने उदार बर्ताव का बेजा फ़ायदा न उठाने दें। अचानक हुई रोमांटिक मुलाक़ात आपके लिए उलझन पैदा कर सकती है। दूसरे आपसे काफ़ी ज़्यादा समय की मांग कर सकते हैं। उनसे किसी भी तरह का वादा करने से पहले यह देख लें कि आपका काम उससे प्रभावित न हो किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगें

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप महसूस करेंगे कि आस-पास के लोग बहुत ज़्यादा मांग करने वाले हैं। लेकिन जितना आप कर सकते हैं, उससे ज़्यादा करने का वादा न करें और केवल दूसरे को ख़ुश करने के लिए ख़ुद को तनाव से नहीं थकाएँ। अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद आप थकान के चंगुल में फँसने से बचे रहेंगे। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। अपनी बातों पर क़ाबू रखें, क्योंकि इसके चलते बड़े-बुज़ुर्ग आहत महसूस कर सकते हैं। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बेहतर है कि आप शांत रहें। उन्हें महसूस करने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। अपने प्रिय को आज निराश न करें आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। जीवनसाथी की ओर से इससे निबटने में काफ़ी मदद मिलेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सकारात्मक सोच के ज़रिए इस समस्या से निजात पाएँ। वैसे तो अपना पैसा दूसरे को देना किसी को पसंद नहीं आता लेकिन आज आप किसी जरुरतमंद को पैसा देकर सुकून का अनुभव करेंगे। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। अपने प्रिय की बेजा मांग के आगे न झुकें। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ उन लोगों में दिलचस्पी पैदा करेगा, जो आप पर नज़दीकी से ग़ौर करते हैं। पूजा-पाठ का आयोजन घर मे होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। आपका आकर्षक स्वभाव और ख़ुशमिज़ाज व्यक्तित्व नए दोस्त बनाने में आपकी मदद करेगा और आपके सम्पर्क में इज़ाफ़ा करेगा। आप दफ़्तर में माहौल में बेहतरी और कामकाज के स्तर में सुधार को महसूस कर सकते हैं। घर के छोटे सदस्यों के साथ गप्पें लगाकर आज आप अपने खाली समय का अच्छा इस्तेमाल कर सकते हैं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। अगर आप सोचते हैं कि यार दोस्तों के साथ आवश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप गलत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, क्योंकि आपके प्रिय का मूड बहुत अनिश्चित होगा। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक-एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा ।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 13 जुलाई 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी सायं 03:07 तक
नक्षत्र : हस्त रात्रि 07:15 तक
योग : शिव अहोरात्र
करण : वणिज सायं 03:07 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:06 सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:42 , सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा दोपहर 03:06 से रात्रि 04:19 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भाजपा नेता की पीट-पीटकर हत्या

अलवर,12 जुलाई (एजेंसियां)।

अलवर शहर के मुंगसका निवासी भाजपा नेता यासीन खान की पुरानी रंजिश में कुछ लोगों ने नारायणपुर में मारपीट कर हत्या कर दी। जिला पुलिस अधीक्षक आनंद शर्मा ने बताया गुरुवार शाम को अलवर के भाजपा नेता की 15-20 लोगों ने पुरानी रंजिश में बीच सड़क पर लाठी डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

अधीक्षक आनंद शर्मा ने बताया कि हमले में भाजपा नेता यासीन खान बुरी तरह घायल हो गए थे। बदमाशों ने मारपीट कर उनके दोनों पैर तोड़ दिए थे, शरीर पर भी कई गंभीर चोटें आई थीं। गंभीर हाल में उन्हें जयपुर रेफर किया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी अलवर की तरफ भागे हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। मृतक के परिजनों ने पांच लोगों के नामजद समेत अन्य के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। इस पूरे घटनाक्रम में 10 से 12 आरोपी शामिल हैं। जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मृतक के परिवार को सुरक्षा दी गई है। आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। अलवर पुलिस, कोटपूतली बहरोड़ पुलिस और जयपुर रेंज पुलिस इस पूरे मामले में कार्रवाई कर रही है।

जलदाय विभाग के सहायक 10 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

सवाई माधोपुर,12 जुलाई (एजेंसियां)।

सवाई माधोपुर एसीबी ने शुक्रवार को जलदाय विभाग के सहायक कार्यालय में ट्रैप की कार्रवाई को अंजाम दिया। एसीबी की टीम ने कार्यालय में पदस्थ वरिष्ठ सहायक हरिओम गोयल को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंग हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी के एएसपी सुरेंद्र शर्मा के अनुसार रसूलपुरा निवासी परिवादी खुर्शीद खान के पिता इशाक मोहम्मद जलदाय विभाग से रिटायर्ड हुए थे। परिवादी के पिता का पीएल के जमा पैसे पास करवाने और अन्य रिटायर्ड संबंधित कार्यों को करने के लिए आरोपी वरिष्ठ सहायक हरिओम गोयल ने 10 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी।

कांग्रेस विधायक ने विधानसभा में की बंदरों की शिकायत

स्पीकर ने इसे पूरे राज्य की समस्या बताया

जयपुर,12 जुलाई (एजेंसियां)।

राजस्थान विधानसभा में शुक्रवार को बंदरों के आतंक का मुद्दा उठा। कांग्रेस विधायक मनीष यादव ने सदन में नियम 50 के तहत इस विषय को उठाया। इस पर स्पीकर वासुदेव देवनानी ने इसे पूरे राज्य की समस्या बताया। उन्होंने सरकार को निर्देश दिए कि इस मामले में उचित कार्रवाई करे।

टाइगर सेंचुरी सरिस्का के पास स्थित शाहपुरा विधानसभा में बंदरों का आतंक इस कदर बढ़ चुका है कि अब विधानसभा में भी इसकी गूंज सुनाई देने लगी है। शाहपुरा विधायक मनीष यादव ने शुक्रवार को विधानसभा में इस मामले को सदन में उठाया तो चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। उन्होंने सदन को बताया कि इस साल जून तक उनकी विधानसभा में 515 लोगों को बंदर के काटे जाने के कारण एंटी रेबीज के टीके लगाने पड़े हैं। इस पर स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कहा कि बंदर पूरे राज्य की समस्या बन चुके हैं। उन्होंने सरकार को निर्देश दिए कि इस मामले में उचित कार्रवाई की जाए।

यादव ने बताया कि मेरे विधानसभा क्षेत्र शाहपुरा में बंदरों का इतना भयंकर आतंक है कि शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को घर से बाहर निकलने में भी डर लगने लगा है। उन्होंने कहा कि मेरी विधानसभा की हालत यह है कि लोग मेरे पास बिजली-पानी से ज्यादा बंदरों के आतंक के मुद्दे को लेकर आते हैं।

उन्होंने कहा कि कई बार तो बंदर टोलियां बनाकर इतने हिंसक हो जाते हैं कि छीनाझपटी में राह चलते लोग वाहन दुर्घटनाओं के शिकार हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि बंदर फसलों को नुकसान पहुंचा देते हैं, कई लोग इनके हमलों में घरों की छतों से नीचे गिरकर जान गंवा चुके हैं। उन्होंने कहा कि साल 2023 में क्षेत्र के राजकीय अस्पतालों में बंदरों के काटने के कारण 695 लोगों को एंटीरेबीज का टीका लगाया गया था, जबकि वर्ष 2024 में 1 जनवरी से 30 जून तक 516 लोगों को एंटीरेबीज का टीका लगाया जा चुका है, इसी के चलते उन्होंने सदन में यह मुद्दा उठाया।

दो महिला पंचायत सदस्यों का अपहरण

प्रधान इंदिरा के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को लगा बड़ा झटका

झुंझुनू ,12 जुलाई (एजेंसियां)।

राजस्थान के झुंझुनू की चिड़ावा पंचायत समिति की प्रधान इंदिरा डूडी के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को झटका लगा है। इस मामले में बड़ा खेला होने की तैयारी हो गई है। अविश्वास प्रस्ताव की अगुवाई कर रहे पंचायत समिति सदस्य रोहिताश्व धांगड़ के खिलाफ दो महिला सदस्यों के पतियों ने अपने-अपने इलाके के थानों में उनकी पत्नियों का अपहरण करने का केस दर्ज कराया है।

जानकारी के मुताबिक चिड़ावा पंचायत समिति के वार्ड नंबर पांच से निर्दलीय सदस्य सुधा देवी के पति खुडाना निवासी जगदीप कटेवा ने बगड़ थाने में और वार्ड नंबर 17 से भाजपा सदस्य शीला के पति किशोरपुरा निवासी राजेश डारा ने सुलताना थाने में रोहिताश्व धांगड़ के खिलाफ रिपोर्ट दी है। दोनों ने अपनी अपनी रिपोर्ट में बताया है कि छह जुलाई को एक बैठक होने की बात कहकर रोहिताश्व धांगड़ उनकी पत्नियों को घर से ले गया था। जिसके बाद से वे वापस नहीं लौटी हैं और न ही उनसे बातचीत हो पा रही है। रोहिताश्व धांगड़ ने दोनों का अपहरण कर उन्हें बंधक बना लिया है। एसपी राजर्षि राज वर्मा ने कहा है कि परिवाद मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है। जांच के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि 18 जुलाई को अविश्वास प्रस्ताव पर बैठक होनी है, जिसमें अभी भी एक हफ्ते का समय है। यदि, अविश्वास प्रस्ताव के लिए की गई बाड़ेबंदी में मौजूद सदस्य बाहर आते हैं तो अविश्वास प्रस्ताव का मामला खटाई में पड़ सकता है। हालांकि, चिड़ावा प्रधान की कुर्सी रहती है या नहीं यह 18 जुलाई को ही पता चलेगा।

मायके जाने की जिद की तो पति को आया गुस्सा

कुल्हाड़ी से काट दी पत्नी की गर्दन, गिरफ्तार

सागर,12 जुलाई (एजेंसियां)।

सागर जिले के मालथौन थाना क्षेत्र के धौर्रा गांव में एक पत्नि को मायके जाने की जिद करना इतना भारी पड़ा कि पति ने उसकी कुल्हाड़ी से गर्दन काटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी पति को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया।

मालथौन थाना प्रभारी योगेन्द्र सिंह दांगी ने बताया कि धौर्रा गांव निवासी मोहनी कुशवाहा मायके जाने की जिद कर रही थी। उसका पति राजेश उसको मायके जाने से मना कर रहा था। पत्नि जिद करने लगी। तो दोनों के बीच विवाद होने लगा। गुस्साए पति ने कुल्हाड़ी से उसकी गर्दन पर वार कर दिया, जिससे उसकी वहीं मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी पति राजेश कुशवाहा को गिरफ्तार कर खुरई न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि मृतक महिला मूक बधिर थी और दोनों के सात साल से कम उम्र के 6 बच्चे हैं।

परीक्षार्थियों की कॉपी जांचने में लापरवाही

बोर्ड ने 334 परीक्षकों को डिबार करने का प्रस्ताव भेजा

अजमेर,12 जुलाई (एजेंसियां)।

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की वर्ष 2023 की बोर्ड परीक्षा में परीक्षार्थियों की कॉपियां जांचने में गंभीर लापरवाही सामने आई है। बोर्ड ने लापरवाही बरतने वाले परीक्षकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। बोर्ड ने ऐसे 334 परीक्षकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए इन्हें एक साल के लिए डिबार करने का प्रस्ताव माध्यमिक शिक्षा निदेशालय को भेजा है। साथ ही, इन पर 16 और 17 सीसी की अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी। इन परीक्षकों के कॉपी जांचने से कई विद्यार्थियों के 21 नंबर तक या उससे अधिक घट गए। परीक्षार्थियों की मांग पर

पुनः कॉपियां जांची गई तो उनके नंबर तो बढ़े ही साथ ही परीक्षा परिणाम भी सुधर गया।

पिछले साल री-टोटलिंग के लिए 49 हजार 695 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया। इनमें से 7 हजार 256 कॉपियों में गलतियां मिलीं। जांच के बाद परीक्षार्थियों के नंबर बदले गए। जांच करने पर पता चला कि इसमें कॉपी जांचने वाले परीक्षक की गलती पाई गई है। ऐसे परीक्षकों की संख्या 5 हजार 251 थी। एक परीक्षक से एक से अधिक गलती कॉपी जांचने के दौरान हुई। गलती के लिए 100 रुपये और अधिकतम 2000 हजार रुपये की कटौती मानदेय से करते हुए पेनल्टी भी लगाई गई है।

7256 विद्यार्थियों की फीस लौटाई

7256 परीक्षार्थियों की री-टोटलिंग में गलती पाए जाने पर इनकी प्रति विद्यार्थी 300 रुपए फीस लौटाई। पिछले साल अक्टूबर तक री-टोटलिंग का काम चला। वर्ष 2023 में 49 हजार 695 अभ्यर्थियों ने कॉपी में पुनः जांच के लिए आवेदन किया था।

4 अभ्यर्थियों के अंकों में बदलाव हुआ

आवेदन करने वालों में 23 हजार 919 सेकेंडरी और 25 हजार 776 सीनियर सेकेंडरी के थे। जांच के बाद 11 हजार 74 अभ्यर्थियों के अंकों में बदलाव करना पड़ा। वहीं वर्ष 2023 की पूरक परीक्षा के तहत सेकेंडरी और सीनियर सेकेंडरी दोनों वर्ग जांच के लिए कुल 87 आवेदन आए। इनमें 4 अभ्यर्थियों के अंकों में बदलाव हुआ है ।

स्कूली बच्चों से भरी वैन हादसे का शिकार

सड़क किनारे खड़ी गाड़ी से टकराई, रेवाड़ी की घटना

रेवाड़ी,12 जुलाई (एजेंसियां)।

हरियाणा के रेवाड़ी में शुक्रवार को एक निजी स्कूल की वैन सड़क हादसे का शिकार हो गई। जब यह हादसा हुआ तो वैन में आठ बच्चे सवार थे। सड़क पर अचानक से आई एक गाय को बचाने के चक्कर में स्कूल वैन सड़क किनारे खड़ी कार से टकरा गई। गनीमत रही कि हादसे में सभी बच्चे सुरक्षित हैं उन्हें हल्की चोटें आई हैं। वहीं टक्कर के बाद दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं।

गांव सुमाखेड़ा स्थित इंडियाना पब्लिक स्कूल की वैन दोपहर स्कूल की छुट्टी होने के बाद बच्चों को छोड़ने के लिए रेवाड़ी शहर के बाईपास पर पहुंची। वैन में 8 स्कूली बच्चे सवार थे। जैसे ही गाड़ी सनसिटी के पास पहुंची तो सामने से एक गाय आ गई। गाय को बचाने के प्रयास में ड्राइवर संतुलन खो बैठा और वैन सड़क किनारे खड़ी एक सफेद रंग की वर्ना कार से पीछे से टकरा गई। टक्कर लगते ही कैब में सवार बच्चे चीखने-चिल्लाने लगे। बाईपास से गुजर रहे लोगों ने तुरंत सभी बच्चों को कैब से बाहर निकाला। हादसे में कैब के ड्राइवर के अलावा स्कूली बच्चों को भी चोटें आई। घायल बच्चे और कैब ड्राइवर की हालत खतरे से बाहर है। मामले की सूचना जैसे ही पुलिस को मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की, फिलहाल सभी बच्चे सुरक्षित हैं।

पंजाब-हरियाणा में 14 जगह ईडी की छापामारी

40 करोड़ की संपत्तियों के दस्तावेज व 16.38 लाख कैश जब्त

चंडीगढ़,12 जुलाई (एजेंसियां)।

हरियाणा के वैट घोटाले में शामिल आरोपियों के घर से ईडी ने 40 करोड़ रुपये से अधिक के अचल संपत्तियों के दस्तावेज, बैंक लॉकर, डीमेट खाते और 16.38 लाख रुपये नकद जब्त किए हैं। वैट घोटाले के आरोपियों के मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल होने के मामले में ईडी ने बीते नौ जुलाई को 14 स्थानों पर दबिश दी थी।

एजेंसी ने यह छापे हरियाणा के उत्पाद शुल्क और कराधान विभाग के तीन अधिकारियों और सिंडिकेट में शामिल महेश बंसल, पदम बंसल, अमित बंसल, मोनिल बंसल, ऋषि गुप्ता, हरीश बियानी और अन्य लोगों के व्यावसायिक और आवासीय परिसरों पर मारे। ईडी ने इस मामले की जांच हरियाणा पुलिस की तरफ से दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। हरियाणा पुलिस की एसआईटी ने जांच में पाया कि आरोपियों ने फर्जी फर्म बनाकर सी फार्म के जरिये गलत इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा किया। उसके बाद अधिकारियों की मिलीभगत कर करोड़ों रुपये के रिफंड हासिल किए। इससे सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचा।

आरोपियों ने रिफंड के जरिये प्राप्त राशि से करोड़ों रुपये की चल व अचल संपत्ति खरीदी। हरियाणा पुलिस ने इस मामले में 50 से ज्यादा एफआईआर विभिन्न जिलों में दर्ज की थी और 30 से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

ट्रैक्टर ने छात्राओं से भरी ई-रिक्शा को मारी टक्कर

आठ घायल और चालक की स्थिति गंभीर

सफीदों,12 जुलाई (एजेंसियां)।

जींद के सफीदों में असंध रोड स्थित गांव खेड़ा खेमावती के पास एक ट्रैक्टर चालक ने पीछे से ई-रिक्शा को टक्कर दे मारी। परिणाम स्वरूप रिक्शा पलट गई और उसमें बैठी करीब 8 स्कूली छात्राएं व रिक्शा चालक नीचे दब गए। आननफानन में आसपास खेतों में धान रोप रही महिलाएं मौके पर पहुंची और ई-रिक्शा को सीधा करके उसके नीचे दबी छात्राओं व रिक्शा चालक को बाहर निकाला।

छात्राएं गांव मलिकपुर से सफीदों के राजकीय कन्या सीनियर सैकेंडरी स्कूल में पढ़ने के लिए जा रही थी। घायल छात्राओं में से 3 की पहचान रितु, रेनू व जन्नत निवासी मलिकपुर तथा ई-रिक्शा चालक की पहचान रघुवीर निवासी सिंगलपुरा कालोनी सफीदों के रूप में हुई है। मामले की सूचना सफीदों पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। घायल छात्राओं व ई-रिक्शा चालक को सफीदों के नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया गया।

जहां पर छात्राओं को उपचार देकर छुट्टी दे दी गई और गंभीर रूप से घायल ई-रिक्शा चालक को प्राथमिक उपचार देकर पीजीआई रोहतक रैफर कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार उपमंडल के गांव मलिकपुर से 11वीं कक्षा की छात्राएं हर रोज की भांति ई-रिक्शा में बैठकर सफीदों के राजकीय सीनियर सैकेंडरी स्कूल में पढ़ने के लिए जा रही थी। जैसे ही उनकी ई-रिक्शा गांव खेड़ा खेमावती के नजदीक पहुंची तो पीछे से एक ट्रैक्टर आया और रिक्शा को टक्कर दे मारी।

बताया जाता है कि ट्रैक्टर के पीछे एक बड़ी हैरो बंधी हुई और उसमें तेज ध्वनि में गाने बज रहे थे। जैसे ही ट्रैक्टर ओवरटेक करके ई-रिक्शा के बराबर से गुजरा तो हैरो ई-रिक्शा में उलझ गई और ई-रिक्शा को पलट दिया। ई-रिक्शा के पलटते ही बचाओं-बचाओं की आवाज सुनकर आसपास के खेतों में धान लगा रही महिलाएं एकदम से दौड़कर मौके पर पहुंची और पलटी हुई ई-रिक्शा को सीधा करके छात्राओं व ई-रिक्शा चालक को बाहर निकाला।

सभी घायलों को सफीदों के नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया गया। जहां से छात्राओं को उपचार प्रदान करके छुट्टी दे दी गई और ई-रिक्शा चालक को गंभीरावस्था में पीजीआई रोहतक रैफर कर दिया गया। ई-रिक्शा चालक रघुबीर के शरीर के एक हिस्से में अधिक चोटें बताई जा रही है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर रही थी।

एसएसबी-गया पुलिस ने की संयुक्त कार्रवाई

जंगल में छापामारी के दौरान भारी मात्रा में मादक पदार्थ डोडा बरामद

गया (एजेंसियां)।
गया में एसएसबी और बिहार पुलिस के जवानों ने लाल इलाके से चिन्हित बाराचट्टी थाना क्षेत्र के जंगलों में छापामारी कर भारी मात्रा में नशीला पदार्थ डोडा बरामद किया है। हालांकि छापामारी के दौरान जवानों को एक भी तस्कर हाथ नहीं लगा। तस्करों की गिरफ्तारी के लिए जंगलों में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार की सुबह गया जिले के बीबी पेसरा गांव स्थित 29वीं वाहिनी एसएसबी के जवानों को गुप्त सूचना मिली थी।

बताया गया था कि जिले के अति नक्सल प्रभावित बाराचट्टी प्रखंड क्षेत्र के छोटकी चापी के रुधवा जंगल में भठवा पहाड़ के पास अज्ञात तस्करों द्वारा मादक पदार्थ की तस्करी की जा रही है। सूचना के सत्यापन के फौरन बाद एसएसबी के सहायक कमांडेंट शिवराम कृष्णन ने बाराचट्टी पुलिस और राजस्व विभाग बाराचट्टी के साथ मिलकर एक संयुक्त टीम का गठन किया।

गठित टीम में शामिल एसएसबी, बाराचट्टी पुलिस और सर्किल ऑफिस बाराचट्टी द्वारा संयुक्त रूप से छोटकी चापी के जंगल में तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान जंगल में बारह (12) प्लास्टिक के बोरों में लगभग 182 किलो मादक पदार्थ (डोडा) को बरामद किया गया। वहीं, तलाशी अभियान की खबर मिलने के बाद तस्कर फरार हो गए और उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित नहीं हो सकी। हालांकि तस्करों की गिरफ्तारी के लिए विभिन्न ठिकानों पर छापामारी की जा रही है। तलाशी अभियान में शामिल जवान बरामद मादक पदार्थ को जब्त कर थाने लाए। उसके बाद अज्ञात तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया।

सीवान में स्वर्ण व्यवसायी पर गोलीबारी

सोने-चांदी से भरा थैला भी लूट ले गए अपराधी

सीवान (एजेंसियां)।
सीवान में स्वर्ण व्यवसायी को अपराधियों ने गोली मार कर घायल कर दिया। यह घटना बीती देर रात की है। घायल की पहचान जीबी नगर तरवारा थाना क्षेत्र के सानी बसंतपुर गांव निवासी चंदन प्रसाद के रूप में हुई है। वैसे कितने रुपये और सोने-चांदी की लूट हुई है, यह अभी साफ नहीं हो पाया है।

जानकारी के मुताबिक, स्वर्ण व्यवसायी की जगदीशपुर में सोने चांदी की दुकान है। वह बीती रात करीब 10:00 बजे के आसपास दुकान बंद कर वापस घर लौट रहे थे। तभी बाइक से ही कुछ अपराधी पीछा करने लगे। स्वर्ण व्यवसायी को जब शक हुआ तो अपनी मोटरसाइकिल और तेज रफ्तार कर घर की तरफ भागने लगे। जैसे ही घर से करीब 100 मीटर की दूरी पर पहुंचे तो अपराधियों ने लूट में असफल होता देख व्यवसायी पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं, जिससे स्वर्ण व्यव्यसायी को दो गोलियां लग गईं। उसके बाद वह मोटरसाइकिल के साथ गिर गए। इसी दौरान अपराधी सोने-चांदी से भरा थैला लेकर फरार हो गए। उसके बाद स्थानीय लोगों ने घायल को इलाज के लिए सीवान सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति देखते हुए उसे गोरखपुर रेफर कर दिया।

गौरतलब है कि सीवान जिले में अपराधियो ने 25 दिन के अंदर आधा दर्जन गोलीबारी की घटनाओं को एक के बाद एक अंजाम दिया है, जिनमें कुछ लोगों की मौत भी हो चुकी है तो कुछ अभी भी जिंदगी और मौत से जंग लड़ रहे हैं। वहीं, बीती देर रात स्वर्ण व्यवसायी के साथ लूट और गोलीबारी की घटना की जैसे ही सूचना सीवान की नई सांसद विजयलक्ष्मी कुशवाहा को मिली तो वह तुरंत ही घायल का हाल-चाल लेने सीवान सदर अस्पताल पहुंच गईं। उनके पति रमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि यह कोई चुनावी रंजिश के कारण घटना घटित नहीं हुई है। बल्कि आजकल जो भी ज्यादातर गोलीबारी की घटनाएं हो रही हैं, वह जमीन से जुड़ी हुई हैं। आजकल छोटे-मोटे अपराधी भी जमीन के काम से जुड़े हैं और इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। लेकिन आज यह जो घटना घटित हुई है, उसमें शामिल कोई भी अपराधी बख्शे नहीं जाएंगे।

वहीं, गोलीबारी की घटना की सूचना पर वह अस्पताल पहुंचे डीएसपी अजय कुमार ने बताया कि घायल का फर्द बयान लिया गया है। उसके आधार पर कार्रवाई की जा रही है। जल्द ही अपराधियों को पकड़ लिया जाएगा।

लगातार गिर रहे पुल पर नीतीश सरकार के मंत्री बोले-

दोषियों की नौकरी जाएगी ठेकेदार भी होंगे ब्लैकलिस्ट

पटना (एजेंसियां)।
बिहार में लगातार पुल गिरने के मामलों पर सीएम नीतीश कुमार के करीबी मंत्री अशोक चौधरी ने बयान दिया है।

उन्होंने कहा कि इस मामले के लिए जांच टीम का गठन किया जा चुका है। आईआईटी रुड़की की जांच टीम इस मामले की गंभीरता से जांच कर रहे हैं। अब तक इस मामले में छह इंजीनियर सस्पेंड हुए हैं। जो भी दोषी होंगे उन्हें नौकरी से बर्खास्त कर जाएगा। इतना ही नहीं संवेदक (संवेदक) को भी ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा।

मंत्री अशोक चौधरी ने बताया कि ज्यादातर पुलिया सांसद के फंड से बने हैं। इनकी भी जांच चल रही है। उन्होंने सभी पुराने पुलों के हेल्थ कार्ड बनाने का निर्देश भी दिया है। दरअसल, शुक्रवार को ग्रामीण कार्य विभाग में मंत्री अशोक चौधरी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। इसमें विभाग के अधिकारी और इंजीनियर शामिल हुए। मंत्री अशोक चौधरी ने भविष्य में ऐसी घटना न हो, इसे रोकने का निर्देश दिया।

पड़ोसी देश नेपाल की राजनीति में हलचल

प्रधानमंत्री प्रचंड ने दिया इस्तीफा

बहुमत साबित कर पाने पर प्रचंड की गद्दी गई

काठमांडू, 12 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत के पड़ोसी देश नेपाल में बड़ी राजनीतिक हलचल मच गई है। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहाल प्रचंड ने आज इस्तीफा दे दिया। अविश्वास प्रस्ताव के जवाब में प्रचंड संसद में अपना बहुमत साबित नहीं कर पाए। संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में अविश्वास प्रस्ताव पर हुए मतदान में प्रचंड मात्र 63 वोट जुटा पाए। वहीं उनके विरुद्ध 194 वोट पड़े। नेपाल में सरकार बनाने के लिए प्रतिनिधि सभा के 275 सदस्यों में से 138 वोट चाहिए होते हैं, जो दहल नहीं जुटा पाए और उनकी सत्ता चली गई।

प्रचंड की सत्ता गिराने में सबसे बड़ा हाथ नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का रहा।

अब तक ओली की एमाले कम्युनिस्ट पार्टी ने प्रचंड की पार्टी सीपीएन-माओवादी सेंटर के साथ गठबंधन कर रखा था। नेपाल में 2022 में चुनाव हुए थे, इन चुनावों में किसी भी दल को सरकार बनाने लायक सीटें नहीं मिली थी। इन चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी बनकर नेपाली कांग्रेस सामने आई थी, इसके पास 89 सीटें थीं। वहीं ओली की पार्टी की पार्टी को 79 सीटें मिली थी। प्रचंड की पार्टी को मात्र 30 सीटें मिली थी लेकिन वह जोड़तोड़ से प्रधानमंत्री बन गए थे, उन्हें ओली ने समर्थन दे दिया था। प्रधानमंत्री प्रचंड की इस गठबंधन सरकार को अभी 19 महीने ही सत्ता में हुए थे।

बीते कुछ समय से गठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा था। इसी कारण से ओली ने समर्थन खींचने का फैसला लिया। उनके समर्थन खींचने के कारण सरकार अल्पमत में आ गई। ▶10 पर

हत्या का प्रयास के मामला

आंध्र के पूर्व सीएम जगन रेड्डी पर हत्या-प्रयास का मुकदमा दर्ज

अमरावती, 12 जुलाई (एजेंसियां)।

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के मुखिया और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज की गई है। उन पर हत्या के प्रयास के मामले में यह एफआईआर दर्ज हुई है। उन पर यह एफआईआर सत्ताधारी टीडीपी के एक विधायक ने दर्ज करवाई है। उनके साथ कुछ पुलिस अफसरों के नाम भी इस एफआईआर में दर्ज किए गए हैं।

टीडीपी विधायक रघु राम कृष्णम राजू ने गुंटूर में यह एफआईआर दर्ज करवाई है। राजू पहले नरसापुरम लोकसभा सीट से वाईएसआर कांग्रेस पार्टी से सांसद थे। उनका आरोप है कि राज्य सीआईडी ने उन्हें गिरफ्तार कर उनके साथ बदसलूकी की थी। उनका आरोप है कि यह सब कुछ तत्कालीन मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के कहने पर हुआ।

राजू ने इस मामले में राज्य के पुलिस खुफिया विभाग के पूर्व मुखिया पीएसआर अंजनायेलु और सीआईडी के एएसपी जी पर्भवती को भी आरोपी बनाया है। एमएलए राजू का आरोप है कि उन्हें 2021 में गिरफ्तार किया गया था और बिना कोई ट्रांजिट वारंट के सीआईडी द्वारा गुंटूर ले जाया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि यहां उनके साथ पुलिस अफसरों ने मारपीट की। उन्हें चमड़े की बेल्ट और लाठियों से पीटा गया और उन्हें दवाइयां लेने से भी रोका गया। ▶10 पर

रोजगार को लेकर राहुल गांधी का एक और झूठ उजागर

दस साल में 12.5 करोड़ रोजगार दिए गए

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी देश के लोगों को गुमराह कर रहे हैं। राहुल गांधी ने केवल सदन के पटल से हिंदू धर्म का अपमान ही नहीं किया बल्कि झूठ भी बोला। उन्होंने झूठ को अपना धर्म बना लिया है। वे देश को नीचा दिखाने का काम करते हैं।विपक्ष के देश में महंगाई, बेरोजगारी बढ़ने के बयान पर भाजपा ने कहा कि विपक्ष लोगों को गुमराह कर रहा है।

पार्टी प्रवक्ता जफर इस्लाम ने कहा कि आरबीआई के आंकड़े बता रहे हैं कि विपक्ष किस तरह से बेरोजगारी, महंगाई और अर्थव्यवस्था पर झूठ बोल रहा है। हाथ में संविधान की किताब लेकर चलने वाले कांग्रेस के नेता झूठ फैलाने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के तहत, केवल 10 वर्षों (वित्त वर्ष 2014-23) में 12.5 करोड़ नौकरियां पैदा हुईं, जिससे भारत दुनिया के सबसे अच्छे नौकरी पैदा करने वाले देशों में से एक बन गया। इसके विपरीत, मनमोहन सिंह के शासनकाल में 2004-14 के बीच केवल 2.9 करोड़ रोजगार सृजन हुआ था। इसी तरह महंगाई दर भी पिछले दस सालों में पांच प्रतिशत से नीचे रही है। जफर इस्लाम ने कहा कि कल ही भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भारत में रोजगार सृजन पर जारी रिपोर्ट दर्शाती है कि कैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत ने सफलतापूर्वक तेजी से नई नौकरियां, नए रोजगार के अवसर पैदा किए हैं। ▶10 पर

केजरीवाल के प्रति सुप्रीम कोर्ट कुछ अधिक ही 'भावुक'

ईडी मामले में दे दी जमानत पर तिहाड़वास जारी रहेगा

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जुड़े मामले अंतरिम जमानत दे दी है। लेकिन सीबीआई से सम्बद्ध मामले में केजरीवाल अभी जेल में ही रहेंगे। ईडी द्वारा की गई गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली केजरीवाल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी वाले मामले में केजरीवाल को अंतरिम जमानत देते हुए कहा कि अदालत धारा 19 के प्रश्न पर विचार कर रही है। धारा 19 और 45 के बीच अंतर साफ है। धारा 19 जांच अधिकारी की व्यक्तिपरक राय है। धारा 45 न्यायालय की ओर से किया गया प्रयोग है। जस्टिस खन्ना ने कहा कि न्यायालय की शक्ति अधिकारी की शक्ति से अलग होती है। अदालत ने गिरफ्तारी की आवश्यकता, अनिवार्यता को आधार बनाया है। विशेष रूप से आनुपातिकता के सिद्धांत के मद्देनजर, इसे हमने बड़ी पीठ के पास भेजा है। जस्टिस खन्ना ने कहा कि क्या गिरफ्तारी की आवश्यकता, अनिवार्यता गिरफ्तारी के औपचारिक मापदंडों की संतुष्टि को संदर्भित करती है? हमने माना है कि केवल पूछताछ से गिरफ्तारी की अनुमति नहीं मिलती। अरविंद केजरीवाल ने 90 दिनों की कैद झेली है। हम निर्देश देते हैं कि केजरीवाल को अंतरिम जमानत पर रिहा किया जाए। शीर्ष अदालत ने 15 अप्रैल को धनशोधन मामले में केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^{0}
न्यूनतम : 19^{0}

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार की करतूत

चुनावी गारंटी पर खर्च कर दिया दलित विकास का फंड

अनुसूचित जाति आयोग ने कांग्रेस सरकार को नोटिस भेजा

बेंगलुरु, 12 जुलाई (एजेंसियां)।
कर्नाटक की कांग्रेस सरकार की एक और करतूत उजागर हुई है। कांग्रेस सरकार ने दलित विकास का फंड चुनावी गारंटी पर खर्च कर डाला। इस भीषण अनियमितता को लेकर राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने कर्नाटक सरकार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। आयोग इस बात पर भीषण नाराज है कि कर्नाटक सरकार ने चुनावी गारंटियां पूरी करने के लिए दलित और आदिवासियों के विकास के लिए दिया गया फंड क्यों खर्च कियाय़?

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष किशोर मकवाना ने कहा, कर्नाटक सरकार ने अनुसूचित जाति के कल्याण के लिए जारी किया गया फंड अन्य कार्य के लिए लेकर इसका दुरुपयोग किया है। यह अनुसूचित जाति के कल्याण के लिए उठाए गए कदम के विरुद्ध है। इसका आयोग ने संज्ञान लिया है और इस मामले में कर्नाटक सरकार को नोटिस भेजा है। कर्नाटक सरकार को इस मामले में नोटिस भी भेजा गया है। यदि कर्नाटक सरकार इस मामले में जवाब नहीं देती तो कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि हाल ही में कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने फैसला लिया था कि वह राज्य के दलित-आदिवासियों के दिए गए 14,730 करोड़ फंड को अब अपनी गारंटियों में खर्च करेगी। कर्नाटक की सिद्दारमैया सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 39,121 करोड़ की धनराशि दलित और आदिवासियों के फंड के रूप में जारी किया था।

कर्नाटक में नियमों के अनुसार ऐसा करना आवश्यक है। लेकिन कांग्रेस सरकार ने इसमें से लगभग एक तिहाई फंड काटने का इरादा कर लिया है। वह पहले भी ऐसा ही कर चुकी है। कांग्रेस सरकार ने जुलाई 2023 में राज्य के दलित आदिवासी (एससी-एसटी) समुदाय के कल्याण के लिए खर्च किए जाने वाले 11,000 करोड़ को भी इन गारंटियों के लिए उपयोग करने का फैसला लिया था, जिसके कारण इसकी काफी आलोचना हुई थी। कांग्रेस सरकार ने यह कह कर अपना बचाव करने का प्रयास किया था कि यह दूसरी योजनाओं को दिया जाने वाला यह पैसा भी गरीबों के विकास में लगेगा। हालाँकि, दलित संगठनों ने उसकी इस दलील को स्वीकार नहीं किया था। ▶10 पर

अग्निवीर पर उठ रहे सवालों के बीच केंद्र का फैसला

अग्निवीर के लिए अर्धसैनिक बलों में 10 प्रतिशत आरक्षण

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)।
भारतीय सेना में 4 वर्ष की अग्निवीर के तौर पर सेवा देने के बाद केंद्रीय सुरक्षाबलों में नौकरी के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। इस आरक्षण को तीन केंद्रीय सुरक्षाबलों ने लागू भी कर दिया है। इस आरक्षण का ऐलान केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 2022 में किया था, इसे अब लागू किया गया है। रेलवे पुलिस बल (आरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने अग्निवीरों को 10 प्रतिशत आरक्षण देने के निर्णय को लागू कर दिया है। यह भी बताया गया है कि पूर्व अग्निवीरों को इन भर्तियों में 10 प्रतिशत सीटों पर आरक्षण के अलावा शारीरिक मापदंडों में भी छूट मिलेगी। आरपीएफ के डायरेक्टर जनरल मनोज यादव ने बताया, भविष्य में आरपीएफ में जो भी भर्ती होगी, उसमें 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान पूर्व अग्निवीरों को दिया जाएगा। ▶10 पर

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com